सुविचार
समृद्धि व्यक्तित्व की देन है, भाग्य की नहीं। चाणक्य

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 07 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 316 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
कटरीना ने साझा किया विजय के साथ...

SHARE

संसेक्स	:	69,653.73
निफ्टी	:	20,937.70

SARAFA

सोना	:	5,945
चांदी	:	81.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड के नए मुख्य सचिव बने एल खियांग्ते

RANCHI : झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह का ट्रांसफर कर दिया गया है। उनकी जगह एल खियांग्ते को राज्य का नया मुख्य सचिव बनाया गया है। कार्मिक विभाग की ओर से इस बाबत नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। एल खियांग्ते इससे पहले श्रीकृष्ण लोक सेवा प्रशासन संस्थान के महानिदेशक के पद पर थे। इसके साथ ही उनके पास वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी था। आईएएस अधिकारी सुखदेव सिंह को स्थानांतरित करते हुए श्रीकृष्ण लोक सेवा प्रशासन संस्थान का महानिदेशक बनाया गया है।

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज

RANCHI : कैबिनेट की बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को होगी। बैठक शाम चार बजे धुर्वा के प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने आदेश जारी किया है।

हज पर जाना होगा आसान 48 घंटे के अंदर मिलेगा वीजा

NEW DELHI : सऊदी अरब हज पर जाने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सऊदी सरकार राहत के कई उपाय करने की योजना बना रही है। इसी में से एक है 48 घंटे के भीतर वीजा जारी करना और 96 घंटे का स्टॉप ओवर वीजा। सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्री तौफीक बिन फौजान अल-रबिया ने आज यानी बुधवार को यह जानकारी दी है।

सीबीआई ने अमित अग्रवाल को लिया रिमांड पर

RANCHI : सीबीआई ने अमित अग्रवाल को कोलकाता कैश कांड मामले में प्रोडक्शन रिमांड पर लिया है। अब सीबीआई अमित अग्रवाल से पांच दिनों तक पूछताछ करेगी। बता दें कि बीते 19 जनवरी 2023 कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल के खिलाफ सीबीआई ने मामला दर्ज किया था। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई की दिल्ली ब्रांच ने अमित अग्रवाल के खिलाफ कांड संख्या आरसी 2182023ए0002 दर्ज किया था। केस दर्ज करने के बाद सीबीआई की टीम अमित अग्रवाल के पश्चिम बंगाल के कोलकाता और झारखंड के रांची स्थित कई ठिकानों पर छापेमारी की थी।

तूफान 'मिचौंग' ने बदला मौसम का मिजाज, बढ़ी कनकनी

रूक-रूक कर हो रही बारिश, बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से से उठ रही चक्रवात का झारखंड में दिख रहा असर

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची समेत पूरे राज्य के मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। रांची में लगातार हो रही बूंदाबांदी से ठंड का प्रकोप बढ़ने लगा है। दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं होने और हल्की हवा के बहाव ने ठंड का असर बढ़ा दिया है। कई इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हल्की वर्षा हुई। जिससे रांची व आसपास के जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मिचौंग चक्रवात का असर राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में देखने को मिल रहा है। चक्रवात का असर रांची में मंगलवार की देर शाम से दिखने लगा था और रात में बूंदाबांदी के बाद बुधवार की सुबह से दिन भर हल्की वर्षा के कारण तापमान में भी गिरावट जारी है। इस कारण ठंड का असर भी बढ़ गया है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के मुताबिक चक्रवात का

बुधवार को रांची में बारिश से बचने के लिए छाता लेकर सड़क में घुमते दिखे लोग।

असर 7 दिसंबर तक रहने की संभावना है। 8 दिसंबर को मौसम खुल सकता है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से में उठे चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण राज्य के मौसम में बदलाव हुआ है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञानी ने कहा कि 9 दिसंबर के बाद आसमान से बादल छंटने के बाद न्यूनतम तापमान में काफी गिरावट होगा और कंपकंपी बढ़ेगी। साथ ही कुहासा व धुंध का असर भी बढ़ने लगेगा।

'मिचौंग' से चेन्नई में तबाही, 72 घंटे से बिजली नहीं, इंटरनेट बंद

AGENCY CHENNAI : बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश तट से टकराया। उससे पहले तूफान ने चेन्नई में काफी तबाही मचाई। यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश हुई। बारिश के चलते कई इलाके पिछले दो दिनों से बाढ़ में डूबे हैं। कई इलाकों में 72 घंटे से बिजली नहीं आ रही, इंटरनेट बंद है। भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर से बाढ़ में फंसे लोगों तक खाना पहुंचाया जा रहा है। तमिलनाडु में तूफान की वजह से राज्य में 2 दिनों में 3 महीने की बारिश हुई। चेन्नई शहर पानी में डूब गया, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। सीएम एमके स्टालिन ने

वायु सेना के हेलिकॉप्टर से पहुंचाया जा रहा खाना

भारी बारिश से डूबा शहर।

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 5060 करोड़ रुपए की मदद मांगी। डीएमके सांसद टीआर बालू ने इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की। राज्य के चेन्नई, चेंगलपट्ठ, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम जिलों में स्कूलों में होने वाली छमाही परिक्षाएं पोस्टपोन कर दी गईं।

सांसद धीरज साहू के घर आईटी सर्वे

रांची-लोहरदगा सहित पांच ठिकानों पर पहुंची टीम

CRIME REPORTER RANCHI : राज्यसभा सांसद धीरज साहू के घर पर आयकर विभाग की टीम पहुंची है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार यह सर्वे हैं। धीरज साहू के लोहरदगा और रांची के दोनों घरों में सर्वे हुई। कुल पांच ठिकानों में सर्वे की गई। जिसमें एक रांची, एक लोहरदगा और ओडिशा में तीन जगह हैं। राजधानी रांची में रेडियम रोड स्थित सुशीला निकेतन में भी आयकर विभाग की टीम पहुंची। राज्यसभा सांसद के पांचों ठिकानों पर सुबह-सुबह ही टीम पहुंची और सर्वे की। सूचना है कि आईटी की ओर से जो टीम सर्वे की वह ओडिशा से आयी थी। आयकर विभाग की टीम इन सभी जगहों पर कई कागजातों की भी जांच की। रांची के रेडियम रोड स्थित सुशीला निकेतन में काम करने वाले कर्मचारियों को भी अंदर प्रवेश करने नहीं दिया गया। दरवाजे पर सुरक्षाकर्मी भी तैनात थे जो किसी को अंदर प्रवेश करने नहीं दे थे। आयकर सलाहकार विशाल सारस्वत बताते हैं कि छापे में 6 साल तक के रिटर्न की जांच हो सकती है। फर्म के निवेश, संपत्ति या लेन-देन का ब्योरा अगर पुराने इनकम टैक्स रिटर्न से मेल नहीं खाते तो पेनाल्टी की गणना संबंधित वर्ष से होगी। छापे में फर्म या व्यक्ति से जुड़े संस्थानों, घर, बैंक व लॉकर्स, पार्टनर्स और यहां तक कि रिश्तेदार तक के यहां आयकर अधिकारी जांच कर सकते हैं। वहीं आयकर विभाग के सर्वे में चालू वित्तीय वर्ष का ब्योरा या लिखा-पढ़ी में कोई विसंगति की जांच की जाती है। इसमें संबंधित फर्म या प्रतिष्ठान तक ही जांच या कार्रवाई होती है।

- घर में प्रवेश करने से नौकरों को भी रोका गया
- सुबह-सुबह ही पहुंची टीम, कई कागजातों को खंगाला

रांची स्थित इस घर पर भी पहुंची आईटी व इनसेट में सांसद की फाइल फोटो।

पहले भी पहुंची है आयकर विभाग की टीम

यह पहली बार नहीं है 12 दिसंबर 2019 को भी आयकर विभाग की टीम धीरज साहू के घर पहुंची थी। साल 2019 में रांची से दिल्ली जाने के दौरान रांची एयरपोर्ट पर लगेज स्केनिंग में झारखंड से कांग्रेस के राज्य सभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के पास से 38.5 लाख रुपए मिले थे। इस वक्त आयकर विभाग की टीम लोहरदगा स्थित आवास पहुंची थी। रांची से दिल्ली विस्तारा एयरवेज से दिल्ली जा रहे थे। इसी दौरान उनके बैग से स्कैनिंग के दौरान रुपए दिखे थे। तब समय कम होने की वजह से रुपयों की गिनती रांची एयरपोर्ट में नहीं की जा सकी थी। सीआइएसएफ ने इसकी सूचना इनकम टैक्स को दी थी। कांग्रेस प्रत्याशी धीरज साहू ने नामांकन पत्र के साथ शपथ पत्र में लगभग 18 करोड़ की संपत्ति दशार्यी है। बताया है कि उनके व उनके आश्रितों के पास लगभग 14 करोड़ की चल संपत्ति है। लगभग 1.72 करोड़ की अचल संपत्ति है। चल संपत्ति में उनके नाम लगभग 9.67 करोड़, पी के नाम 1.06, पैतृक 9.47 करोड़ की संपत्ति दिखाई है।

कार से पहुंची आईटी की टीम।

कश्मीरी पंडितों को आरक्षित सीटें व जम्मू का बढ़ेगा कोटा, लोकसभा में दो बिल पास

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- संविधान के अनुच्छेद 370 के कारण हुईं 45000 मौतें

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक-2023 ध्वनिमत से पारित कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे पेश किया था। उन्होंने इस पर भाषण देते हुए बताया कि इन विधेयकों को मंजूरी मिलने से जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में विस्थापित कश्मीरी पंडितों को आरक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि तीन सीटों पर विधायक मनोनीत होंगे। दो सीटें विस्थापित कश्मीरी पंडितों के लिए होंगी और एक सीट पीओके से आए विस्थापितों के लिए होगी। कश्मीरी पंडितों के लिए तय दो सीटों में से एक महिला के लिए होगी। शाह ने लोकसभा में जम्मू-कश्मीर से जुड़े दो विधायकों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के चलते जम्मू-कश्मीर में 45 हजार लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इस अनुच्छेद को नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2019 में उखाड़ फेंका है।

46,631 परिवार अपने ही देश में विस्थापित हो गए

गृहमंत्री ने कहा कि वर्तमान विधेयकों का उद्देश्य सकारात्मक है और वह सभी से सर्वसम्मति से इसे पारित करने का अनुरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के दौर में राज्य से 46 हजार 631 परिवार विस्थापित हुए थे। इसके अलावा पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों के दौरान 41 हजार 844 परिवार विस्थापित हुए थे। विधेयक का उद्देश्य इन लोगों को सम्मान के साथ उनका अधिकार देना है। गृहमंत्री ने इस दौरान 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद आए बदलावों का विस्तृत ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि यह अनुच्छेद ही अलगाववाद के मूल में था, जिसे हटा देने से अलगाव की भावना अब धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी।

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 से

RANCHI : झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से प्रारंभ होगा। झारखंड के राज्यपाल ने इससे संबंधित प्रस्ताव पर अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। 15 दिसंबर से शीतकालीन सत्र आहूत होगा जो 22 दिसंबर तक चलेगा। छह कार्य दिवस होंगे। इस दौरान द्वितीय अनुपूरक बजट भी पेश किया जायेगा। कई विधेयक भी इसमें पेश किये जायेंगे। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस बार भाजपा नए तेवर में दिखेगी। अब पार्टी अपने नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी की अगुवाई में सरकार को घेरते दिखाई देगी।

पीटीआर में हुई दो बाघों की ENTRY

PLAMU : पलामू टाइगर रिजर्व के जंगलों में इन दोनों दो बाघों की इंट्री हुई है। अनुमान है कि झारखंड के पड़ोसी राज्यों से आकर दोनों बाघ पीटीआर में स्वतंत्र रूप से भ्रमण कर रहे हैं। दोनों बाघ जिस इलाके में देखे जा रहे हैं, उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा कारणों से बाघ देखे जाने वाले इलाके का खुलासा नहीं किया जा रहा है और उनके तस्वीरों को भी शेयर नहीं करने का निर्देश वरीय पदाधिकारियों के द्वारा दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से मजबूत कर दी गई है।

परिवहन विभाग के कार्यालय की संपत्ति को अटैच करने के आदेश पर लगी रोक

मेसर्स केएस सॉफ्टनेट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड से चार सप्ताह में मांगा जवाब

झारखंड हाइकोर्ट

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाइकोर्ट ने परिवहन विभाग की एफएफपी बिल्डिंग स्थित कार्यालय की पूरी संपत्ति को अटैच करने के कॉमर्शियल कोर्ट के आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी है। हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षतावाली खंडपीठ ने मामले में मेसर्स केएस सॉफ्टनेट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को चार सप्ताह में प्रतिशपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। खंडपीठ ने कॉमर्शियल कोर्ट के द्वारा परिवहन विभाग की पूरी संपत्ति को अटैच करने के 13 जुलाई 2023 एवं 24 नवंबर 2023 के आदेश पर रोक लगा दी है। मामले को लेकर परिवहन विभाग द्वारा हाइकोर्ट में दीवानी याचिका दाखिल की गयी थी। बता दें कि झारखंड सरकार के परिवहन विभाग के धुर्वा स्थित परिवहन विभाग के एफएफपी बिल्डिंग स्थित कार्यालय की पूरी संपत्ति को सिविल कोर्ट रांची के आदेश पर मंगलवार को टीम द्वारा अटैच कर ली गयी थी। संपत्ति को

- परिवहन विभाग ने हाइकोर्ट में दाखिल की थी दीवानी याचिका
- 13 जुलाई 2023 व 24 नवंबर के आदेश पर कोर्ट ने लगाई रोक

खरसावां में सीएम हेमंत सोरेन का बड़ा ऐलान, विपक्ष को भी लिया आड़े हाथ

झारखंड में जल्द निकलेंगी 50 हजार नई नौकरियां

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरायकेला-खरसावां में 236 करोड़ की 90 योजनाओं का शिलान्यास किया। वहीं, 80 करोड़ की 142 योजनाओं का उद्घाटन भी किया। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही राज्य सरकार 50 हजार नई नियुक्तियां निकालेगी। सीएम ने बुधवार को 1.23 लाख से अधिक लाभुकों के बीच 244 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति का वितरण किया। विपक्षी दलों पर हमला करते हुए कहा कि झारखंड में शासन करने वाली पूर्ववर्ती सरकारों ने यहां के विकास के लिए कुछ नहीं किया। पूर्व की सरकारों ने झारखंड को बीमारू राज्य बना दिया था। हम मिलकर झारखंड को पिछड़े राज्य से अग्रणी राज्य की श्रेणी पर ले जाने का काम करेंगे।

ये सौगातें दी

- **236** करोड़ की 90 योजनाओं का शिलान्यास
- **80** करोड़ की 142 योजनाओं का उद्घाटन
- **244** करोड़ रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण

सीएम के बोल

- पूर्ववर्ती सरकारों ने यहां के विकास के लिए कुछ नहीं किया
- झारखंड को बीमारू राज्य बना दिया था
- राज्य से अग्रणी राज्य की श्रेणी पर ले जाने का काम करेंगे

हमारे साथ सौतेला व्यवहार करती है केंद्र सरकार : CM

हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का भी आरोप लगाया। कहा कि केंद्र सरकार के पास झारखंड का 1।36 लाख करोड़ रुपए बकाया है। हक मांगने पर केंद्रीय एजेंसियों के जरिए परेशान किया जाता है। कहा कि अपने हक-अधिकार के लिए हम सदियों से लड़ते आए हैं। हमलोग भागने वाले नहीं है। भगाने वाले हैं। केंद्र सरकार राज्य का यह बकाया वापस दे देती, तो इस राज्य का पिछड़ापन दूर हो जाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सिदो-कान्हू वन उपज फेडरेशन का गठन कर लिया गया है। वनोपज को अब सरकार ही खरीदेगी और इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी निश्चित होगा, ताकि किसानों को दलालों से बचाया जा सके। सीएम ने कहा कि राज्य में जल्द ही धान की खरीद शुरू होगी। साथ ही किसानों को उनकी उपज का सही दाम भी मिलेगा। जो युवा राइस मिल खोलना चाहते हैं, उन्हें आर्थिक सहायता के साथ-साथ राइस मिल खोलने के लिए जमीन भी देगी। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार ने 8.5 लाख पीएम आवास के निर्माण की मंजूरी नहीं दी, तो झारखंड सरकार अब अबुआ आवास योजना के तहत तीन कमरों का आवास देगी। इस पर 15 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जायेंगे।

ईडी ऑफिस नहीं पहुंचे साहिबगंज एसपी नौशाद आलम, मांगा समय

RANCHI : ईडी ने साहिबगंज एसपी नौशाद आलम को तीसरी बार समन भेजकर पूछताछ के लिए छह दिसंबर को रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया था, लेकिन साहिबगंज एसपी ईडी ऑफिस नहीं पहुंचे। हालांकि नौशाद आलम ने ईडी को पत्र लिखकर समय मांगा है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह नौशाद आलम ने ईडी के अधिकारियों को पत्र के जरिये सूचना दी कि वो बुधवार को उपस्थित होने में सक्षम नहीं हैं। पत्र में ईडी के समक्ष उपस्थित ना होने का कारण भी लिखा है। उन्होंने ईडी के अधिकारियों से पूछताछ के लिए दूसरी तारीख मांगी है। बता दें कि पहले समन पर भी नौशाद आलम ईडी ऑफिस हाजिर नहीं हुए थे। हालांकि, दूसरे समन पर 28 नवंबर को उनसे पहले चरण की पूछताछ हो चुकी है, लेकिन उस दौरान उन्होंने असहयोगात्मक रवैया अपनाया था। जिसके बाद ईडी ने उन्हें तीसरी बार समन भेजा था। बता दें कि साहिबगंज एसपी पर ईडी के गवाह विजय हांसदा को भड़काने की साजिश में शामिल रहने और उसकी दिल्ली यात्रा की व्यवस्था करने का आरोप है।

ईडी के अहम गवाह ने कोर्ट में दिया बयान, बताया

पूजा सिंघल को मिलता था कमीशन का पैसा

CRIME REPORTER RANCHI : मनरेगा घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की ओर से महत्वपूर्ण गवाह कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। बुधवार को रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में ईडी के गवाह का बयान दर्ज किया गया। ईडी के गवाह अभय नंद अम्बष्ठ ने अदालत में दिए अपने बयान में कहा कि विकास कार्यों की योजना में दिए गए अग्रिम भुगतान से मिलने वाले कमीशन का पैसा खूंटी की तत्कालीन डीसी पूजा सिंघल तक पहुंचाया जाता था। इसके अलावा अभयनंद अम्बष्ट ने पूजा सिंघल के कार्यकाल के दौरान डीसी ऑफिस की कार्यप्रणाली की भी विस्तृत जानकारी अदालत को दी। अब बचाव पक्ष यानि पूजा सिंघल के अधिवक्ता अभयनंद का क्रॉस एग्जामिनेशन (प्रतिप्रेक्षण) करेंगे। कोर्ट ने इसके लिए 13 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने गवाह का बयान दर्ज करवाया। पूजा सिंघल की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, स्नेह सिंह और रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा गवाही के दौरान अदालत में मौजूद रहे। सुनवाई के दौरान पूजा सिंघल और राम विनोद सिन्हा जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। वहीं पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा के सीए सुमन कुमार भी कोर्ट में सशरीर उपस्थित रहे।

12 अप्रैल को पूजा ने किया था सरेंडर

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Thursday, 07 December 2023

BRIEF NEWS

समरसता दिवस के रूप में मनाई गई डॉ अंबेडकर की जयंती

KHUNTI : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तोरपा प्रखंड के दियांकेल गांव में बुधवार को बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर की पुण्यतिथि सामाजिक समरसता दिवस कें रूप में मनायी गयी। मौके पर एसएफएस प्रमुख पवन कुमार महतो ने डॉ भीम राव अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संविधान और उसके निर्माण कें बारे में जानकारी दी। दियांकेल पंचायत की मुखिया शिशिर तोपनो ने कहा कि बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। भारतीय संविधान आज अपने आप में गौरव है। इसके निर्माण में बाबा साहेब ने अहम भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा टी शर्ट का वितरण किया गया।

अदाणी फाउंडेशन ने मोतिया आंगनबाड़ी केंद्र को दिए कई सामान

GODDA : सदर प्रखंड के मोतिया गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में अदाणी फाउंडेशन की ओर से बुधवार को बच्चों को बैठने के लिए कुर्सी समेत कई अन्य सामान दिया गया। मोतिया चपोता टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में लगभग 30 बच्चे आते हैं। बेहतर पोषण के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए अदाणी फाउंडेशन समय-समय पर खेलने व पठन-पाठन की सामग्री उपलब्ध कराता रहा है। आंगनबाड़ी की संचालिका किरण दिव्या ने अदाणी फाउंडेशन की सराहना की है। उन्होंने कहा कि अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। अदाणी फाउंडेशन की ओर आंगनबाड़ी केंद्र की रंगाई-पुताई व बच्चों की अभिरुचि के मुताबिक भित्तिचित्र लेखन के माध्यम से केन्द्र को आकर्षक बनाने का कार्य किया गया है, जिससे इस आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चों की दिलचस्पी भी बढ़ी है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें अच्छी शिक्षा व सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प के साथ अदाणी फाउंडेशन लगातार इस दिशा में काम कर रहा है।

सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने विधायक आलोक को सौंपा ज्ञापन

PALAMU : सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा समन्वय समिति ने बुधवार को विधायक आलोक चौरसिया को ज्ञापन सौंपा। नेतृत्व अमलेश कुमार चौरसिया एवं अनुराग सिंह ने किया। समिति के राज्य सदस्य विनोद तिवारी ने विधायक से विधानसभा सत्र के दौरान उनकी मांगों के संबंधित प्रश्न उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि उनकी सरकार बनते ही तीनमहीने के अंदर वेतनमान दे दिया जाएगा, परंतु अभी तक वेतनमान नहीं दिया गया। अगर नहीं देना था तो झूठा वादा क्यों किया? विधायक से वेतनमान एवं राज्यकर्मी का दर्जा देने, सहायक अध्यापकों को अल्पसंख्यक विद्यालयों की तर्ज पर वेतनमान 9300 से 34800 करने, बिहार राज्य में आकलन व सीटेट को मान्यता देन व वेतनमान एवं ग्रेड पे लागू करने, सहायक अध्यापकों की सेवा अवधि 60 वर्ष से बढ़कर 65 वर्ष करने, 2018 एवं उससे पूर्व आंदोलन में हुए केस वापस लेने, राज्य में जारी सहायक आचार्य की बहाली रद्द करने, छात्र शिक्षक अनुपात में शिक्षक की रिक्त संख्या 70000 करने, 20 वर्षों से कार्यरत सहायक अध्यापकों को सरकारी पद पर समायोजन करने आदि मांग शामिल है।

मिचौंग का खूंटी में जबर्दस्त असर, तीन दिनों से हो रही बारिश

KHUNTI : मिचौंग तूफान का जबर्दस्त असर खूंटी जिला मुख्यालय और आसपास के इलाकों में देखने को मिल रहा है। इस तूफान के कारण सोमवार की देर रात से लगातार हो रही रिमझिम बारिश के कारण आम जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बुधवार को भी सुबह से पूरे इलाके में रुक-रुककर हो रही रिमझिम बारिश से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों और रोज कमाने-खाने वालों को हो रही है। बहुत जरूरी काम वाले लोग ही घरों से निकल रहे हैं।

बाबूलाल ने संथाल परगना में आयोजित बाइक रैली का किया नेतृत्व, बोले-

भाजपा आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संकल्पित

PHOTON NEWS PAKUR : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को भारी बारिश के बीच अनुसूचित जनजाति मोर्चा के तत्वावधान में संथाल परगना में आयोजित बाइक रैली का नेतृत्व किया। दो दिवसीय रैली के द्वितीय चरण का बुधवार को दूसरा दिन था।

रैली में कुमार भाजा लिट्टीपाड़ा से पाकुड़िया तक सैकड़ों आदिवासी युवा शामिल हुए। जगह-जगह पुष्प वर्षा एवम पारंपरिक रूप से मरांडी का स्वागत हुआ। महिलाएं घंटों तक छाता लगाए अपने नेता के स्वागत में खड़ी रहीं। रैली को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा आदिवासी समाज को उसका हक और अधिकार

रैली में शामिल प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

दिलाने, विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संकल्पित है।

मोदी सरकार लगातार जनजातियों के लिए योजनाएं चला रही। चाहे जनजाति गांव का विकास हो या शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन सभी क्षेत्र की योजनाएं चलाई जा रहीं। युवाओं को ऋण के माध्यम से रोजगार से जोड़ा जा रहा। जनजाति क्षेत्र के उत्पाद को विश्व व्यापार से जोड़ा जा रहा। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने अलग राज्य दिए। जनजाति मंत्रालय बनाया। आज मोदी मंत्रिमंडल में आठ मंत्री जनजाति समाज से हैं।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के स्वतंत्रता सेनानी, महापुरुषों को आजादी के बाद कभी सम्मान नही मिला लेकिन मोदी सरकार ने जनजाति समाज का गौरव बढ़ाया। देश में जनजाति समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद को सुशोभित कर रहीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासी होने का केवल दंभ भरते हैं। उनके मन में समाज के लिए न कोई सोच है, न सम्मान है और न संवेदना है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट ने किया जनाक्रोश मार्च

अपराधियों को सजा नहीं मिलने पर सड़क पर उतरने की चेतावनी

जनाक्रोश मार्च में शामिल ट्रस्ट के लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के बैनर तले बुधवार की शाम मेदिनीनगर जनाक्रोश मार्च किया गया। गीता भवन से जन आक्रोश कैंडल मार्च-पदयात्रा कर छह मुहान पर राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के संस्थापक सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को श्रद्धांजलि समर्पित किया गया।

मौके पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह ने मांग की कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार निर्मम हत्या करने वाले अपराधियों को अभिलंब गिरफ्तार करे और उन्हें फांसी की सजा दी जाए, क्योंकि भारत के मानचित्र के पटल पर राष्ट्र नवनिर्माण में राजपूत का लहू बहा है। बलिदान इतिहास गवाह है और इस तरह की निर्मम हत्या क्षत्रिय समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

यदि अपराधियों को सजा नहीं मिलती है तो झारखंड सहित पूरे भारत में क्षत्रिय समाज अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के बैनर तले सड़क पर उतरने का काम करेगा और ऐसी ओक्षी मानसिकता वाले लोगों को उनकी औकात बताने का भी काम करेगा।

फरार संवेदक गिरफ्तार, तीन सड़क योजनाओं में की थी लाखों की गड़बड़ी

PHOTON NEWS PALAMU : गत छह वर्ष से फरार चल रहे छिन्नमस्तिका कंस्ट्रक्शन कंपनी के संवेदक दिलीप कुमार उर्फ दिलीप राम को पलामू एसीबी की टीम ने रांची से गिरफ्तार किया है। संवेदक को गिरफ्तार करने के बाद उसे मेदिनीनगर लाया गया। यहां से उसे न्याय हिरासत में भेज दिया जाएगा। संवेदक दिलीप पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के हुटार का मूल निवासी। ऐसे मेदिनीनगर के रेलवे कॉलोनी में रहता है। संवेदक पर तीन सड़क योजनाओं में लाखों रुपए गड़बड़ी का आरोप है। इस संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पलामू के कार्यालय में प्राथमिक की दर्ज की गई थी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पलामू के पुलिस अधीक्षक ने बुधवार की शाम

संवेदक दिलीप कुमार की फाईल फोटो।

जानकारी दी है कि छिन्नमस्तिका कंस्ट्रक्शन कंपनी के दिलीप कुमार उर्फ दिलीप राम एवं अन्य के विरुद्ध सड़क के निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने, लागत राशि से अधिक भुगतान संवेदक को करने, सरकारी राशि का गबन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी अभियुक्त दिलीप गिरफ्तारी के डर से भागा फिर रहा था। उसके खिलाफ न्यायालय से वारंट, इश्तेहार, कुर्की निर्गत था। अनुसंधान के क्रम में जानकारी मिली कि आरोपी दिलीप रांची में है। पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में कार्रवाई के लिए एक टीम बनाकर रांची के इटकी रोड में आईटीआई बस पड़ाव के समीप झारखंड नर्सरी से उसे गिरफ्तार किया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से जानकारी दी गई है कि 15 लख रुपए का का गबन तीन सड़क योजनाओं में की गई थी। बीटी मोड़ से कवल पथ कुल 4.20 किलोमीटर सड़क निर्माण में 57531, बीटी रोड से डबरा पथ कुल 6 किलोमीटर लंबी सड़क में 1248473 एवं बीटी रोड से गम्हरियाडीह कुल 2.5 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण में 152011 की गड़बड़ी का आरोप है।

खूंटी में योजना आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कई जगहों पर लगा शिविर

KHUNTI : खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत बुधवार को हो गई। उपायुक्त लोकेश मिश्र ने रनिया प्रखंड की डाहू पंचायत में आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचे और लोगों से अपील की कि अपनी पंचायत में आयोजित कार्यक्रम से जुड़कर सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। कैम्प के दौरान उपायुक्त ने कई योग्य लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। परिसंपत्ति के तहत लाभुकों के बीच वैसाखी, स्कूली छात्राओं के बीच साइकिल के लिए चेक समेत अन्य लाभुकों के बीच धोती, साड़ी, कंबल, पौधे आदि का वितरण किया गया। कैंप में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉल का उपयुक्त ने निरीक्षण कियाा।

पलामू सांसद ने इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर स्थापित करने का उठाया मामला

PHOTON NEWS PALAMU : सांसद विष्णु दयाल राम ने बुधवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान गढ़वा जिले के भवनाथपुर में सेल के 1180 हेक्टेयर भूमि पर केन्द्र सरकार का राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कॉरपोरेशन (एनआइडीसी) के तहत अमृतसर कोलकाता इंडस्ट्रीज प्रोजेक्ट का झारखंड राज्य में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आइएमसीडी) स्थापित करने संबंधी मामले को उठाया।

सांसद ने कहा कि उक्त संबंध में एनआइडीसी के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं प्रबंध निदेशक द्वारा गढ़वा के उपायुक्त को पत्र लिखकर उपरोक्त भूमि पर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना के संबंध में 6 बिन्दुओं पर प्रतिवेदन मांगा था। गढ़वा उपायुक्त

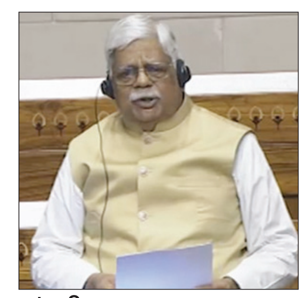

सांसद विष्णु दयाल राम।

ने सभी बिन्दुओं पर झारखंड सरकार को प्रतिवेदन समर्पित कर दिया है। उस स्थान पर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना से झारखंड राज्य के आर्थिक ढांचे में परिवर्तन संभावित है एवं राज्य का संतुलित विकास में इसका बहुत बड़ा योगदान होगा। इससे उद्योग के साथ बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार उपलब्ध हो पाएगा, जिससे गढ़वा जिला अकांक्षी जिलों की सूची से बाहर निकल सकेगा एवं राज्य के अन्य विकसित जिलों की श्रेणी में आ खड़ा होगा।

सांसद ने आग्रह किया कि एनआइडीसी लि. की टीम भेजकर उक्त जमीन एवं बोकारो स्थित सेल की जमीन का कॉम्प्रेटिव एभ्युलेशन भी करा लिया जाये, ताकि राज्य सरकार का बोकारो के पक्ष में जो झुकाव है उसके औचित्य-अनौचित्य पर निष्पक्ष निर्णय लिया जा सके।

उल्लेखनीय है कि सेल के द्वारा जो भवनाथपुर में जमीन ऑफर की गयी है (1180 हेक्टेयर) वह बोकारो स्थित जमीन (करीब 700 हेक्टेयर) से कहीं ज्यादा है, जो भविष्य में यदि इस आइएमसी का विस्तार आवश्यक हो तो उसके लिए जमीन की उपलब्धता हो।

अफीम की खेती के खिलाफ 15 से विशेष अभियान

PHOTON NEWS KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को एनसीओआरडी की बैठक आयेजित की गईं। इस दौरान एनसीकोर्ड से संबंधित अधिकारियों को अफीम की खेती विनष्ट करने और लोगों को वैकल्पिक खेती करने के प्रति जागरुक करने कें लिए 15 दिसंबर से 15 जनवरी तक विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने एनसीकोर्ड से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि संबंधित गांव के ग्राम प्रधान और मुखिया के साथ बैठक का आयोजन कर अवैध अफीम की खेती का त्याग कर वैकल्पिक उन्नत खेती के लिए लोगों को प्रेरित करें। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अफीम की खेती की के लष्ट करने के संबंध विचार-विमर्श करने के लिए मुखिया, ग्राम प्रधान सहित अन्य जनप्रतिनिधि के संग बैठक का आयोजन करें।

उपायुक्त ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रमों में ग्रामीणें को अफीम की खेती के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए अफीम की खेती का त्याग कर चना, मूंग, सरसों आदि की खेती के प्रोत्साहित और जागरूक करें। उन्होंने संबंधित अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी और रेंजर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा छापामारी कर अवैध अफीम का विनष्टीकरण करने की गति में तेजी लाने का निर्देश दिया।

चलंत लोक अदालत से दी गई कानून संबंधी जानकारी

PHOTON NEWS KHUNTI : नालसा दिल्ली और झालसा रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में बुधवार को चलंत लोक अदालत वैन सह न्याय आपके द्वार वैन के तहत मुरहू ब्लॉक की कुदा पंचायत में विधिक सहायता और कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

पंचायत में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यकम में पहुंचे लाभूकों को संबोधित करते हुए डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि निःशुल्क न्याय वैसे लोगों के लिए है जिनकी आमदनी तीन लाख सलाना से कम है। बच्चे हों, महिलाएँ, कैदी और और वैसे बच्चे जिनके माता-पिता नहीं हैं या दोनों में से कोई एक न हो वैसे बच्चों को भी निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि यह न्याय रथ जिले की हर पंचायत तक पहुंचकर आपलोगों को छोटी-मोटी समस्याओं का मौके तुरंत निष्पादन करेगी।

'मिचौंग' ने बदला मौसम का मिजाज 24 घंटे में छह डिग्री तक गिरा पारा

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू में साइक्लोन तूफान ह्यमिचौंगह्ल का व्यापक असर दिख रहा है। मंगलवार शाम से हल्की-हल्की बारिश जिले के कई हिस्सों में हो रही है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। बुधवार सुबह से हल्की ठंड भी बढ़ी है। मेदिनीनगर में आज पूरे दिन बारिश होती रही। इससे जनजीवन पर असर पड़ा है। लोग अपने घरों में सिमट कर रह गए हैं। ऐसी स्थिति अगले 24 घंटे तक रहने की संभावना व्यक्त की गई है। बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचने की संभावना है। खेत में खड़ी एवं काटकर रखी गई फसलों की क्षति हो सकती है।

जिले के कई इलाकों में हुई बारिश से अधिकतम तापमान में 6

डिग्री की तक की गिरावट आयी है, जबकि न्यूनतम तापमान में एक डिग्री तक की कमी आई है। अधिकतम तापमान 20.06 एवं न्यूनतम तापमान 18.08 डिग्री रहा। मंगलवार को अधिकतम तापमान 26.06 एवं न्यूनतम तापमान 19.03 डिग्री रहा था। पिछले 24 घंटे के दौरान 12.09 एमएम बारिश हुई है।

मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अभी इसका और असर दिखेगा। गुरुवार को साइक्लोन मिचौंग का असर राज्य के कई हिस्सों में ज्यादा नजर आयेगा।

बिरसा मुंडा हवाई अड्डा पर EMERGENCY MOCK EXERCISE का हुआ आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : बिरसा मुण्डा हवाईअड्डा, रांची पर इमरजेंसी मॉक एक्सरसाईज का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से रांची विमानपत्तन के अग्निशमन विभाग द्वारा राज्य अग्निशमन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग,विभिन्न एयरलाइंस एवं सभी हितधारकों के सामूहिक समन्वय से विमानपत्तन पर होने वाली आपातकालीन दुर्घटना से निपटने के लिए मॉक एक्सरसाईज किया गया जिसमें एयरक्राफ्ट क्रैश होने पर उत्पन्न होने वाली समस्या से निपटने के लिए की जाने वाली त्वरित कार्यवाई जैसे जिला प्रशासन एवं अस्पतालों को सूचित करना तथा दुर्घटना स्थल पर

मॉक ड्रील के दौरान क्रेश हुआ प्लेन। ● फोटोन न्यूज

मौजूद लोगों द्वारा ली जाने वाली कदम को बताया गया जिससे आग जल्द से जल्द बुझाया जा सके एवं यात्रियों को बचाया जा सके। इस एक्सरसाईज में यह सब एक डमी एयरक्राफ्ट के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

इसके पश्चात एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विमानपत्तन निदेशक ने सभी को संबोधित किया तथा विभिन्न ऑब्जर्वर द्वारा पायी गई त्रुटियों को दूर करने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए गए।

एसपी ने कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था का लिया जायजा, दिए कई दिशा-निर्देश

PHOTON NEWS DUMKA : एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार ने बुधवार को दुमका के सिविल कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी के साथ सिविल एसडीओ कौशल कुमार एवं डीएसपी विजय कुमार सहित इंस्पेक्टर मौजूद थे।

एसपी ने कोर्ट के चारों ओर घुम-घुमकर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया और पुलिस कर्मियों को कई दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने क्यूआरटी टीम एवं नियंत्रण कक्ष के पुलिस पदाधिकारियों को विशेष रुप से सजग रहने का निर्देश दिया। एसपी ने बताया कि कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। कोर्ट में क्षमता के अनुसार पुलिस बलों की तैनाती है कि नहीं और कितने सुरक्षा बलों की आवश्यकता है। इस दिशा में पदाधिकारियों से विशेष से विचार-विमर्श किया गया।

उन्होंने कहा कि कोर्ट की सुरक्षा के लिए और भी कई कदम उठाएं जाएंगे। सुरक्षा-व्यवस्था में कोई कमी नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रुम में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों से भी लगातार कोर्डिनेट जारी रखी जाएगी। कोर्ट में पदस्थापित पुलिस कर्मियों की कार्यशैली पर भी विशेष ध्यान रखी जाएगी। एसपी ने कोर्ट गेट के पास सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम रखने का निर्देश दिया है।

पौश एक्ट को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

डालसा ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकथाम और निबटारा अधिनियम का दिया प्रशिक्षण

PHOTON NEWS LOHARDAGA : जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने आज सिविल कोर्ट परिसर स्थित सभागार में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के रोकथाम और निपटारा संबंधित कानून यानी पौश एक्ट को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें जेएसएलपीएस के सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं डालसा पीएलवी को प्रशिक्षक इंद्राणी कुजूर ने प्रशिक्षण दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजेंद्र बहादुर पाल ने

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते राजेंद्र बहादुर पाल। ● फोटोन न्यूज

दीप प्रज्वलित कर किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि 10 या 10 से ज्यादा कर्मियों वाले कार्यालय में पोस कमेटी का गठन होना अनिवार्य है। यदि पोस कमेटी गठन नहीं होता है तो नियोक्ता पर 50 हजार तक का जुमार्ना हो सकता है।

डालसा सचिव ने भंवरी देवी केस का उल्लेख करते हुए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बनाई गई विशाखा गाइडलाइन की चर्चा की जो 2013 में पोस एक्ट के रूप में कानून बना। प्रशिक्षक इंद्राणी कुजूर ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न संबंधित प्रावधानों का विस्तृत उल्लेख कर समझाया कि सहकर्मियों या नियोक्ता द्वारा यदि यौन उत्पीड़न किया जाता है तो इंटरनल कंप्लेंट कमेटी के पास लिखित शिकायत दें। इस मौके पर कई लोग मौजूद थे।

केंद्रीय विद्यालय में तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन-सह-जागरुकता कार्यक्रम शुरू

PHOTON NEWS LOHARDAGA : वस्त्र मंत्रालय और हस्तशिल्प केंद्र के तत्वावधान में आज बरही स्थित केंद्रीय विद्यालय में तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन-सह-जागरुकता कार्यक्रम की शुरूआत हुई। यह कार्यक्रम आठ दिसंबर तक चलेगा। उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने शिल्पकारों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोग बांस व लाह का उपयोग कर कई प्रकार की शिल्पकारी करते हैं और उत्पाद बनाते हैं। इसके पीछे कई दिनों का प्रशिक्षण और मेहनत होती है। आप सभी को इन शिल्पकारों से

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि।

सीखना चाहिए। हस्तशिल्प को जिंदा रखना सबसे बड़ी चुनौती है। क्योंकि, आज प्लास्टिक से बने उत्पाद सस्ते होते हैं। प्रतियोगिता के इस दौर में हस्तशिल्प के उत्पाद को बचाये रखना बहुत बड़ी चुनौती है। यह विचार करना बहुत जरूरी है कि शिल्पकारी को इस प्रतियोगी दौर में जीवित कैसे रखा जाये।

पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि शिल्पकार द्वारा बनाये गये उत्पाद को बढ़ावा मिलना चाहिए। आज बाजार में कई तरह के उत्पाद मौजूद हैं लेकिन शिल्पकार की मेहनत और कारीगरी उसके उत्पाद को एक नया आयाम देती है। इसकी सराहना होती चाहिए।

कार्यक्रम में वस्त्र मंत्रालय से आये सहायक निदेशक पुष्पराजन, विद्यालय के प्रधानाध्यापक सिलास पुर्ति समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

बरियातू थाना में हुई चोर की धुनाई, वीडियो वायरल

RANCHI : राजधानी के बरियातू थानेदार के चेंबर में एक चोर का हाथ पैर बांध कर जमकर धुनाई करने का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो पुलिस के वरीय अधिकारियों के पास भी पहुंचा है। वरीय अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की जांच कराई जा रही है। वीडियो में देखा जा रहा है कि एक युवक का हाथ पैर बांध दिया गया है। एक पुलिसकर्मी युवक पर लगातार डंडा बरसा रहा है। युवक बार बार छोड़ देने की गुहार लगा रहा है लेकिन पुलिसकर्मी कुछ सुनने को तैयार नहीं है। जिस जगह पर युवकी की धुनाई हो रही है वह थाना प्रभारी का चेंबर है। डंडा से पीटने वाला पुलिसकर्मी बरियातू थाना की मुंशी है। इस मामले में बरियातू थानेदार से जानकारी ली गई तो उनका कहना है कि यह पुराना वीडियो है जो कि अभी वायरल हुआ है। इस मारपीट में उनका कोई हाथ नहीं है। उनके थानेदार बनने से पहले का वीडियो अभी सामने आया है।

पीसीआर-30 दुर्घटनाग्रस्त, तीन पुलिसकर्मी घायल

RANCHI : पीसीआर वैन 30 के दुर्घटनाग्रस्त होने से तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह हादसा बुधवार को जिले के पिठोरिया थाना क्षेत्र के पिठोरिया घाटी में हुई। इस हादसे में पीसीआर में तैनात एक जवान, एक हवलदार और एक एएसआई घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पिठोरिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पुलिसकर्मियों को पीसीआर वैन से बाहर निकालकर रिम्स ले गई। बेहतर इलाज के लिए सभी पुलिसकर्मियों रिम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया है।

अस्पताल में मोबाइल चोरी करते पकड़ाया चोर, पिटाई

RANCHI : मेन रोड स्थित सदर अस्पताल में मोबाइल चोरी करते एक चोर पकड़ा गया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने चोर की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि चोर ने सदर अस्पताल में दो मरीजों का मोबाइल फोन चोरी कर लिया था। इसी दौरान बुधवार की दोपहर मरीजों का मोबाइल फोन चोरी करते ही मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। पहले तो उसकी पिटाई की गई, फिर पुलिस को सूचना देकर पुलिस को सौंप दिया।

8.84 करोड़ से झारखंड के तीन थाने होंगे हाइटेक

RANCHI : 8.84 करोड़ की लागत से झारखंड के तीन थानों को हाइटेक बनाया जायेगा। झारखंड सरकार के गृह विभाग की ओर से पाकुड जिले के हिरणपुर, महिला थाना और साहिबगंज जिले के बोरियो थाना में दो मंजिला नया भवन का निर्माण कराया जायेगा। इन थानों का पुराना भवन जर्जर हो गया है। झारखंड पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन नये भवन का निर्माण करायेगा।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24 Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान पर हुई सुनवाई, आरआरडीए के वाइस चेयरमैन से पूछा-

हरमू नदी के उदगम स्थल पर अतिक्रमण का मामला आने पर भी एक्शन क्यों नहीं लिया?

SPECIAL REPORTER RANCHI : राज्य के नगर निकायों में नक्शे स्वीकृति में पैसों के खेल मामले में हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान में बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के आलोक में आरआरडीए के वाइस चेयरमैन अमित कुमार एवं टाउन प्लानर स्वप्निल मयूरेश कोर्ट के समक्ष समक्ष उपस्थित हुए। हाई कोर्ट के जस्टिस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने आरआरडीए वाइस चेयरमैन पर नाराजगी जताते हुए मौखिक कहा कि जब कोर्ट के संज्ञान में हरमू नदी के उद्गम स्थल पर अतिक्रमण की बात आई और हाई कोर्ट के निर्देश पर एडवोकेट कमिश्नर ने उस क्षेत्र का दौरा किया था। उसके बाद आपने उस क्षेत्र का सर्वे क्यों नहीं किया, वहां कितने मकान बने हैं कितने अवैध है, इसके बारे में सर्वे आरआरडीए की ओर से क्यों नहीं किया गया। टाउन प्लानर भी वहां एडवोकेट कमिश्नर के साथ गए थे, लेकिन उसके बाद आरआरडीए ने अतिक्रमण पर एक्शन नहीं लिया। अतिक्रमण से नदी की चौड़ाई पर कितना असर पड़ा है, इसका भी सर्वे होना करना चाहिए था। लेकिन आरआरडीए ने इसपर कुछ नहीं किया। इससे पहले आरआरडीए की ओर से बजरा मौजा के मकानो का चार स्वीकृत नक्शा को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कोर्ट ने आरआरडीए को निर्देश दिया है कि एडवोकेट कमिश्नर के रिपोर्ट के आदर पर बजरा मौजा में बजरा नदी के निकट बने भवनों के बारे में सर्वे कर अगली सुनवाई 22 दिसंबर तक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

कोर्ट ने नदी में अतिक्रमण के शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी मामले में सरकार से पूछा कि क्या अधिवक्ता लाल ज्ञान रंजन शाहदेव को सुरक्षा मुहैया कराई गई है ? इस पर सरकार की ओर से कहा गया कि एक सुरक्षा कर्मी उन्हें उपलब्ध कराया गया है। जिस पर कोर्ट ने कहा कि 2 सुरक्षा कर्मी अधिवक्ता ज्ञान रंजन को मुहैया कराया जाना चाहिए, और सुरक्षाकर्मी ऐसा हो जो बिलकुल फिट हो, अधिक उम्र वाला पुलिस कर्मी ना हो। कोर्ट ने यह पूछा कि लाल ज्ञान रंजन द्वारा दर्ज एफआईआर पर क्या करवाई हुई। जिसपर सरकार की ओर से कहा गया कि इस पर कार्रवाई जारी है। बता दें कि पिछली सुनवाई में इस मामले में स्थल जांच के लिए कोर्ट द्वारा नियुक्त किए गए एडवोकेट कमिश्नर की ओर से स्थल जांच का सीलबंद रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया था। आरआरडीए की ओर से अधिवक्ता प्रशांत कुमार सिंह ने पैरवी की। वही मामले में एमीकस क्यूरी इंद्रजीत सिंह के अलावा अधिवक्ता सोनल जायसवाल ने पक्ष रखा

क्या है मामला : कोर्ट को बताया गया था की हरमू नदी के उद्गम स्थल डीएवी हेहल, कटहल मोड़ के समीप नदी का अतिक्रमण कर लिया गया है। जो की नगर विकास एवं आवास विभाग की अधिसूचना का स्पष्ट उलंघन है ' नदी तथा प्राकृतिक नाले के 10 से 15 मीटर तक निर्माण कार्य नहीं हो सकता है। उसके बाद भी नियम विरुद्ध रांची नगर निगम/ आरआरडीए ने मल्टी स्टोरेज बिल्डिंग का नक्शा पास किया है। जिस पर निर्माण कार्य जारी है। पूर्व में भी हाईकोर्ट ने नदियों एवं प्राकृतिक नाले को अतिक्रमण मुक्त करने का अनेकों आदेश दिया है। इस पर कोर्ट ने नदी के अतिक्रमण पर तीन वकीलों वाले एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने का निर्देश दिया था और लाल ज्ञान रंजन नाथ शाहदेव के साथ स्थल जांच हेतु भेजा था एवं जांच कर 30 नवंबर को रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा था।

अभिनेत्री अमिषा पटेल चेक बाउंस मामला: सिविल कोर्ट में हुई सुनवाई

वकील ने एक हजार रुपये का जुर्माना भरा

RANCHI : अभिनेत्री अमिषा पटेल के चेक बाउंस से जुड़े मामले की सुनवाई आज रांची के सिविल कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह ने गवाह से क्रॉस एग्जामिनेशन किया गया। इसके वहीं पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने अमिषा पटेल पर एक हजार रुपए का जुमार्ना लगाया था। अमिषा पटेल के वकील की ओर से जुमार्ने की राशि जमा की गई। आज हुई सुनवाई के बाद अगली सुनवाई 11 दिसंबर को होगी। यह सुनवाई ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास दिग्विजय नाथ शुक्ला की अदालत में होगी।

क्या है पूरा मामला

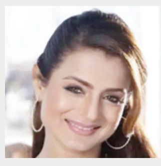

यह मामला साल 2018 का है। झारखंड रांची के रहने वाले फिल्म निमार्ता अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल ने उनके साथ धोखाधड़ी की थी। अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ चेक बाउंस, धोखाधड़ी और धमकी देने का आरोप लगाया है। इसी मामले में अमीषा पटेल को उपस्थिति के लिए समन जारी हुआ था। लेकिन कई बार समन के बावजूद वह अदालत में खुद या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित नहीं हो रही थीं। रांची के अरगोड़ा के रहने वाले अजय कुमार सिंह ने यह केस 17 नवंबर 2018 को रांची सीजेएम कोर्ट में दायर किया था। जिसमें आरोप लगाया है कि म्यूजिक मेकिंग के नाम पर अमीषा पटेल ने उनसे ढाई करोड़ रुपये लिए थे। पैसे लेने के बाद भी उन्होंने म्यूजिक मेकिंग की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। साथ ही अमीषा पटेल पर फिल्म देसी मैजिक बनाने के नाम पर अजय सिंह से ढाई करोड रुपए ऐंठने का भी आरोप लगाया है।

हाईकोर्ट ने शीर्ष नक्सली प्रशांत बोस को बेल देने से किया इन्कार

RANCHI : शीर्ष नक्सली नेता प्रशांत बोस और उनकी पत्नी शिला देवी को बेल देने से झारखंड हाईकोर्ट ने इंकार कर दिया है। प्रशांत बोस और उनकी पत्नी की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस नवनीत कुमार की बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता सतीश प्रसाद ने पक्ष रखा। प्रशांत बोस की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने पक्ष रखा। वहीं राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता भोला नाथ ओझा ने बहस की। उन्होंने अपनी बहस के दौरान अदालत को बताया कि प्रशांत बोस नक्सलियों के थिंक टैंक हैं और इनके खिलाफ झारखंड के अलग-अलग जिलों में कई मामले दर्ज हैं। इसलिए इन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए। उनकी दलील सुनने के बाद अदालत ने प्रशांत बोस और उनकी पत्नी की जमानत याचिका खारिज कर दी। बता दें कि वर्ष 2021 में झारखंड पुलिस ने भाकपा माओवादी के शीर्ष पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस उर्फ किशन दा, उनकी पत्नी शीला मरांडी और चार माओवादियों को गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं। प्रशांत

नरेंद्र सिंह हत्याकांड : सद्दाम, फैसल बिरसा और शबीब अंसारी दोषी करार

RANCHI : नरेंद्र सिंह होरा हत्याकांड में रांची सिविल कोर्ट ने सद्दाम उर्फ बब्बन खान, फैसल खान, बिरसा कच्छप और शबीब अंसारी उर्फ छोटू को दोषी करार दिया है। साथ ही अदालत ने इस केस में ट्रायल फेस कर रहे अन्य अभियुक्तों आसिफ आलम, मेहंदी हसन, शिव रजक, छोटू हुसैन, रशीद अंसारी, मो। सज्जाद आलम और राजा आदिल उर्फ जग्गा को साक्ष्य के अभाव में सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत ने जिन अभियुक्तों को दोषी करार दिया है, उनकी सजा की बिंदु पर 13 दिसंबर को बहस होगी। रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त 1 दिनेश राय की कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया है। बता दें कि नरेंद्र सिंह होरा की हत्या वर्ष 2018 में चर्च कॉम्प्लेक्स के पीछे की गई थी। हत्या से पहले उनके साथ लूटपाट भी हुई थी। जिन आरोपियों को कोर्ट ने आरोपों से मुक्त किया है, उनकी तरफ से अधिवक्ता राहुल पांडे ने बहस की।

शराब घोटाला : कारोबारी योगेंद्र तिवारी की बेल पर सुनवाई पूरी

RANCHI : झारखंड शराब घोटाला के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी की जमानत अर्जी पर रांची पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है। दोनों पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत अब अपना फैसला सुनाएगा। योगेन्द्र तिवारी की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया और रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा ने बहस की। ईडी ने शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी को 19 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उनपर शराब घोटाला के जरिए अवैध कमाई करने और मनी लॉनिड्रिंग का आरोप है। इस मामले में ईडी ने 23 अगस्त को 34 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इन ठिकानों में योगेंद्र तिवारी के देवघर स्थित होटल सिद्धार्थ के सामने स्थित गोदाम, बोंपासस टाउन स्थित डॉ. राजीव पांडेय अस्पताल के पास स्थित आवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी के डी-2 स्थित मेसर्स संथाल परगना बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड और जामताड़ा के दो ठिकाने शामिल थे।

चांडिल प्रखंड के प्रमुख पद पर बरकरार रहेंगी अमला मुर्मू

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को अमला मुर्मू की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने यह आदेश पारित किया कि अमला मुर्मू चांडिल प्रखंड के प्रमुख पद पर बरकरार रहेंगी। दरअसल पिछले वर्ष हुए पंचायत चुनाव में अमला मुर्मू ने अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीट से भादुडीह पंचायत समिति सदस्य के लिए चुनाव लड़ा और जीती। जिसके बाद उन्होंने चांडिल प्रमुख पद के लिए निर्वाचित हुई। उनके निर्वाचन को गुरूपद हांसदा ने सरायकेला डीसी के समक्ष यह कहकर चुनौती दी कि अमला का जाति प्रमाण पत्र सही नहीं है। शिकायत पर डीसी ने अमला मुर्मू के खिलाफ फैसला सुनाते हुए उनके प्रमुख व पंचायत समिति सदस्य के पद को रद्द कर दिया था और प्रखंड प्रमुख का चुनाव कराने का आदेश जारी किया था।

लोकसभा में केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद संजय सेठ को दिया जवाब, बोले-

सरकार के कारण अधर में लटकी हैं कई रेल परियोजनाएं

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में राज्य सरकार की सकारात्मक पहल नहीं होने के कारण कई स्थानों पर रेलवे की परियोजनाओं पर कार्य नहीं हो पा रहा है। यह जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में दी। वे रांची के सांसद संजय सेठ के सवाल का जवाब दे रहे थे। सांसद ने सवाल पूछा था कि रांची में रेलवे द्वारा कितने स्थान पर अंडरपास या रेलवे ऊपरी पुलों का निर्माण किया जाना है? उनकी संख्या क्या है? सांसद ने पिछले एक वर्ष के दौरान रांची और हटिया रेलवे स्टेशन से प्राप्त हुए राजस्व की भी जानकारी मांगी थी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि रांची लोकसभा क्षेत्र में 6 ओवरब्रिज का निर्माण होना है, जिसमें तीन रोड ओवर ब्रिज हैं। इसके अलावा 12 अंडर

पास का भी निर्माण होना है। इसके आयोजन, प्रकरण और निष्पादन की कार्रवाई अलग-अलग चरणों में चल रही है। रांची में चुटिया पावर हाउस के पास नामकुम रांची स्टेशन के बीच रेलवे फाटक के स्थान पर रोड ओवरब्रिज का निर्माण किया जाना है परंतु राज्य सरकार द्वारा इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। इसके अलावे रांची पिस्का के पास नया सराय में रेल फाटक के समीप रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण पूरा करना है। यहां पर रेलवे द्वारा अपने हिस्से का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

झारखंड से हो रहे पलायन का मामला दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में उठाया

RANCHI : राज्यसभा सासंद दीपक प्रकाश ने राज्यसभा के शून्यकाल में झारखंड से हो रहे पलायन के मामले को बुधवार को उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य लोहा, तांबा, सोना, अभ्रक, बॉक्साइट, यूरेनियम सहित कई अन्य खनिज संपदा से परिपूर्ण राज्य है। इस आधार पर कई उद्योग यहां लग सकते हैं। लेकिन राज्य सरकार की नीति के कारण इसमें बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की सभी अहर्ता को पूरा करने के बावजूद राज्य सरकार की गलत नीयत के कारण झारखंड के माइंस आज बन्द हैं। केंद्र सरकार के द्वारा खदानों का लीज आवंटन किया जा

रहा है, परंतु राज्य सरकार की गलत नीति और नीयत के कारण उद्योगपतियों के लिए भूमि अधिग्रहण नहीं हो पा रहा है। उद्योग लगने से रोजगार सृजित होता है, लेकिन वर्तमान राज्य सरकार की नीति और नीयत में खोट के कारण आज वहां से उद्योग और उद्योगपति पलायन कर रहे हैं। उद्योग नहीं लग पाने के कारण झारखंड के युवा बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं।

लंबे समय बाद रांची में 29 से लगेगा पुस्तक मेला

RANCHI : रांची में लंबे समय बाद पुस्तक मेला लगने जा रहा है। जिला स्कूल में 29 दिसंबर से सात जनवरी तक राष्ट्रीय पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। समय इंडिया की ओर से लगाया जा रहा है, जिसमें सौ से ऊपर देश भर के प्रकाशक व सौ के करीब पुस्तक विक्रेता भी भाग ले रहे हैं। कई सालों से मेला रांची में नहीं लग रहा था, जबकि अभी अभी जमशेदपुर में मेले का समापन हुआ और देवघर में हर साल 12 जनवरी से मेला लगता है। रांची में पुस्तक मेले के लिए कोई जगह नहीं है। जो मैदान में हैं, वहां पाठक नहीं पहुंच पाते हैं। अब शहर के बीच में जिला स्कूल प्रांगण में लग रहा है। यहां पाठकों की आमद भी होगी। समय इंडिया के निदेशक चंद्रभूषण ने बताया कि प्रकाशक भी मेले में आने के लिए उत्साहित हैं। बहुत दिनों में यहां मेला लग रहा है। सो, पाठक भी उत्साहित हैं। मेले में हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वाद-विवाद भी होगा। लेखकों के साथ संवाद भी होगा।

सिविल कोर्ट के सभी अधिवक्ता को स्पेशल आईडी देगी पुलिस

एसएसपी व बार एसोसिएशन की बैठक में निर्णय

CRIME REPORTER RANCHI : सिविल कोर्ट की सुरक्षा को देखते हुए बुधवार को एसएसपी चंदन सिन्हा ने बार एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक कर निर्णय लिया है कि सिविल कोर्ट के सभी अधिवक्ताओं को स्पेशल आईडी दी जाएगी। उसी आईडी से अधिवक्ता आसानी से कोर्ट परिसर में आ जा सकेंगे। इसके अलावा अधिवक्ताओं की गाड़ियों के लिए भी पास दिया जाएगा, ताकि उनकी गाड़ी को कोई रोक टोक नहीं कर सके। कोर्ट परिसर में बाहरी व्यक्ति के प्रवेश करने से पहले पुलिसकर्मी पूरी तरह से उस व्यक्ति की जांच करेंगे इसके बाद उसे प्रवेश करने देंगे। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि कोर्ट परिसर की सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त जवानों को तैनात कर दिया गया है। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने आश्वासन दिया है कि वह पूरी तरह से सहयोग करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से एसएसपी,सिटी एसपी और बार एसोसिएशन के सदस्य मौजूद थे। सिविल कोर्ट में जितने भी प्रवेश द्वार हैं वहां अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर दी गई है। जवानों को आदेश दिया गया है कि वह मुस्तैद होकर अपनी ड्यूटी करें। ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा कोर्ट परिसर में जिन जवानों की ड्यूटी होगी उसकी मानेटरिंग कोर्ट प्रभारी करेंगे और समय समय पर निरीक्षण करेंगे।

रांची डीसी ने रद्द किए 100 से भी ज्यादा आर्म्स लाइसेंस

कई और लाइसेंस को रद्द करने की चल रही तैयारी

CRIME REPORTER RANCHI : रांची जिला प्रशासन ने वैसे आर्म्स लाइसेंस धारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। जिनपर हाल के दिनों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हुए हैं। आंकड़े बताते हैं कि रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के आदेश पर पिछले करीब 18 महीने में 100 से ज्यादा लोगों के हथियार के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। इनमें वैसे लोगों का नाम भी शामिल है, जिनका लाइसेंस उम्र ज्यादा होने के कारण रद्द किया गया है। कई लोगों ने अपनी स्वेक्षा से भी आर्म्स के लाइसेंस को सरेंडर किया है। वहीं जिला प्रशाशन कई ऐसे लाइसेंसधारियों का लाइसेंस रद्द करने की तैयारी में है, जिनके खिलाफ हथियार के दुरूपयोग की शिकायत आई है। आर्म्स लाइसेंस

धारियों के खिलाफ इस ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद भी हथियार का लाइसेंस लेने की चाहत रखने वालों की संख्या में कमी नहीं आ रही है। जानकारी के मुताबिक, हर महीने रांची में हथियार के लाइसेंस के लिए लगभग 30 से ज्यादा आवेदन आ रहे हैं। लेकिन सभी तरह की प्रक्रिया पूरी करने और सभी अहताओं को पूरा करने वाले लोगों को ही लाइसेंस दिया जा रहा है। जिसकी संख्या काफी कम है।

झारखंड में जदयू के लिए बहुत संभावना, जल्द आयेंगे नीतीश कुमार : अशोक चौधरी

RANCHI : बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री एवं झारखण्ड जदयू के प्रभारी डॉ अशोक चौधरी ने कहा कि झारखंड में जदयू के लिए बहुत स्कोप है। कभी यहां पार्टी के 8 विधायक, मंत्री भी हुआ करते थे। बुधवार को रांची एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि झारखंड में अब लगातार पार्टी संगठन को मजबूत करने का काम निरंतर जारी है। उम्मीद है कि पार्टी को अपेक्षित सफलता मिलेगी। जल्द ही पार्टी गतिविधियों को और रफ्तार देने तथा समीक्षा के लिए यहां बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी आयेंगे। इससे पहले बिरसा मुण्डा एयरपोर्ट पहुंचने पर जदयू नेता ने उनका स्वागत किया।

लोकतंत्र बचाओ अभियान का शिष्टमंडल इंडिया गठबंधन दलों से मिला, कहा-

लोस चुनाव के लिए गठबंधन को मजबूत करने की जरूरत

PHOTON NEWS RANCHI : लोकतंत्र बचाओ 2024 (अबुआ झारखंड, अबुआ राज) अभियान का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को इंडिया गठबंधन दलों से अलग-अलग मिला। बुधवार को संगठन के लोग कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य सहित राजद, जदयू व भाकपा से मिले। इस दौरान संगठन ने 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा का पराजित करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व से मजबूत गठबंधन और संगठित संघर्ष करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में आलोका कुजूर, अंबिका यादव, फुलजेंसिया बिलुंग, मंथन, प्रवीर पीटर, सिराज, टॉम कावला आदि शामिल थे। संगठन के लोगों ने इन दलो से कहा कि 2014 में नरेंद्र

सुप्रियो के साथ मंथन करते लोकतंत्र बचाओ अभियान का प्रतिनिधिमंडल।

मोदी के नेतृत्व में आई भाजपा सरकार इस संविधान, लोकतंत्र और जन अधिकारों को खत्म कर रही है। झारखंड, देश, लोकतंत्र व संविधान को बचाने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए लोकतंत्र बचाओ 2024 (अबुआ झारखंड, अबुआ राज) अभियान का गठन किया गया है। यह अभियान राज्य के कई जन संगठनों व सामाजिक कार्यकताओं का साझा प्रयास है। अभियान अंतर्गत राज्य के सभी 14 लोकसभा क्षेत्रों में जन जागरण कार्यक्रमों जैसे जन सभा, कार्यशाला व वॉलेंटियर प्रशिक्षणों आदि का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का पर्चा भी दलों को दिया गया।

गठबंधन से है मांग

- कई लोकसभा क्षेत्रों में इंडिया गठबंधन में दरार व प्रत्याशी को लेकर कई प्रकार की नकारात्मक बातें व गलत संदेश लोगों के बीच जा रहे हैं। तुरंत उनका खंडन कर सभी दल आपसी तालमेल स्थापित करें, मजबूत गठबंधन सुनिश्चित करें व जल्द-से-जल्द सीटों का बंटवारा कर संयुक्त प्रत्याशियों की घोषणा करें। गठबंधन के वाम दलों को राज्य की 1-2 सीटों पर टिकट मिलना चाहिए।
- आदिवासी सीटों पर ऐसे प्रत्याशी को टिकट न दें जो जल, जंगल, जमीन, अस्तित्व की लड़ाई में आदिवासियों के साथ खड़े नहीं रहते हैं। कई सामान्य लोकसभा सीटों में गठबंधन दलों द्वारा अनेक बार बाहरी प्रत्याशी को टिकट दिया जाता है। इससे लोगों में रोष है। इन क्षेत्रों में लोगों की मांग है कि स्थानीय व्यक्ति को ही गठबंधन का टिकट मिले।
- यह देखा गया है कि गठबंधन दलों के स्थानीय नेतृत्व में क्षेत्र के अनेक वंचित समुदायों का नेतृत्व न के बराबर है। भाजपा को हराने के लिए विभिन्न लोकसभा क्षेत्र के सभी वंचित समुदायों को साथ लेकर चलने की जरूरत है।
- गांवों व शहरी बस्तियों में लोगों तक मोदी सरकार की नाकामियों को पहुंचाए। भाजपा की धर्म आधारित राजनीति के विरुद्ध संवैधानिक मूल्य आधारित राजनीति करें।

BRIEF NEWS

राउरकेला में मिचौंग तूफान के कारण रह रह कर हो रही बारिश

ROURKELA : चक्रवात तूफान मिचौंग का असर ओडिशा के कुछ जिलों में भी दिख रहा है। तूफान के कारण बारिश लगातार हो रही है। राउरकेला समेत भुवनेश्वर में बारिश हो रही है। यह बारिश की वजह से फसल खराब होने की आशंका से किसान खेतों से धान ले जा रहे हैं। ओडिशा के कुछ जिलों में कल भी बारिश होने की संभावना है। वहीं तापमान में भी गिरावट है। जनजीवन भी प्रभावित हुआ है।

पानी पंप चोर गिरफ्तार सामान बरामद

ROURKELA : बामडा प्रखंड महुलपाली थाना बंधकानी गांव के मलय पटेल ने अपने घर में लगे पानी पंप चोरी होने को लेकर महुलपाली थाना में लिखित शिकायत दर्ज किया था। पुलिस ने आईपीसी की धारा 369 में मामला दर्ज कर घटना की जांच में जुट गई थी। खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने कबरीबहाल गांव के अरुण जयपुरिया के घर दबिश देकर चोरी का किर्लोस्कर पम्प जप्त करने के साथ अरुण को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद कुचींडा कोर्ट में पेश किया। यह जानकारी कुचिंडा एसडीपीओ अमिताभ पंडा ने दी है।

जिला कांग्रेस ने बाबा साहेब अंबेडकर को दी श्रद्धाजंलि

ROURKELA : जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से संविधान निमार्ता भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राउरकेला जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रणमी पाढ़ी ने की। सुबह 9 बजे उदितनगर में कांग्रेस नेताओं ने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ पुष्पांजलि अर्पित की। जिला कार्यालय में कांग्रेस नेताओं ने अंबेडकर की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अंबेडकर के जीवनी के विषय पर चर्चा की। इस दौरान बीरेन सेनापति, रवि रॉय, रामानंद श्रीचंदन, प्रबोध दास, कीर्तन दास, उमेश शरण, ज्ञानेंद्र दास, तुलसी नाग, सूर्यकांत बारिक, आरपी सिंह, सीबू दीप, हर प्रसाद सामल, डेविड राव, दिबाकर दीप, साकिर हुसैन, प्रशांत राय, झुनु पटनायक, बसंत महाकुड़ उपस्थित थे।

रंगदारी नहीं देने पर सब्जी दुकान में लगा दी आग

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत गांधी मैदान के पास सब्जी दुकान में असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी। घटना बुधवार तड़के की है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकल मौके पर पहुंची और आग को बुझाने के प्रयास में लग गई। जानकारी देते हुए दुकान संचालक मो इस्तियाक ने बताया कि सुबह जब वे उठे तो पाया कि दुकान में आग लगी है और प्रशासन आग बुझाने में लगी हुई है। इस्तियाक ने बताया कि बस्ती के ही कुछ युवकों ने रंगदारी मांगी थी। सभी नशे के लिए रुपयों की मांग करते है। विरोध करने पर दुकान में चोरी भी करते है। संभवतः उन्ही ने दुकान में आग लगाई है। इस्तियाक के अनुसार आग से 25 से 30 हजार का नुकसान हुआ है।

निरंतर वर्षा व ठंड से जन-जीवन अस्त-व्यस्त

CHAIBASA : किरीबुरु-मेघाहातुबुरु व सारंडा क्षेत्र में दोपहर बाद से निरंतर जारी वर्षा व कड़ाके की पड़ रही ठंड की वजह से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वर्षा व ठंड के बीच भी गरीब महिलाएं अपनी आजीविका हेतु जंगल से सुखी लकड़ियों को लाने को विवश है।वर्षा व ठंड की वजह से सड़कों पर लोगों की गतिविधियां नहीं है, लोग अपने-अपने घरों में कैद हैं। कड़ाके की ठंड के कारण लोग दिन में भी गर्म कपड़े व कानों में टोपी लगाकर चलने को मजबूर हैं।

मंदबुद्धि नाबालिग से दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

PHOTON NEWS CHAIBASA : किरीबुरु थाना क्षेत्र अन्तर्गत निवासी मंदबुद्धि नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम सनिका मुंडारी (39 वर्ष), पिता बचु मुंडारी एवं समराय सोय (24 वर्ष) पिता जपना बंधु सोय है। दोनों बकल हाटिंग निवासी को किरीबुरु पुलिस ने घटना के महज कुछ घंटे बाद गिरफ्तार कर पॉक्सो एक्ट के तहत जेल भेज दिया। घटना के

मीडिया को जानकारी देते पुलिस व गिरफ्तार आरोपी। ● फोटोन न्यूज

बाबत पीड़िता की मां ने बताया कि वह अपनी बेटी के साथ 5 दिसम्बर को किरीबुरु स्थित साप्ताहिक मंगलाहाट में सब्जी बेच रही थी। इसी दौरान लगभग साढे.तीन बजे मेरी बेटी हमारे पास से अलग हुई। हम सब्जी बेचने में व्यस्त थे। तभी मोटरसाइकिल सवार दो लोग आये और मेरी बेटी को बाजार से जबरन बड़ाजामदा मार्ग पर सारंडा के घने जंगल में ले गये।

जंगल में दोनों ने मेरी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से मेरी बेटी को प्रोस्पेक्टिंग क्षेत्र में छोड़कर भाग गये। इसी दौरान बेटी घर पहुंच कर सारी घटना बताई। इसके बाद हमने घटना की शिकायत किरीबुरु पुलिस से की। किरीबुरु पुलिस इन्स्पेक्टर वीरेन्द्र एक्का एवं थाना प्रभारी फिलमोन लकड़ा ने रात में ही दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल एक मोटरसाइकिल जेएच 06 सी-6871 को भी बरामद किया है।

स्त्री सत्संग सभा ने सीजीपीसी के प्रधान को किया सम्मानित

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : नामदा बस्ती सिख स्त्री सत्संग सभा ने बुधवार को सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। स्त्री सत्संग सभा सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी कार्यालय में पहुंची और भगवान सिंह एंड टीम द्वारा समाज हित में किये जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए उनकी सराहना की। मौके पर प्रधान भगवान सिंह ने अपने संबोधन में नामदा बस्ती स्त्री सत्संग सभा के सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया एवं भविष्य में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह ने कहा कि स्त्री सत्संग

सभा नामदा बस्ती ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर निकाले गए नगर कीर्तन में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कामना की कि आने वाले समय में वे और भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी। स्त्री सभा की प्रधान बलविंदर कौर ने नगर कीर्तन में महिलाओं को होने वाली दिक्कतों से अवगत कराया।

पुण्यतिथि पर आजाद समाज पार्टी ने बाबा साहेब की दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : आजाद समाज पार्टी एवं भीम आर्मी की जिला इकाई ने बुधवार को बाबा साहब अम्बेडकर को उनके 57वें महापरिनिर्वाण दिवस पर याद किया। आजाद समाज पार्टी के साकची स्थित कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा उपस्थित थे। उन्होंने श्रद्धा सुमन अर्पित कर बाबा साहब डॉ भीम राव अम्बेडकर को याद किया। कहा कि बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर देश ही नहीं बल्कि दुनिया के महान विद्वान थे। जिनके द्वारा लिखा गया संविधान आज इस देश की आत्मा है। इसी संविधान ने इस देश के शोषित वंचित समाज को उनका हक और अधिकार दिलाया। गरीबों और वंचितों को आरक्षण के माध्यम से उनके जीवन का उत्थान किया। बाबा साहब केवल दलितों के नहीं

बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देते पार्टी के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

बल्कि समस्त देश वासियों के बारे में सोचते थे। उन्ही के कारण आज देश के अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़े और आदिवासी सुरक्षित है।

उन्होंने बताया कि आजाद समाज पार्टी एवं भीम आर्मी बाबा साहब के अधूरे सपनों को पूरा कर देश को एक विकसित और समृद्ध देश बनाने को लेकर दिन रात मेहनत कर रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चन्द्रशेखर आजाद आज शोषित व वंचित समाज की सबसे बड़ी आवाज हैं और आजाद समाज पार्टी एवं भीम आर्मी के कार्यकर्ता झारखंड में लगातार लोगों को उनके हक और अधिकार दिलाने का काम कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा ने बाबरी मस्जिद की शहादत को याद करते हुए बताया कि आज ही दिन असामाजिक तत्वों के द्वारा बाबरी मस्जिद को ढाह दिया गया था, जिससे देश के अमन, भाईचारे और शांति को झकझोर कर रख दिया था।

तेज रफ्तार कार ने यात्री ऑटो को पीछे से मारी टक्कर, दंपती घायल

JAMSHEDPUR : आदित्यपुर थाना अंतर्गत गम्हरिया डीवीसी मोड़ के पास बुधवार दोपहर एक यात्री ऑटो को कार ने टक्कर मार दी, जिससे ऑटो सड़क किनारे पलट गई। इस दुर्घटना में उसमें सवार पांच लोग घायल हो गए। घायलों में कांड्रा कॉलोनी के रहने वाले विकास गुप्ता और उनकी पत्नी रेणु गुप्ता को ज्यादा चोट आई है। रेणु गुप्ता का एक पैर टूट गया है। दोनों का इलाज एमजीएम अस्पताल में चल रहा है। घायल दंपती ने बताया कि वे लोग एमजीएम अस्पताल एक्सरे कराने के लिए ऑटो से आ रहे थे, अचानक एक कार ने पीछे से ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलट गई। घटना के बाद चालक ऑटो लेकर मौके से फरार हो गया, जबकि अन्य यात्री जिन्हें हल्की चोट आई थी वे अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए।

भाजमो युवा जिलाध्यक्ष को पुलिस ने घंटों थाने में बैठाया

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भारतीय जनतंत्र मोर्चा (युवा) जिलाध्यक्ष अमित शर्मा को बिरसानगर पुलिस ने बुधवार सुबह थाना में घंटों बैठाए रखा। इसकी जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में भाजमो कार्यकर्ता बिरसानगर थाना पहुंचे। भाजमो नेताओं ने थाना प्रभारी से अमित शर्मा को बैठाए रखने के कारणों की जानकारी लेने का प्रयास किया, परंतु थानेदार थाना में मौजूद नहीं थे। भाजमो मंडल अध्यक्ष शंकर कर्मकार ने बताया कि पुलिस प्रशासन को सूचना मिली थी कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के शहर आगमन पर अमित शर्मा द्वारा उनको काला झंडा दिखा कर विरोध जताया जाएगा, इसलिए प्रशासन ने उन्हें थाना में बुलाकर बैठा लिया है।

शहर में चल रहा अवैध टाल : उन्होंने कहा कि जमशेदपुर की विधि

थाने में बैठे भाजमो जिलाध्यक्ष व अन्य। ● फोटोन न्यूज

व्यवस्था की स्थिति दिन प्रतिदिन बिगड़ते जा रही है। शहर के रिहायशी इलाकों में सरेआम अवैध स्क्रैप टाल, तेल कटिंग सहित अन्य गोरखधंधे राजनीतिक संरक्षण में संचालित हो रहे है। ऐसे में यह साफ समझा जा सकता है कि जिला प्रशासन अपनी नाकामी छुपाने के लिए भाजमो युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष को थाने में बैठा कर रखी है। इस मामले पर अमित शर्मा ने बताया कि उन्होंने सीएम के आगमन पर किसी तरह के विरोध की कोई घोषणा नहीं की थी, लेकिन प्रशासन द्वारा अचानक यह कार्रवाई की गई। सुबह 10 बजे उन्हें थाना बुलाया गया और थाना में ही रोक कर रखा गया। इस दौरान भाजमो जिला मंत्री विकास गुप्ता, विनोद राय, विनोद यादव, काशीनाथ प्रधान, नवीन कुमार,दीपू कुमार, सुमित साव सहित बड़ी संख्या में भाजमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

61वां होम गार्ड और नागरिक बल स्थापना दिवस मना

ROURKELA : उदितनगर मिनी स्टेडियम में 61वां होम गार्ड एवं नागरिक बल स्थापना दिवस मनाया गया। इस स्थापना दिवस पर पश्चिमांचल डीआईजी नित शेखर मुख्य अतिथि के रूप में परेड में शामिल हुए और सलामी ली। इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले

प्रतियोगिता की विजेता को पुरस्कृत करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में राउरकेला एडीएम डॉ. शुभाकर महापात्र और राउरकेला एसपी डॉ. मित्रभाणु महापात्र उपस्थित थे। इसमें दिखाया गया कि आपात स्थिति में स्थिति को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है। आग पर कैसे काबू पाया जाए और आग में फंसे लोगों को कैसे बचाया जाए, इस पर प्रदर्शन किया गया।

दिव्यांग महिला को भाजपा नेता ने उपलब्ध कराया व्हीलचेयर

JAMSHEDPUR : बागुननगर निवासी दिव्यांग सरस्वती कुमारी को भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार के प्रयास से बुधवार को व्हील चेयर उपलब्ध कराया गया। दिनेश कुमार ने गुरनाम सिंह के सहयोग से व्हील चेयर प्रदान किया। इसके लिए गोलमुरी लोहार लाइन निवासी व्हील पावर राइडिंग क्लब के अध्यक्ष दिव्यांग रमेश कुमार शर्मा ने आग्रह किया था।

31 लाख की योजनाओं का शिलान्यास

ROURKELA : शहर के कोयलनगर में निर्माण और नवीनीकरण कार्य में (सामुदायिक केंद्र, पक्की ब्लॉक पथ, परिचय गृह, शहर सौंदर्यीकरण आदि) के लिए मंत्री एवं रॉरकेला विधायक सारदा नायक ने बुधवार को विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया। इसमे ब्लॉक सी से बी चौक, ब्लॉक

सी, सामुदायिक केंद्र की चारदीवारी, ब्लॉक सी के पास लगभग 31 लाख रुपये की अनुमानित राशि के लागत से निर्माण होगा।

राउरकेला इस्पात संयंत्र ने 200 से अधिक दिव्यांगों को दिये उपकरण

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र ने बुधवार को सीएसआर पहल के तहत दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए 200 से अधिक कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण वितरित किए।

कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) तरूण मिश्र ने कुआरमुंडा प्रखंड कार्यालय में आयोजित वितरण शिविर में मुख्य अतिथि थे। र मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन एवं सीएसआर) पीके स्वाई, महा प्रंधक (सीएसआर), मुनमुन मित्रा, और सेल, एलिम्को और

दिव्यांगों को उपकरण प्रदान करते अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

प्रखंड कार्यालय के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

गणमान्यों ने 165 दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को बैटरी चालित मोटर चालित तिपहिया साइकिल, हाथ से चलने वाली तिपहिया साइकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, स्मार्ट-सुगम्य केन छड़ी, स्मार्ट फोन, क्रच एक्सिला के अलावा अन्य सहायक उपकरण वितरित किए।

बीजू युवा-छात्र जनता दल का सम्मेलन आयोजित नवीन पटनायक को फिर सीएम बनाने की ली शपथ

PHOTON NEWS ROURKELA : राज्य बीजू युवा छात्र जनता दल की ओर से सुंदरगढ़ के युवा एवं छात्रों के महासमाबेस छेंद कॉलोनी के मधुसूदन भवन में प्रदेश युवा कार्यकारी अध्यक्ष बैकुंठ कुमार नयाक की अध्यक्षता में हुई। बनूंगा नवीन ओडिशा का सारथी कार्यक्रम आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रदेश युवा अध्यक्ष डॉ. ब्यामकेश राय, प्रदेश युवा अध्यक्ष प्रणब बलवंत राय, छात्र अध्यक्ष देबीरंजन त्रिपाठी शामिल हुए। युवा समाज एवं छात्रों को

कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश युवा अध्यक्ष ब्यामकेश राय व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को को छठी बार मुख्यमंत्री बनाने की शपथ दिलाई गई। 24 साल लंबे लोकमुखी कार्यक्रम का वर्णन करते हुए, नए युवा छात्रों को दल में शामिल करना, सोशल मीडिया पर के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देना, नवीन ओडिशा सारथी के बारे में छात्रों को सूचित करने के लिए कैंपस समितियों का गठन करना, राज्य सरकार की युवा कल्याण योजनाओं के बारे में अधिक जागरूक करना, खेल प्रतियोगिता आयोजित करना है।

मंत्री शारदा प्रसाद नायक ने राउरकेला को प्रसिद्ध शहर में बदलने का सारा श्रेय मुख्यमंत्री को दिया। रघुनाथ पल्ली के विधायक सुब्रत तराई ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री ने लोगों के विकास के लिए काम किया है।

इस दौरान जिला परिषद प्रमुख कुंती प्रधान, उपप्रमुख कमल लोकरा, प्रदेश युवा कार्यकारी अध्यक्ष शुभेंदु मंगराज, द्रुति मार्था, वरिष्ठ नेता जिला अध्यक्ष विनय टोप्पो, हालु मुंडारी शामिल थे।

जुगसलाई में दो दिवसीय श्री राणी सती दादी का मंगसीर नवमी महोत्सव धूमधाम के साथ संपन्न

मोटी सेठानी म्हारो बेडो पार लगनो पडसी रे... एवं श्याम चूड़ी बेचने आयो... जैसे भजनों पर झूम उठी महिलाएं

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जुगसलाई में दो दिवसीय श्री राणी सती दादी का मंगसीर नवमी महोत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ बुधवार को संपन्न हुआ। श्री राणी सती सत्संग समिति जुगसलाई के तत्वावधान में आयोजित 24वां महोत्सव के दूसरे दिन जुगसलाई डी कोस्टा रोड़ स्थित रंगलाल मैरिज हाऊस में राणी सती दादी जी के सामूहिक मंगल पाठ में 801 महिलाएं चुदड़ी ओढ़े राजस्थानी परिधान में शामिल हुई। सभी महिलाओं के बीच सुहाग सामग्री का वितरण किया गया। दादी जी को 56 प्रकार के प्रसाद का भोग लगाया गया। देर रात महाआरती के बाद प्रसाद का वितरण हुआ। सुधा-अनिल कुमार अग्रवाल (समिति अध्यक्ष) ने पूजा की और समिति

कार्यक्रम में भजन गाती कलाकार रिया शर्मा व उपस्थित भक्त। ● फोटोन न्यूज

के कलाकारों द्वारा श्री गणेश वंदना से मंगलपाठ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आमंत्रित कलाकार भागलपुर से आईं रिया शर्मा द्वारा सामूहिक मंगल पाठ वाचक किया गया। दादी जी के मानस चरित मंगल पाठ के प्रांगानुसार जन्म उत्सव, मेंहदी उत्सव, गजरा उत्सव, चुनरी उत्सव, सिंधारा उत्सव मनाया गया। मंगल पाठ के दौरान भजनों की शानदार प्रस्तुति भी रिया द्वारा दी गयी। मंगल पाठ के बीच में श्री राणीसती सत्संग समिति से जुड़े सदस्यों के बच्चों द्वारा श्री राणी सती दादी जी के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका सहित राधा-कृष्ण की शानदार झांकी प्रस्तुत किया गया। बड़ी प्यारी लागे है दरबार श्री राणी सती की..., नारायणी लियो अवतार बधाई सारा भक्ता नें..., श्याम चूड़ी बेचने आयो... आदि भजन के साथ महिलाएं जमकर थिरकी। साथ ही मंगल पाठ के दौरान जय दादी की जयकारों की गूंज गूंजती रही। महोत्सव पर दादी जी का खूबसूरत दरबार सजाने के साथ अलौकिक श्रृंगार किया गया था। जिसमें पूजन व दर्शन करने को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे।

दादी नाम मंगलमय : रिया शर्मा समेत समिति के कलाकारों ने मंगल पाठ के बाद देर रात तक भजनों की अमृत वर्षा की। दादी मंगलमय दादी नाम मंगलमय..., माई थारी ज्योत सवाई रे कोई बैठी मंड़प माई..., मेहंदी रची थारे हाथा में.., बांटो रे बांटो आज बधाई..., मोटी सेठानी म्हारो बेडो पार लगनो पडसी रे..., कितनी भोली, कितनी प्यारी लगें दादी मां... आदि भजनों पर देर रात तक भक्त झूमते रहे।

इनका रहा योगदान : दो दिवसीय इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, कमल अग्रवाल, बैजनाथ शर्मा, मनीष केडिया, अजय अग्रवाल, राजेश कसेरा, दिनेश अग्रवाल, बैजनाथ शर्मा, दीपक गोयल, निर्मल पटवारी, गोविंद भारद्वाज, मनोज अग्रवाल, अमन बागड़ी, राजीव केडिया, पारस अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अवतार सिंह, प्रदीप अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, गिरधारी अग्रवाल, लोचन मेगोतिया, अरूण अग्रवाल, सुमंत कुंवर, विनोद कुमार गर्ग सहित श्री राणी सती दादी सत्संग समिति जुगसलाई की महिला सदस्यों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

RVS एकेडमी के छात्रों ने किया इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मानगो के डिमना स्थित आरवीएस एकेडमी के +2 के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को आरवीएस इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा किया। कॉलेज के प्रो सुशांत मोहंती ने छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह दौरा आप सभी के लिए अपने करियर के चुनाव में काफी मददगार साबित होगा। इस कॉलेज में इंजीनियरिंग, बीबीए, बीसीए, एमसीए एवं डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग आदि की छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गयी। कॉलेज के करियर काउंसलर प्रो जीवन कुमार ने छात्र-छात्राओं को कॉलेज के सभी विभागों की प्रयोगशालाएं दिखायी एवं उपयोगिता बतायी। उन्हें अपना करियर किस क्षेत्र में बनाना चाहिए इस विषय पर विस्तार से समझाया। छात्र-छात्राएं कॉलेज का भ्रमण कर काफी उत्साहित नजर आये।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार तिवारी ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के भ्रमण इसलिए

जरूरी हैं कि बच्चे अक्सर गलत क्षेत्र का चुनाव कर लेते हैं, जिस वजह से उन्हें काफी दिक्कत होती है। कभी-कभी उन्हें पढ़ाई भी छोड़नी पड़ जाती है। ऐसी परिस्थिति किसी भी छात्र अथवा छात्रा के समक्ष न आये। इसी क्रम में कॉलेज के कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि आपके खुद के शहर में जब ऐसी आधुनिक इंस्ट्रूमेंट्स एवं सुविधाओं से सुसज्जित कॉलेज उपलब्ध हो तो दूसरे शहर या दूसरे राज्य में पढाई करने क्यूं जाएं। छात्र-छात्राओं के साथ दौरे में स्कूल के शिक्षक सव्यसाची कुंड, शिव नारायण कर, शिक्षिका धीरज कौर, उषा तिवारी शामिल थीं।

पटरी के बीच लेट कर प्रदर्शन

आंदोलनकारी के ऊपर से गुजर गई ट्रेन

पटना:बिहटा औरंगाबाद रेलवे लाइन परियोजना की शुरू कराने की मांग को लेकर लोग प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान रेलवे संघर्ष समिति के संयोजक चंदन कुमार वर्मा रेलवे ट्रैक के बीच में लेट गए। इधर, ट्रेन खुल गई। यह देख वहां मौजूद प्रदर्शनकारियों की सांसें थम गई। पटना- छत्रपति शिवाजी महाराज एक्सप्रेस ट्रेन गुजर गई। हालांकि, चंदन कुमार को कुछ नहीं हुआ। ट्रेन गुजर जाने के बाद समर्थक पटरी पर चंदन के पास पहुंचे। लोगों ने महसूस किया कि उसकी सांस चल रही है। फिर लोगों ने उसे उठाया।

घटना से आक्रोशित संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने रेलवे प्रबंध के खिलाफ जमकर हंगामा किया। ट्रेन चालक, स्टेशन मास्टर और रेलवे गार्ड को बर्खास्त करने की मांग करने लगे। बिहटा औरंगाबाद रेलवे लाइन परियोजना करीब 43 सालों से लंबित है। वर्तमान रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने 2007 में पालीगंज में इसका सिलायंस किया था। लेकिन आज तक बिहटा औरंगाबाद रेलवे लाइन परियोजना की काम एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा।

इसको लेकर हर समय रेलवे संघर्ष समिति के बैनर तले हर बार आंदोलन किया जाता है। रेलवे लाइन संघर्ष समिति के बैनर तले हजारों समर्थकों के संग लोग बिहटा रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे। औरंगाबाद से 1 दिसंबर से पैदल चलकर बुधवार को बिहटा रेलवे स्टेशन पहुंचे। परियोजना की मांग को लेकर हजारों की तादाद में संघर्ष समिति के समर्थकों ने रेलवे ट्रैक को बाधित कर दिया ।

घर में फंदे से लटककर महिला ने की आत्महत्या

भागलपुर: जिले के विश्वविद्यालय ओपी क्षेत्र अंतर्गत अजहर अली लेन परबत्ती में एक शादीशुदा महिला ने घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने स्थानीय विश्वविद्यालय ओपी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे विश्वविद्यालय ओपी प्रभारी मो. दिलशाद, ततारपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल में जुट गए है। फॉरेंसिक टीम को सूचना दी। टीम ने सैंपल कलेक्ट किए है। घटना की सूचना पाकर स्थानीय लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई। मृतका की पहचान अजहर अली लेन परबत्ती निवासी नंदन मंडल की पत्नी जुली कुमारी है। मृतका अपने पीछे पति समेत दो पुत्र निशु और आरव को को छोड़ गई। मृतका की शादी विश्वविद्यालय ओपी क्षेत्र अंतर्गत परबत्ती मोहल्ले में वर्ष 2019 में हुई थी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले पर जांच-पड़ताल में जुट गई है। मृतका जुली कुमारी के पति नंदन मंडल ने कहा कि वह हर रोज की तरह आज भी सुबह काम पर निकल गए। वह टाइल्स लगाने का काम करते हैं। तभी घटना को लेकर सूचना मिली तो आनन-फानन में घर पहुंच कर देखा तो जुली कुमारी (मृतक की पत्नी) फंदे से लटकी है। सुबह तक सब कुछ ठीक-ठाक था। अच्छे से हंस बोलकर हम काम के लिए निकले थे। किस कारण उसने ऐसा कदम उठाया मालूम नहीं। विश्वविद्यालय ओपी प्रभारी मोहम्मद दिलशाद ने कहा कि घटना की सूचना पर जांच-पड़ताल की गई। एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

गलत इंजेक्शन लगाने से छात्र की मौत

भागलपुर: के बबरगंज इलाके के कुतुबगंज मोहल्ले में खुजली का इलाज कराने आए छात्र को दवा दुकानदार ने इंजेक्शन लगाया। इसके दो बाद ही उसकी मौत हो गई। घटना की देर रात की है। परिजनों ने नर्सिंग होम के दवा दुकानदार पर जहर मौत देकर मारने का आरोप लगाया है। 16 वर्षीय सन्नी कुमार सातवीं का छात्र था। उसके परिजनों ने नर्सिंग होम के दुकानदार पर गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। सन्नी कुतुबगंज में अपने ननिहाल में रहता था। उसके भाई विक्की ने बबरगंज थाने में केस दर्ज कराया है। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बबरगंज थानाध्यक्ष महताब खान ने बताया कि गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। सन्नी के मामा राजेश शर्मा ने बताया कि मंगलवार की शाम मैं भांजे के साथ बाजार गया था। नाश्ते के बाद सन्नी घर निकल गया। उसे खुजली की शिकायत थी। जिसके कारण कुतुबगंज स्थित एक नर्सिंग होम के दवाई दुकानदार से उसे इंजेक्शन लगवाया गया था। सोमवार की शाम को भी सन्नी दुकानदार प्रमोद शर्मा के पास इंजेक्शन लगवाने के लिए गया था। इंजेक्शन लगते ही वह बेहोश हो गया। उसका शरीर ठंडा पड़ने लगा। मुंह से झाग निकलने लगा। सन्नी के बेहोश होते ही प्रमोद के द्वारा डायल 112 की टीम को बुला लिया गया। प्रमोद डायल 112 के साथ मेरे घर पर पहुंचा। सन्नी बेहोश था। उसने कहा कि इसने शराब पी ली है। इसी से बेहोश हो गया है। लेकिन जब हम लोग उसे निजी क्लीनिक लेकर गए तो डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। विक्की ने बताया कि एक वर्ष पहले मेरी मां की कैंसर से मौत हो गई थी। हम दोनों भाई बचपन से ही अपनी मां के साथ ननिहाल में ही रहते थे।

स्विफ्ट से आए अपराधियों ने की स्कॉर्पियो की चोरी

गया : के चंदौती थाना क्षेत्र अंतर्गत कंडी नवादा में स्विफ्ट डिजायर कार से आए अपराधियों ने क्रेशर संचालक के घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो की चोरी कर ली। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित उपेंद्र कुमार ने कह कि वह एक शादी समारोह से लौट कर आए थे और घर के बाहर अपनी झारखंड नंबर की स्कॉर्पियो रोज की तरह घर के बाहर खड़ी की थी। कुछ घंटे बाद ही चोरी हो गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी देखा गया है। जिसमें स्विफ्ट कार से चार की संख्या में अपराधी आए थे। पीड़ित ने बताया घटना को लेकर स्थानीय चंदौती थाने की पुलिस को जानकारी दी गई है। घटना के संबंध में चंदौती थानाध्यक्ष रणविजय सिंह ने कहा कि क्रेशर संचालक उपेंद्र कुमार पिता रामबली यादव के घर कंडी नवादा से एक स्कॉर्पियो की चोरी कर ली गई है। मामले में पुलिस छानबीन कर रही है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी प्राप्त हुआ है, छानबीन जारी है।

कर्नाटक में बेगूसराय के दो मजदूरों की मौत

बेगूसराय :कर्नाटक के विजयपुरा जिले में स्थित राजगुरु इंडस्ट्रीज खाद्य प्रसंस्करण के अनाज गोदाम में सोमवार शाम मक्का से भरा एक साथ कई ड्रायल (अनाज रखने वाला बड़ा कोठी) गिरने से सोनमा गांव के दो मजदूरों की दबकर मौत हो गई। वहीं छह लोग बाल-बाल बच गए। इनमें दो को हल्की चोट लगी है। मृतकों में सोनमा गांव वार्ड-10 निवासी स्व. बिंदेश्वर मुखिया के 40 वर्षीय पुत्र शंभू मुखिया और पुलकित मुखिया के 33 वर्षीय पुत्र दुलारचंद मुखिया शामिल हैं। हवाई मार्ग से इनके शवों को लाया जाएगा। जबकि बाल-बाल बचे लोगों में वार्ड-10 निवासी भारत मुखिया के पुत्र राम लखन मुखिया व रंजीत मुखिया, विमल मुखिया के पुत्र संतोष मुखिया, घुरण मुखिया के पुत्र विकेश मुखिया, वार्ड-11 निवासी भोला सदा के पुत्र विकेश सदा और बखरी मक्खाचक निवासी संजय मुखिया के पुत्र मुकेश मुखिया शामिल हैं। जिसमें रंजीत मुखिया और विकेश सदा को हल्की चोटें लगी है। घटना सोमवार शाम 5:30 बजे की है। राजगुरु फूड्स कंपनी में मजदूरी कर रहे राम लखन मुखिया ने फोन पर बताया कि जिस समय घटना हुई उस समय मेरे साथ कुछ लोग मक्के की बोरी गाड़ी पर लोड कर रहे थे। कुछ मजदूर अंदर में ड्रायल से मक्का और मक्का से भरी बोरी निकाल कर गाड़ी पर लोड करने बाहर भेज रहे थे। उसी समय ड्रायल गिरने लगा और अंदर में काम कर रहे सभी मजदूर मक्के से भरी बोरियों के नीचे दब गए। राजगुरु इंडस्ट्रीज खाद्य प्रसंस्करण के अनाज गोदाम में 16 ड्रायल थे। सभी में मक्का भरा था। सभी 16 ड्रायल गिर गए। एक ड्रायल की ऊंचाई करीब 10 से 12 फीट थी। एक ड्रायल की क्षमता अनाज से भरी ढाई हजार से 3 तीन हजार बोरी रखने की थी। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे।

किसी तरह अंदर जाकर अपने लोगों को खोजना शुरू किया। काफी खोजबीन करने के बाद भी शंभू मुखिया व दुलारचंद मुखिया नहीं मिल पाए। खोजबीन के क्रम में ही मेरा छोटा भाई रंजीत मुखिया और विकेश सदा घायल मिले। जिसे तुरंत इलाज के लिए भेजा गया। बताया कि जेसीबी से मक्का को हटाकर दबे लोगों को बाहर निकाला जा रहा था। उस कंपनी में काम करने वाले अधिकतर लोग बिहार के विभिन्न जिलों के बताए जा रहे हैं। बुधवार को शव को पटना एयरपोर्ट पर लाए जाने की बात कही जा रही है। उसके बाद पटना से शव को गांव भेजा जाएगा। बताया गया है कि करीब 20 से 25 दिन पहले ही ये सभी लोग उस कंपनी में काम करने गए थे।

राजनीतिक बैठक में शामिल होना पंचायत शिक्षक को पड़ा महंगा

किशनगंज (बिहार):किशनगंज में एक शिक्षक को राजनीति करना भारी पड़ गया है। पंचायत शिक्षक के राजनीतिक बैठक में शामिल होना महंगा पड़ गया है। इसके फलस्वरूप पंचायत शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पिछले दिनों नगर पंचायत ठाकुरगंज के एक राजनीतिक विशेष बैठक में राजनीतिक महत्वाकांक्षी के पूर्ति के निमित्त, छात्र हित, विद्यालय हित को नजर अंदाज करते हुए भाग लेने का कार्य करने के आरोप पर शिक्षक दीपक कुमार सिंह के विरुद्ध जिला शिक्षा पदाधिकारी किशनगंज के द्वारा शिक्षक नियोजन इकाई को सूचित किया गया। शिक्षक दीपक कुमार सिंह पोठिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत स्थित प्राथमिक विद्यालय गेरालोटी में पदस्थापित है। जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा सूचित करने के बाद पंचायत शिक्षक नियोजन इकाई ग्राम पंचायत गोरुखाल के द्वारा बैठक के प्रस्ताव संख्या 4 मे लिए गए निर्णय के तहत शिक्षक दीपक कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। इस प्रकार उक्त शिक्षक को निलंबित कर निलंबन के अवधि में जीवन यापन राशि देयता के साथ मुख्यालय केंद्र प्राथमिक विद्यालय झोलखुआ डेगापार किया गया है। वही निलंबित शिक्षक को निलंबन के अवधि में उपरोक्त निर्धारित मुख्यालय में अपने उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी सुभाष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त शिक्षक दीपक कुमार सिंह को नगर पंचायत ठाकुरगंज में एक राजनैतिक बैठक में शामिल होते हुए देखा गया था। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

घरेलू विवाद को लेकर युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जमुई : जमुई में बुधवार की सुबह एक युवक ने घरेलू विवाद को लेकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान राजकुमार साव का पुत्र सुनील साव (31) के रूप में की गई है।

मामला सिकंदरा थाना क्षेत्र के टेढ़ी बाजार मोहल्ले की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजन ने बताया कि सुनील सिकंदरा में राज मोबाइल पैलेस के नाम से मोबाइल का दुकान चलाता था। उसकी पत्नी 3 साल पहले ही शिक्षिका बनी थी। जिसकी ड्यूटी अररिया जिले में थी। बुधवार की सुबह सुनील के मोबाइल पर उसकी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ जिसके बाद नाराज युवक ने अपने रूम में फांसी लगा लिया। घटना की जानकारी के बाद आसपास के लोग व परिजन पहुंचे और उसे फंदे से उतार कर इलाज के लिए स्थानीय निजी क्लीनिक ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृतक घोषित कर दिया। घटना की जानकारी के बाद सिकंदरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। वही सिकंदरा थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि एक युवक के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। फिलहाल घटना के हर एंगल से जांच की जा रही है। अब तक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

संक्षिप्त डायरी

समस्तीपुर में पलटा ऑटो, हादसे में पांच ममता कार्यकर्ता घायल

समस्तीपुर :समस्तीपुर के वारिसरनगर थाना क्षेत्र के बेगमपुर गांव के पास एक ऑटो पलट गया। जिसमें सवार पांच ममता कार्यकर्ता जख्मी हो गईं। दो की स्थिति काफी नाजुक है। सभी ममता कार्यकर्ता वारिसनगर से आ रही थी समस्तीपुर सदर अस्पताल। गंभीर रूप से जख्मी ममता कार्यकर्ता को पटना रेफर किया जा रहा है। मोतीहारी में जीम जाम रहे एक बाइक सवार युवक को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। घायल युवक को स्थानीय लोगों ने शहर के रहमानिया में भर्ती कराया गया है। जहां युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है की जमीन विवाद में युवक को गोली मारी गई है। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के चंडी माई स्थान के पास की है। घायल युवक का की पहचान रोहित उर्फ छोटू के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की हालत नाजुक देखते हुए उसे पटना रेफर कर दिया गया है।

आदापुर में पिकअप से जब्त चावल की शुरू जांच

आदापुर : महुआवा पुलिस ने सोमवार की शाम महुआवा चौक के समीप से पिकअप सहित चावल जब्त किया था। जिसकी जांच मंगलवार को एमओ विक्रम कुमार ने की। इस बाबत एमओ ने बताया कि जब्त चावल उसना है, किंतु फिलहाल इसमें कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि चावल कहां से आया है, पीडीएस का है या कहीं दूसरे जगह का इसमें संशय की स्थिति बनी हुई है। प्रथम द्दष्टया जब्त बोरी उजला रंग का है, उसमे टैग भी नहीं है और न ही उसकी सिलाई कहीं से मिलता जुलता दिख रहा है। ऐसे में इसकी जांच वरीय अधिकारी के द्वारा होना श्रेयस्कर होगा। फिलहाल पुलिस अभिरक्षा में पिकअप सहित चालक व चावल को रखा गया है। उस पर 50 बोरी उसना चावल लदा हुआ है।

कुख्यात अपराधी सन्नी व दीपू सिंह गिरफ्तार

मोतिहारी: हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट सहित अन्य मामलों में फरार चल रहे दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में मधुबन थाना क्षेत्र के बंजरिया गांव निवासी सन्नी सिंह व दीपू सिंह है। उक्त जानकारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त दोनों बदमाशों को मधुबन बाजार में देखा गया है। इसके आधार पर पकड़ीदयाल एसडीपीओ सुबोध कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। नाकाबंदी कर छापेमारी के दौरान उक्त दोनों कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि पकड़ीदयाल के चोरमा के समीप एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के बेस कैंप पर अपराधियों ने 2013 में फायरिंग की थी। इस दौरान एक युवक को गोली मार दी गई थी। अपराधियों ने रंगदारी के लिए बेस कैंप पर पर्चा भी चिपकाया था। मामले में पकड़ीदयाल थाना कांड संख्या 95/13 दर्ज किया गया था। वहीं पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में पकड़ीदयाल के अहिरौलिया निवासी सत्यम कुमार की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। उक्त दोनों मामलों में सन्नी सिंह व दीपू सिंह वांटेड था। एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि गिरफ्तार दोनों बदमाश कई वारदात को अंजाम दे चूके हैं। दोनों बदमाशों पर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में कई मामले दर्ज हैं। ये दोनों बदमाश आजाद हिंद फौज के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि सन्नी सिंह पर जिले के मधुबन, चकिया, फेनहारा, ढाका, पकड़ीदयाल में हत्या, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट, डकैती की साजिश, लूटकांड, रंगदारी के 12 मामले दर्ज है। इसके अलावा मुजफ्फरपुर में हत्या व आर्म्स एक्ट तथा सीतामढ़ी में लूटकांड दर्ज है। जबकि दीपू सिंह पर जिले के मधुबन, चकिया, फेनहारा, ढाका तथा पकड़ीदयाल में हत्या, रंगदारी, हत्या का प्रयास, डकैती, आर्म्स एक्ट के 12 मामले दर्ज हैं।

अस्सिटेंट सेक्शन ऑफिसर बना विकास कुमार

चकिया: नगर परिषद स्थित ओझा टोला निवासी सेवानिवृत प्रधानाध्यापक शिवनाथ ठाकुर एवं पार्वती देवी के पुत्र विकास कुमार ने सीजीएल 2023 की परीक्षा में अस्सिटेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर चयनित हुआ है। उन्होंने सीएसएससी, सीजीएल परीक्षा में सफलता हासिल कर नगर परिषद के साथ-साथ प्रखंड का नाम रौशन किया है। देश स्तर पर 682वां रैंक लाकर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। विकास कुमार के बड़े भाई एम कुमार ने बताया कि विकास ने बीएएपी हाईस्कूल चकिया से मैट्रिक व एसआरएपी कॉलेज चकिया से इंटर किया। वहीं स्नातक में हिस्ट्री ऑनर्स की डिग्री लंगट सिंह कॉलेज मुजफ्फरपुर से हासिल की। वर्तमान में कस्टम तथा जीएसटी इंस्पेक्टर के पद पर मुंबई में कार्यरत है।

पंचकोसी मेला में लिट्टी-चोखा से भगवान राम को लगता भोग

कढ़ी-बड़ी खिलाकर भगवान को किया गया था विदा, 40 से 50 लाख तक बिकता है उपला

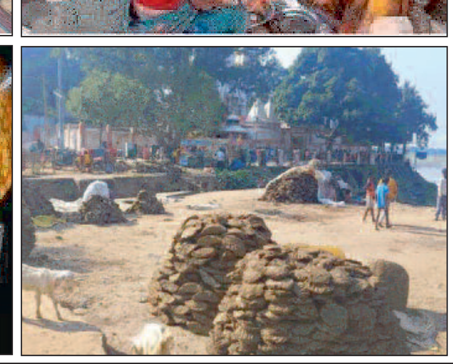

बक्सर: बक्सर में लगने वाले पंचकोसी मेला का आज अंतिम पड़ाव है।

जहां पांचवें दिन कई जिलों से पहुंचे हजारों लोगों ने एक साथ लिट्टी चोखा बना कर भगवान राम को भोग लगा प्रसाद के रूप में ग्रहण किया।

रामायण काल से चली आ रही मान्यता के मुताबिक, लिट्टी-चोखा का भोग सबसे पहले भगवान श्री राम को लगाया जाता है। आज सुबह से लेकर शाम तक बक्सर जिले के अलावा रोहतास,आरा कैमूर और यूपी के गाजीपुर और बलिया जिले के घरों में भी लिट्टी-चोखा बनाने की परंपरा है। इसे शुभ माना जाता है। इसके साथ है बक्सर के विधायक संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी द्वारा लिट्टी चोखा का भोज बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। तो वही स्थानीय सांसद अश्विनी चौबे को भी मेले में पहुंचने की सूचना है। लिट्टी चोखा को लेकर कहा गया है कि इसका स्वाद भूलता नहीं है।

कहावत है कि माई बिसरी बाबू बिसरी पचकोसवा के लिट्टी चोखा नाई बिसरी...।

लिट्टी चोखा खाने के बाद बसांव मठ में भगवान ने विश्राम किया था। यहां से कढ़ी और बरी खिलाकर वहां से भगवान राम और लक्ष्मण को मिथिला विदा किया गया था। आज भी वही परम्परा चलती चली आ रही है। बुधवार को लिट्टी चोखा को लेकर बक्सर में विशेष तैयारी की गई है। यहां दूर-दूर से लोग आकर लिट्टी चोखा खाने की तैयारी में लगे हैं। बक्सर के लिट्टी-चोखा मेले में करीब 52लाख का उपला (गोइठा) बिकने की उम्मीद है। गैस पर खाना बनाने के युग में इतनी मात्रा में उपले की व्यवस्था करना काफी समस्या है।

लेकिन यहां के कारोबारी गांव-देहात से उपले खरीद मेले में जगह-जगह इकट्ठा करते हैं। मेले के दिन अपने हिसाब से कीमत लगा बेचते हैं।

जिससे इनको काफी ज्यादा कमाई होती है। कारोबारी धीरेंद्र यादव और दिनेश चौधरी का कहना है कि हर साल 40 से 50 लाख रुपए का उपला (गोइठा) बिक जाता है। इस साल उससे अधिक बिकने की उम्मीद है।

साहित्य की जमीन को ललित निबंध देते हैं नई रंगत

साहित्य में ललित निबंध आखिर क्या होते हैं? कैसा होता है इनका रचनाकर्म? आदि सवालों का जवाब खोजने की कोशिश पिछले दिनों दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गया में की गई। इस संबंध में प्रख्यात भोजपुरी चित्रकार वंदना श्रीवास्तव और जाने-माने साहित्यकार व नव नालंदा महाविहार सम विश्वविद्यालय नालंदा के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रवींद्र नाथ श्रीवास्तव 'परिचय दास' के व्याख्यान महत्वपूर्ण रहे। इस व्याख्यानमाला का आयोजन हिंदी विभाग ने किया। इस अवसर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रो. परिचय दास को केंद्रीय विश्वविद्यालय गया की हिंदी और भारतीय भाषाओं की समिति का सदस्य नामित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। अपने व्याख्यान में वंदना श्रीवास्तव ने कहा कि भोजपुरी कला की निर्मिति ज्यामिति के आधार पर होती है। अनगढ़ से सुगढ़ होती प्रक्रिया कला को नया आयाम देती है। भोजपुरी कला अब बिहार, उत्तर प्रदेश व अन्य स्थलों पर नये रंग बोध के रूप में आ रही है। कोहबर की भित्ति कला, चौका पूरने की कला आदि रूपों से होती हुई आज यह एक ओर लोक को छूती है, दूसरी ओर समकालीनता को। मिथिला कला से अलग इसने नयी जमीन पर नयी रंगत प्राप्त कर ली है, जिसमें रोजगार की भारी संभावनाएं हैं। सुश्री वंदना ने ललित निबंध के गठन में कलात्मक विंबों की जरूरत पर बल दिया। ललित निबंधकार प्रो. रवींद्र नाथ श्रीवास्तव 'परिचय दास' ने कहा कि 'ललित निबंध' निबंध का सौष्ठव रूप है तथा गद्य की रमणीयता। ललित निबंध एक नयी किस्म की भाषा रचता है। गद्य के श्रेष्ठतम रूपों में एक है- ललित निबंध। उन्होंने काका कालेलकर, दुर्गा भागवत, नवनीता देवसेन, श्रीकांत जोशी , हजारी प्रसाद द्विवेदी , कुबेर नाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, विवेकी राय आदि ललित निबंधकारों के शिल्प प्रकृति की परिचय दास ने व्याख्या भी की। अपने ललित निबंधों के बारे में परिचय दास ने कहा- ' मेरे ललित निबंध परम्परा के साथ समकाल के प्रश्नों और बिम्बों को भी स्थापन और गति देते हैं।' इस व्याख्यान माला के दौरान परिचय दास के संबोधन में साल 2019 के नए साल की आगत पर लिखा गया उनका ललित निबंध 'नव वर्ष-संकल्प की आंच' के कुछ अंश स्मृति में उभर आए। मसलन वो लिखते हैं- 'अनेक बार हम विगत समय या वर्ष को छोटा या सरल समझ लेते हैं लेकिन बाद में पता चलता है कि यह हमारी अज्ञता है। विगत वर्ष अपने अस्तित्व में संपूर्ण है, उसे उसके समूचेपन में ही समझना होगा। नव वर्ष एक तरह का खूबसूरत फूल है, जिसमें आगामी भविष्य का बीज दिखता है। हमारा समय चेहरों की ज्योति, आंखों की आभा रेखाचित्रों की सरलता की रोशनी को नव वर्ष के द्वार पर दिखा देता है। यदि आप देखना चाहें या वैसी संभावना रखें। समय की सीढ़ियों के ये रेखाचित्र वास्तव में सरलता में जटिलता के अन्य रूप हैं। आगे की जटिलता या संश्लिष्टता को समझने के लिए समकाल के गहन परिप्रेक्ष्य को समझना होगा। मानुषिक दीप्ति के तटबंध पर होती हुई समय व परंपरा की नदी नव वर्ष के रूप में अविराम गति से बहती चली जा रही है। बस, गोधूलि की सघन छाया से बढ़ते हुए अंधकार व गतसमय के गतिपथ को पहचानना आवश्यक है। वास्तव में नई शताब्दी की चुनौतियों के बीच नव वर्ष को स्मृति-स्तंभ की तरह मान सकते हैं क्योंकि हम प्रवाह में भी वहां खड़े रह सकते हैं, पुनरीक्षा कर सकते हैं और भविष्य की भंगिमा को रूपाकार दे सकते हैं। खड़े रहने व चलने का द्वंद्व। नव वर्ष हमारी कला-स्मृति को उलीचने का संसाधन है। दीन के पक्ष में महोच्चार, जहां रूढ़ियां टूटती हैं। नया समय यानी काल का यह नव खंड जड़ता को तोड़ने का ही दूसरा नाम है। एक ऐसा नव समय आकांक्षित है, जिसमें दमित, निष्प्रेषित, अत्याचारित, हाहाकार भरे आर्तनाद और बंदी स्थिति को चुनौती दी जा सके तो सही माने में नव वर्ष है। नव वर्ष पर अपने को लाना मर्म, आशा, भरोसा व सही रोशनी देना है। अभिप्रायों की खोज प्रकारांतर से नव वर्ष की उजास है। यह अंतहीन मिलन है, विगत और सम का। यानी समय व विवेक का... जैसे धान की पत्तियों में हरियाली और धान की खुशबू एकमेक हो जाती है, वैसे ही नव वर्ष नए स्वप्नों की आभा से जोड़कर हमें अंदर-बाहर दोनों से सुचित्रित कर देता है। वह हमारे लिए स्वप्नमय, कलामय, अन्नमय संसार व भविष्य रचता है।' दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश चंद्र ने सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधि से छात्रों व आचार्यों दोनों की ज्ञानवृद्धि होती है। कार्यक्रम में डॉ. राम चंद्र रजक, डॉ. शान्ति भूषण, डॉ. कफील अहमद के अलावा आचार्य, परास्नातक और शोध विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मोदी मैजिक में निरर्थक विपक्षी मुद्दे

ANALYSIS

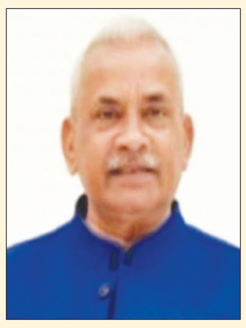

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

इंडी एलायंस सेमी फाइनल में ही निरर्थक हो गया। विपक्षी गठबंधन ने बहुत उम्मीद के साथ अपना नाम बदला था। वस्तुतः यूपीए की बदनामी के चलते उन्हें ऐसा करना पड़ा। गहन विचार-विमर्श के बाद उन्होंने ऐसा नाम धरा जिसे शॉर्ट फॉर्म में इंडिया कहा जा सकता था। इसके बाद तो गठबंधन के नेता इंडिया शब्द का ऐसे प्रयोग करने लगे जैसे वह पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उस समय भी अनेक लोगों ने इंडिया शब्द के चुनावी राजनीति की दृष्टि से प्रयोग को अनुचित बताया था। कुछ ही महीने में विपक्षी गठबंधन की वास्तविकता सामने आ गई। इन्होंने इंडिया शब्द का अनुचित प्रयोग किया था। इनका बिखराव तो पांच राज्यों के चुनाव से पहले ही शुरू हो गया था। अब इनको जनता ने भी आईना दिया है। जातिवाद और परिवारवाद को जनता ने नकार दिया है। जोड़-तोड़ कर इन्होंने अपना नामकरण किया था इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस।

इंडी एलायंस का मंसूबा विफल हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कमजोर समझने की उनकी गलतफहमी दूर हुई। राजस्थान और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के हाथ से निकल गए। मध्य प्रदेश में कांग्रेस पहले से ज्यादा कमजोर हो गई। जातिगत जनगणना का राग निष्प्रभावी साबित हुआ। विपक्ष ने इसे ट्रम्प कार्ड के रूप में प्रयुक्त किया था। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष के पास अब कोई कारगर मुद्दा नहीं बचा है। इंडी एलायंस सेमी फाइनल में ही निरर्थक हो गया। विपक्षी गठबंधन ने बहुत उम्मीद के साथ अपना नाम बदला था। वस्तुतः यूपीए की बदनामी के चलते उन्हें ऐसा करना पड़ा। गहन विचार-विमर्श के बाद उन्होंने ऐसा नाम धरा जिसे शॉर्ट फॉर्म में इंडिया कहा जा सकता था। इसके बाद तो गठबंधन के नेता इंडिया शब्द का ऐसे प्रयोग करने लगे जैसे वह पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उस समय भी अनेक लोगों ने इंडिया शब्द के चुनावी राजनीति की दृष्टि से प्रयोग को अनुचित बताया था। कुछ ही महीने में विपक्षी गठबंधन की वास्तविकता सामने आ गई। इन्होंने इंडिया शब्द का अनुचित प्रयोग किया था। इनका बिखराव तो पांच राज्यों के चुनाव से पहले ही शुरू हो गया था। अब इनको जनता ने भी आईना दिया है। जातिवाद और परिवारवाद को जनता ने नकार दिया है। जोड़-तोड़ कर इन्होंने अपना नामकरण किया थाइ इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस। जबकि जनमानस का सभ्यतागत संघर्ष भारत और इंडिया के आसपास केंद्रित है। अंग्रेजों ने हमारे देश का नाम इंडिया रखा। इस नामकरण के चलते विपक्षी दलों की जवाबदेही बढ़ गई थी। अब उन्हें यह बताना

चाहिए था कि डेवलपमेंट के मुद्दे पर उनकी कितनी विश्वसनीयता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गंठबंधन संप्रग को दस वर्ष सरकार चलाने का अवसर मिला। पश्चिम बंगाल में डेढ़ दशक से तृणमूल की सरकार है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को भी अवसर मिला है। बताया गया कि गठबंधन बैठक में शामिल हुए दलों की 11 प्रदेशों में सरकारें हैं। लेकिन बिडंबना यह कि किसी ने भी अपनी सरकार के विकास कार्यों पर एक शब्द भी नहीं कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन को घमंडिया नाम दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर सपनों को पूरा करना है, संकल्पों को सिद्ध करना है, तो भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना होगा। पहली बुराई भ्रष्टाचार है जो हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ में है। भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए हर क्षेत्र और हर सेक्टर में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई समय की मांग है। दूसरी बुराई वंशवादी राजनीति है। वंशवादी व्यवस्था ने देश को जकड़ लिया था और देश के लोगों के अधिकार छीन लिए थे। तीसरी बुराई तुष्टिकरण है। तुष्टिकरण ने देश की मूल सोच,समरस राष्ट्रीय चरित्र पर भी दाग लगाया है। इन लोगों ने सब कुछ नष्ट कर दिया और इसलिए इन तीन बुराइयों के विरुद्ध अपनी पूरी शक्ति से लड़ना होगा। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण- ये चुनौतियां पनपीं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की आकांक्षाओं को दबा दिया। दूसरी तरफ विपक्षी नेताओं ने जातिगत जनगणना को सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। इसके अलावा वह लोकतंत्र और संविधान पर हमले के आरोप लगा रहे थे। उनका कहना था कि भारत की संस्थाओं पर हमला हो रहा है। हमारी लड़ाई भाजपा की विचारधारा के खिलाफ है। ये लड़ाई इंडिया बनाम बीजेपी है। ये इंडिया बनाम पीएम मोदी की लड़ाई है। विपक्षी नेता कथित रूप से देश को बचाने के लिए बेकरार थे। कह रहे थे कि एक तरफ देश को नफरत से बचाना है और दूसरी तरफ एक नए इंडिया का सपना लेकर हम सब इकट्ठा हुए हैं। मोदी सरकार की बेमिसाल उपलब्धियों के सामने विपक्षी दलीलें निरर्थक साबित हुई। जबकि दो वर्ष कोरोना आपदा में बीते। उसके बाद अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन गई थी। मगर भारत की अर्थव्यवस्था अब भी विकास की राह पर है। बीस लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के सहारे भारत की विकास यात्रा को नई गति मिली है तथा देश आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ा है। आजादी के बाद सात दशकों में देश के केवल साढ़े तीन करोड़ ग्रामीण घरों में ही पानी के कनेक्शन थे। लेकिन मोदी के शासन में साढ़े चार करोड़ घरों को साफ पानी कनेक्शन दिए गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान लागू की गई। इसके दायरे में पचास करोड़ लोग हैं। साढ़े नौ साल में भारत ने डिजिटल लेनदेन में दुनिया को नई दिशा दिखाने का काम किया है। रिकॉर्ड सैटेलाइट प्रक्षेपित किए जा रहे हैं। रिकॉर्ड सड़कें बनाई जा हैं। दशकों से लंबित अनेक योजनाएं पूरी की गई हैं। अनेक पुराने विवाद भी पूरी शांति और सौहार्द से सुलझाए गए हैं। पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर तक शांति और विकास का एक नया भरोसा जगा है। कोरोनाकाल में अस्सी करोड़ लोगों को निशुल्क राशन की व्यवस्था की गई। जन औषधि दवा केन्द्र की संख्या अस्सी से बढ़कर पांच हजार हो गई। करीब सवा सौ नये मेडिकल कालेज खुले हैं। यूपीए के दस वर्ष में भारतीय रेल ने मात्र चार सौ तेरह रेल रोड ब्रिज और अंडर ब्रिज का निर्माण किया। मोदी सरकार ने इससे तीन गुना अधिक निर्माण किया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के पन्द्रह करोड़ से ज्यादा लाभार्थी हैं। यह दुनिया की सबसे सस्ती योजना है। बिजली उत्पादन में चालीस प्रतिशत वृद्धि हुई। सोलर ऊर्जा में आठ गुना वृद्धि हुई। फसल बीमा योजना का लाभ पहले पचास प्रतिशत नुकसान पर मिलता था। अब किसान को 33 प्रतिशत पर भी मिल जाता है। सरकार ने यूरिया को नीम कोटेड किया जिससे इसकी कालाबाजारी खत्म हुई। देश मे अब यूरिया की कोई कमी नहीं होती। पिछली सरकारों के समय 52 सैटेलाइट लॉन्च किए गए थे। मोदी सरकार अब तक देशी-विदेशी करीब तीन सौ सैटेलाइट लॉन्च कर चुकी है। यूपीए के समय ग्रामीण सड़क से जुड़ी बस्तियां पचपन प्रतिशत थीं। अब करीब 95 प्रतिशत हैं। मोदी सरकार ने चालीस करोड़ लोगों के जनधन खाते खुलवाए। पहले ये लोग बैंकिंग सेवा से वंचित थे। आयुष्मान, उज्ज्वला और निर्धन आवास योजनाएं संचालित की गई। देश खुले में शौच से मुक्त हो गया। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि सरकारी योजनाओं के एक रुपये में से केवल पन्द्रह पैसा ही गरीबों तक पहुंचता है। लेकिन वे बस कहकर ही रह गए, समाधान की दिशा में कुछ नहीं किया। समाधान प्रधानमंत्री मोदी ने किया। आज सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ सीधे लोगों के खातों में पहुंच रहा है। इस तरह के अनेक बदलाव की कहानी मोदी के नौ साल के कार्यकाल में लिखी गई है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

सैम बहादुर के बहाने याद जनरल मानेकशॉ की

सैम हॉरमुसजी फेमजी जमशेदजी मानेकशॉ को देश 1971 में पाकिस्तान के साथ हुई जंग में भारतीय थल सेना का कुशल नेतृत्व करने वाले एक सेनाध्यक्ष के रूप में कृतज्ञ भाव से याद करता है। वे फील्ड मार्शल का पद हासिल करने वाले पहले भारतीय सैन्य अधिकारी थे। अब उनके जीवन पर आधारित फिल्म सैम बहादुर के रिलीज होने के साथ ही यह मौका है कि हमारे सारे देशवासी खासकर के युवा पीढ़ी उनकी शख्सियत को फिर से जाने-समझे। उन्हें सैम मानेकशॉ और सैम बहादुर भी कहा जाता था। वे 1969 में भारत के सेनाध्यक्ष बने थे। इससे पहले उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के साथ-साथ भारत की चीन और पाकिस्तान के साथ हुई तमाम जंगों में अहम भूमिका निभाई थी। सैम मानेकशॉ समर नीति के गहरे जानकार थे। पर उनकी जुबान भी फिसलती रहती थी, जिसका उन्हें कई बार बहुत नुकसान भी उठाना पड़ा था। वे 1971 की पाकिस्तान के साथ हुई जंग में विजय का क्रेडिट जाने-अनजाने खुद लेने की फिराक में लगे रहते थे। उन्होंने एक बार तो एक इंटरव्यू में यहां तक दावा कर दिया था कि अगर वे पाकिस्तान सेना के प्रमुख होते तो 1971 की जंग में पाकिस्तान विजयी हो गया होता। उनके इस दावे पर तब भी बहुत बवाल कटा था। दरअसल जंग सेना के साथ-साथ सारा देश ही लड़ता है। इसलिए विजय भी सम्पूर्ण देश की ही होती है। हां, रणभूमि के वीरों का अपना विशेष महत्व तो होती ही है। 1971 की जंग के नायकों की बात होगी तो अनेकों नायक सामने आएंगे। इस बाबत जनरल जगजीत सिंह अरोरा और जनरल जैकब से लेकर सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल को भी याद भी किया जाएगा। उस जंग में भारत की विजय पर बात तब तक अधूरी रहेगी जब तक अरुण खेत्रपाल के पराक्रम की चर्चा ना हो जाए। उनके पिता भी उस जंग में लड़ रहे थे। अरुण खेत्रपाल ने पंजाब-जम्मू सेक्टर के शकरगढ़ में शत्रु के दस टैंक नष्ट किए थे। वे तब मात्र 21 साल के थे। इतनी कम आयु में अब तक किसी को परमवीर चक्र नहीं मिला है। नोएडा का अरुण विहार सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के नाम पर ही है। उन्होंने इंडियन मिलिट्री अकाडमी से जून, 1971 में ही ट्रेनिंग खत्म की। उसी साल दिसंबर में पाकिस्तान के साथ जंग शुरू हो गई। अरुण खेत्रपाल की स्क्वेड्रन 17 पुणे हार्स 16 दिसम्बर 1971 को शकरगढ़ में थी। वे टैंक पर सवार थे। टैंकों से दोनों पक्ष गोलाबारी कर रहे थे। वे शत्रु के टैंकों को बर्बाद करते जा रहे थे। इसी क्रम में उनके टैंक में भी आग लग गई। वे शहीद हो गए। लेकिन उनकी टुकड़ी उनके पराक्रम को देखकर इतनी प्रेरित हुई कि वह दुश्मन की सेना पर टूट पड़ी। युद्ध में भारत को सफलता मिली। अरुण को शकरगढ़ का टाइगर कहा जाता है। 1971 की जंग से जुड़ी एक यादगार फोटो को देखकर भारत की कई पीढ़ियां बड़ी हुई हैं। उस फोटो को देखकर हरेक हिन्दुस्तानी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। इसमें भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल जे.एस. अरोड़ा के साथ पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल अमीर अब्दुल्ला खाँ नियाजी बैठे हैं। नियाजी अपनी सेना के आत्मसमपर्ण करने संबंधी एक पेपर पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। उस चित्र में भारतीय सेना के कुछ आला अफसर प्रसन्न मुद्रा में खड़े हैं। उनमें जनरल जे.एफ.आर जैकब भी हैं। युद्ध संवाददाता के रूप में मैंने जनरल जैकब के साथ काम किया है और देखा है कि वे किस जांबाज किस्म के सेना नायक थे। 1971 के युद्ध में जैकब की रणनीति के तहत भारतीय सेना को अभूतपूर्व कामयाबी मिली थी। भारत में जन्मे वे यहूदी थे और समर नीति बनाने में महारत रखते थे। पाकिस्तान सेना के रणभूमि में परास्त करने के बाद जनरल जैकब ने नियाजी से अपनी फौज को आत्मसमर्पण का आदेश देने को कहा था। जैकब के युद्ध कौशल का ही परिणाम था कि नब्बे हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों ने अपने हथियारों समेत भारत की सेना के समक्ष घुटने टेके। आज के दिन जनरल जैकब राजधानी के हुमायूं रोड के यहूदी कब्रिस्तान में चिर निद्रा में हैं। अगर बात जनरल अरोड़ा की करें तो उन्होंने 1971 की जंग में भारतीय सेना को छोटी-छोटी टुकड़ियों में बांटकर पूर्वी पाकिस्तान में घुसने के आदेश दिये थे। उनकी इस रणनीति की वजह से ही हमारी सेना देखते ही देखते ढाका पहुंच गई थी। जरनल अरोड़ा ने जीवन भर 1984 में सिख विरोधी दंगों के दोषियों को दंड दिलवाने के लिए लगातार संघर्ष किया था। उधर, फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों भी 1971 की जंग के एक महान नायक थे। आपने उनके शौर्य की कथाएं अवश्य सुनी होंगी। जब जंग चालू हुई वे तब राजधानी के रेस कोर्स क्षेत्र में रहते थे। उस जंग के लिए 14 दिसम्बर 1971 का दिन खास था। उस दिन फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों ने पाकिस्तान के दो लड़ाकू सेबर जेट विमानों को ध्वस्त कर दिया था। उन्हें उस जंग में अदम्य साहस के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से नवाजा गया था। यदि भारत ने 1971 की जंग में पाकिस्तानी सेना के गले में अंगूठा डाल दिया था, तो इसका कहीं न कहीं श्रेय एयर चीफ मार्शल इदरीस हसन लतीफ को भी जाता है। वे 1971 के युद्ध के दौरान सहायक वायुसेनाध्यक्ष के पद पर थे। वे जंग के समय शत्रु से लोहा लेने की रणनीति बनाने के अहम कार्य को अंजाम दे रहे थे। लतीफ लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने, युद्ध की प्रगति तथा यूनिटों की आवश्यकताओं पर भी नजर रख रहे थे। लतीफ शिलांग स्थित पूर्वी सेक्टर में थे, जब पाकिस्तान ने हथियार डाले थे। दिल्ली कैंट में उस महान योद्धा के नाम पर एक सड़क भी है। इदरीस हसन ने 1948 और 1965 की जंगों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। लतीफ के एयर फोर्स चीफ के पद पर रहते हुए इसका बड़े स्तर पर आधुनिकीकरण हुआ।

Social Media Corner

सच के हक में...

गरबा जीवन, एकता और हमारी गहरी परंपराओं का उत्सव है। अमूर्त विरासत सूची में इसका शिलालेख दुनिया को भारतीय संस्कृति की सुंदरता को दशार्ता है। यह सम्मान हमें भावी पीढ़ियों के लिए अपनी विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने की प्रेरणा देता है। इस वैश्विक स्वीकार्यता के लिए बधाई।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जमशेदपुर में कोल्हान प्रमंडल स्तरीय सम्मेलन झामुमो कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में शामिल हुआ। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में राज्यभर से कई आवदेन आ रहे हैं। विगत 2 वर्षों में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लाखों जरूरतमंद लोगों को योजनाओं का लाभ मिला है। आप सभी नेताओं और कार्यकताओं से अपील है कि आपके क्षेत्र में चल रहे शिविर में पहुंचकर लोगों को योजनाओं से जोड़ने में मदद करें। उन्हें राज्य सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी भी दें। लोगों को हक-अधिकार और उनके चेहरे पर मुस्कान ही हमारा लक्ष्य है।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

गहलोत और पायलट की तनातनी ने पहुंचाया नुकसान

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलना राज्य की जनता की उस मूलभूत प्रवृत्ति को दिखाता है, जिसमें उसकी समस्याएं अनवरत बनी रहती हैं और वह अपने कष्ट के लिए वर्तमान सरकार को जिम्मेदार मानती है तथा उनसे मुक्ति के लिए और अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगभग हर बार विकल्प बदलती है। निवर्तमान अशोक गहलोत सरकार ने यूं तो कई महत्वपूर्ण काम किये, मसलन पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करना, प्रति परिवार 100 यूनिट बिजली फ्री देना और किसानों के लिए 2000 यूनिट बिजली फ्री देना, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 25 लाख तक के इलाज को मुफ्त कर देना और बीमा उपलब्ध कराना और इसी तरह कई जन उपयोगी योजनाएं, लेकिन राजस्थान की जनता ने फिर भी उनके कामों के प्रति विश्वास नहीं जताया, इसके गंभीर विश्लेषण की आवश्यकता है। राजस्थान सामाजिक और राजनीतिक तौर पर सामंती जकड़नों में फंसा हुआ प्रदेश है, इसलिए यहां पर नयी राजनीति के लिए जगह बनाना हमेशा मुश्किल होता है और पारंपरिक रूप से यहां पर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ही शासन करती आयी हैं। ये दोनों दल भी नये प्रयोगों के बहुत पक्षधर नहीं होते और अपने केंद्रीय नेतृत्व के आधार पर चुनाव और सरकार संचालित करते हैं। पूरे देश की तरह राजस्थान में भी एक तबका है, जो सामाजिक समरसता और सभी के प्रतिनिधित्व का समर्थक है और एक दूसरा तबका है जो ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल का नारा देते हुए राजस्थान के गौरवशाली इतिहास को वापस लाने का वादा करता है। इन दोनों के बीच राजस्थान की जनता को जब चुनना होता है, तो वह सामान्य तौर पर राजस्थान और भारत के गौरव के साथ खड़ी होती है, लेकिन सामाजिक समरसता के अपने संकल्प को साथ लेते हुए। ये चुनाव परिणाम इस तरफ साफ संकेत कर रहे हैं कि राजस्थान की जनता अपने बच्चों के लिए समय पर नौकरी भी चाहती है और इस मोर्चे से पर गहलोत विफल रहे हैं। सामान्य तौर पर कोई भी भर्ती प्रक्रिया तीन-चार साल में पूरी हो रही है और उसमें भी जब पेपर लीक का मामला आ जाए, तो निश्चित तौर पर पूरी युवा पीढ़ी और उनके परिवारों के बीच निराशा का माहौल पसर जाता है। जनता यह उम्मीद करती है कि उनके वोट से चुनी हुई सरकार उनके बच्चों के लिए बेहतर भविष्य बनाने में मदद करें, लेकिन एक के बाद एक परीक्षाओं में देरी और उनके पेपर लीक होने के मामलों ने गहलोत सरकार को लगातार कटघरे में खड़ा रखा है। पेपर लीक प्रकरण में शामिल लोगों पर कार्यवाही में देरी और उदारता भी वर्तमान सरकार के लिए महंगी पड़ी। संगठन के स्तर पर देखें, तो भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस में एक बहुत बड़ा फर्क है और वह लगातार बढ़ता चला जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के पास मजबूत सांस्कृतिक संगठन हैं, जबकि कांग्रेस के पास उस तरह के संगठनों का इतिहास जरूर है, लेकिन वर्तमान में वे संगठन लगभग निष्क्रिय हो चुके हैं। आज कांग्रेस के पास कार्यकताओं से अधिक नेताओं की संख्या है। भारतीय जनता पार्टी के अनुषंगी संगठनों में सबसे बड़ा नाम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का है। इस तरह के सैंकड़ों संगठन हैं। उनके कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ न केवल अपने सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन के लिए काम करते हैं, बल्कि समय आने पर वे भाजपा की मजबूत नींव की तरह खड़े रहते हैं और इससे भाजपा की राह आसान हो जाती है। कांग्रेस में संगठन के स्तर पर राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच की तनातनी ने भी पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इसका नुकसान अंत तक हुआ क्योंकि टिकटों के वितरण के वक्त उम्मीदवार की योग्यता के बजाय उसके गुट को ज्यादा ध्यान में रखा गया।

गठजोड़ की गांठें

चुनाव में मिली हार सिर्फ हार नहीं होती, वह शह-मात के कई और मोर्चों को भी एक साथ खोल देती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस फिलहाल इन्हीं अनुभवों से गुजर रही है। बुधवार को दिल्ली में विपक्षी महागठबंधन ह्यइंडियाह्ल की जो बैठक होने वाली थी, वह टाल दी गई है। कहा गया है कि बैठक अब इस महीने के तीसरे हफ्ते में कभी होगी। विधानसभा चुनावों के नतीजों ने गठजोड़ के अनेक सहयोगियों को कांग्रेस के प्रति अपना असंतोष जाहिर करने का मौका दे दिया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव तो इस बात को लेकर कांग्रेस से नाराज थे ही कि मध्य प्रदेश चुनाव के दौरान उनकी पार्टी को भाव क्यों नहीं दिया गया। प्रदेश की कुछ सीटों पर समाजवादी पार्टी का प्रभाव है और अखिलेश चाहते थे कि इन सीटों के लिए कांग्रेस उससे समझौता करे। समझौता नहीं हुआ, तो उन्होंने गठजोड़ पर ही सवाल उठाते हुए प्रदेश के मतदाताओं से कांग्रेस को वोट न देने की अपील कर डाली। चुनाव नतीजे आने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी गठजोड़ को नसीहत देने का मौका मिल गया और यह भी खबर आ गई कि वह दिल्ली बैठक में नहीं आ रही हैं। बिहार और झारखंड के मुख्यमंत्रियों के भी दिल्ली बैठक में न आने के संकेत आए, तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निवास पर होने वाली इस बैठक को टाल देने में ही भलाई समझी गई। कांग्रेस की हार को लेकर एक दिलचस्प बात आम आदमी पार्टी की ओर से कही गई है, यह बात भी कांग्रेस या विपक्ष की अन्य पार्टियों को चुभ सकती है। आम आदमी पार्टी के एक नेता ने कहा कि उत्तर भारत में अब आम आदमी पार्टी ही विपक्ष है, क्योंकि उसकी यहां दो राज्यों, यानी दिल्ली और पंजाब में सरकार है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

देश की अग्रणी फाइनेंस मैनेजमेंट कम्पनियों में शुमार जे एम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने इंदौर में शुरू की अपनी ब्रांच

इन्दौर ।

लगातार छ बार स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ देश दुनिया में नम्बर वन शहर के नाम से मशहूर हो चुके और मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी माने जाने वाला शहर इन्दौर हाल के वर्षों में असाधारण विकास क्षमता का पर्याय बन गया है। इसी से प्रेरित होकर देश की अग्रणी फाइनेंस मैनेजमेंट कम्पनियों में शुमार जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने इंदौर शहर में अपनी ब्रांच शुरू करने की घोषणा करते ब्रांच का उद्घाटन जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर सीमांत शुक्ला ने , जोनल हेड बेस्ट गोपाल सूचक , रीजनल हेड - गुजरात और एमपी तेजस जोशी और क्लस्टर हेड - इंदौर नीलेश बेंद्रे , के साथ। इस अवसर जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर , सीमांत शुक्ला ने कहा कि पिछले एक दशक में इंदौर के निवेशकों द्वारा म्यूचुअल फंड निवेश क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है, जो कि अन्य क्षेत्रों के मुकाबले 9 गुना है और यह इंडस्ट्री की ग्रोथ रेट 6.5 % से भी अधिक है । उन्होंने कहा कि फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट में यह प्रभावशाली वृद्धि मध्य प्रदेश की असाधारण आर्थिक प्रगति की वजह से है, जो प्रति व्यक्ति आय (पूर्ण रूप से) में 212 % की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्शाते राज्य को देश के शीर्ष - रेटेड क्षेत्रों में से एक बनाता है । शुक्ला ने कहा कि हमें मध्य भारत में अपनी जेएम फाइनेंशियल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड की पहली ब्रांच के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है । इस स्ट्रेटेजिक मूव का उद्देश्य हमारे म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर (एमएफडी) और पार्टनर के लिए सुविधाजनक और लोकल पहुंच प्रदान करना है , जिससे वे लोकल ब्रांच सपोर्ट के साथ अपने कस्टमर को जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड के प्रोडक्ट को अधिक प्रभावी ढंग से पेश करने में सफल हो सकें । शुक्ला का मानना है कि इंदौर में हमारी उपस्थिति न केवल हमारी पहुंच का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है , बल्कि इंदौर को एक केंद्र बनाकर फाइनेंशियल ग्रोथ की संभावना वाले राज्य के रूप में मध्य प्रदेश में हमारे विश्वास को भी दर्शाती है । हम मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने के साथ इन्दौर सहित मध्य भारत क्षेत्र की वित्तीय समृद्धि में योगदान देने के लिए तत्पर है.

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से पेट्रोल-डीजल के भाव में मामूली कमी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हल्की गिरावट देखी जा रही है। जिसके चलते पेट्रोल व डील के दामों में मामूली कमी देखी गई। बुधवार सुबह 6 बजे के करीब डब्ल्यूटीआई क्रूड लाल निशान में रहते हुए 72.18 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं, ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 77.20 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। यूपी में पेट्रोल की कीमत में 38 पैसे व डीजल की कीमत में 37 पैसे की गिरावट देखी गई है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल 28 पैसे सस्ता हो गया है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट है। चहीं दूसरी ओर, महाराष्ट्र में पेट्रोल 28 और डीजल 25 पैसे महंगा हो गया है। पंजाब, गोवा और गुजरात में पेट्रोल-डीजल की कीमत में हल्की तेजी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.77 रुपये और डीजल 94.37 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल

89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। सी तरह पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर` बिक रहा है।

गौतम अडानी की कुल संपत्ति में 12.3 अरब डॉलर का आया उछाल

-एक दिन की कमाई में मुकेश अंबानी से बस दो पायदान ही रह गए पीछे

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी के चलते गौतम अडानी की कुल संपत्ति में 12.3 अरब डॉलर का उछाल आया है। इस तरह से वह दुनिया के अरबपतियों के एक दिन की कमाई में नंबर वन पोजीशन पर आ गए हैं। हालों कि मुकेश अंबानी से अडानी कुल संपे` त्ति के मामले में केवल दो पायदान ही पीछे हैं। अडानी ने मंगलवार को अपनी संपत्ति में 12.3 अरब डॉलर जोड़े। इस उछाल के बाद अब वह ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके पास अब 82.5 अरब डॉलर की कुल संपत्ति है। मंगलवार को कमाई के मामले में अडानी ने बाकी सभी अमीरों को पीछे छोड़ दिया। वह अमीरों की लिस्ट में अब मुकेश अंबानी से दो पायदान ही पीछे रह गए हैं। अंबानी इस लिस्ट में 91.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 13वें नंबर पर हैं। मुकेश अंबानी एशिया में पहले और अडानी दूसरे नंबर पर हैं। दोनों की नेटवर्थ में अब केवल 8.9 अरब डॉलर का अंतर रह गया है। गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से पहले गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स बन गए थे। रिपोर्ट के बाद उनकी संपत्ति 60 अरब डॉलर तक घट गई थी और वे अमीरों की सूची में टॉप-30 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, इस साल अब तक उनकी संपत्ति में 38 अरब डॉलर की कमी देखी गई है। मंगलवार को अडानी एनर्जी में 20 फीसदी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 16.38 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 15.81 फीसदी और अडानी एंटरप्राइजेज में 10.90 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। दूसरी ओर अडानी पोर्ट्स में 9.47 फीसदी, एनडीटीवी में 8.49 फीसदी, अडानी विल्मर में 7.71 फीसदी, अडानी पावर में 6.68 फीसदी की बढ़त रही। जबकि, अंबुजा सीमेंट्स में 6.17 फीसदी और एसीसी 5.65 फीसदी की तेजी रही। बता दें कि दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एलन मस्क 222 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। मंगलवार को उनकी नेटवर्थ में 2.25 अरब डॉलर की तेजी आई। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 171 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट (169 अरब डॉलर), बिल गेट्स (134 अरब डॉलर) चौथे, लैरी एलिसन (129 अरब डॉलर) पांचवें, स्टीव बाल्मर (129 अरब डॉलर) छठे, वॉरेन बफे (119 अरब डॉलर) सातवें, लैरी पेज (119 अरब डॉलर) आठवें, मार्क जकरबर्ग (115 डॉलर नौवें) और सर्गेई ब्रिन (113 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर आ गए हैं।

बुलेट बनाने वाली कंपनी के शेयर बने रॉकेट

मुंबई ।

बुलेट बनाने वाली कंपनी के शेयर इन दिनों रॉकेट बने हुए हैं। आयशर मोटर्स के शेयरों में ऐसी जबरदस्त तेजी देखने के साथ ही एक महीने में ये 28 फीसदी तक चढ़ गए हैं। दरअसल नवंबर में ऑटो बिक्री के अच्छे आंकड़ों से शेयर में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। आयशर मोटर्स के शेयरों पर विदेशी ब्रोकरेज फर्म ने सितंबर में 4150 रुपये का टारगेट रखा था, इस शेयरों ने महज 3 महीने में ना सिर्फ हासिल किया बल्कि भाव उसके ऊपर चला गया है। फिलहाल शेयर का मौजूदा प्राइस 4136 रुपये है।

फॉरेन ब्रोकरेज फर्म ने कहा था कि निवेशकों के लिए आयशर मोटर्स के शेयर खरीदने का यह अच्छा समय है। ब्रोकरेज का मानना है कि ताजा प्रतिस्पर्धा से आयशर मोटर्स पर सीमित प्रभाव पड़ने की संभावना है। आयशर मोटर्स के शेयरों ने नवंबर में 18.25 प्रतिशत की छलांग लगाई, जो 3 वर्षों में एक महीने में सबसे बड़ी बढ़त है। हालाँकि, निफ्टी ऑटो इंडेक्स के साथ साल-दर-साल की तुलना में, स्टॉक ने अपेक्षाकृत कम प्रदर्शन दिखाया। इस साल जहां निफ्टी ऑटो इंडेक्स39.50 प्रतिशत बढ़ा, वहीं आयशर मोटर्स के शेयरों में 26.23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

पिछले हफ्ते शुक्रवार को कंपनी ने नवंबर में हुई अपनी ऑटो सेल्स के आंकड़े जारी किए थे, जिसमें 350 सीसी तक इंजन वाले मॉडलों की बिक्री में 13 फीसदी के साथ 74,275 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जबकि 350 सीसी से अधिक इंजन वाले मॉडलों की बिक्री 4,810 यूनिट्स से बढ़कर 5,976 रही, जो 24 फीसदी बढ़ोतरी को दिखाती है। आयशर मोटर्स सितंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा पिछले तिमाही के मुकाबले 54.7 फीसदी से बढ़कर के 1,016 करोड़ पर पहुंच गया। पिछले तिमाही में यह मुनाफा करीब 656.9 करोड़ पर था।

अगले साल 65,000 से 67,000 के स्तर तक जा सकता हैं सोना

मुंबई । 2 साल की सुस्ती के बाद सोने में जबरदस्त तेजी का रुख दिखाई दे रहा है। इस साल गोल्ड रिकॉर्ड स्तरों पर कारोबार कर रहा है। सोने का रेट 63,000 के स्तर दिखा चुका है। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, फिलहाल सोने का भाव 62,266 रुपये पर कारोबार कर रहा है। लेकिन सवाल ये है कि क्या इतनी तेजी दिखाने के बाद सोने का भाव और बढ़ेगा? इजराइल और हमास के बीच जंग के बाद फिर से सोने के भाव में तेजी दिख रही हैं। वहीं, एक्सपट्र्स का मानना है कि आगे भी गोल्ड में तेजी का रुख जारी रह सकता है। फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 7 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं, क्योंकि डॉलर में गिरावट का दौर जारी है, फिलहाल यह 3 महीने के निचले स्तर के आसपास है, जिससे अन्य विदेशी मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो गया है। भारत में 24 कैरेट गोल्ड का भाव फिलहाल 62,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ऊपर ट्रेड कर रहा है। सोने-चांदी की कीमतों पर करीब से नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि लंबी अवधि में सोने में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, मौजूदा स्तरों से कुछ मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है लेकिन तेजी का रुख जारी रहने की संभावना है। अगले साल सोने के भाव में 65,000 से 67,000 के स्तर देखने को मिल सकते हैं। सोना मौजूदा स्तरों से अच्छा रिटर्न दे सकता है। डॉलर इंडेक्स में कमजोरी और जियो-राजनैतिक टेंशन जारी रहने से गोल्ड को सपोर्ट मिलेगा और इसमें अच्छी तेजी रहने की उम्मीद बनी रहेगी। इसके अलावा अमेरिकी सेंट्रल बैंक से अगले वर्ष से ब्याज दरों में कटौती किए जाने की उम्मीद है यह फैक्टर भी गोल्ड के लिए पॉजिटिव रहेगा।

आईओसी बदलेगा इले क्ट्रिक वाहनों की बैटरी, कोलकाता में खोला पहला स्टेशन

नई दिल्ली । आईओसी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बदलने के लिए पहला स्टेशन शुरु किया है। इससे अब उन लोगों को राहत होगी जिनके वाहनों की बैटरी रास्ते में ही खत्म हो जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सोमवार को कोलकाता में बैटरी को बदलने की सुविधा देने वाला अपना पहला स्टेशन खोला। आईओसी ने एक बयान में कहा कि बैटरी बदलने वाले इस स्टेशन की शुरुआत कोलकाता के न्यू टाउन में स्थित पेट्रोल पंप पर की गई। इसकी स्थापना सन मोबिलिटी के सहयोग से की गई है। इस स्टेशन पर जाकर इलेक्ट्रिक वाहन चालक डिस्चार्ज बैटरी की जगह पूरी तरह चार्ज बैटरी ले सकते हैं। इस मामले में कंपनी के निदेशक (विपणन) वी सतीश कुमार ने कहा कि बैटरी की अदला-बदली वाली प्रौद्योगिकी टिकाऊ इलेक्ट्रिक परिवहन समाधानों के प्रोत्साहन के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर देती है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह स्टेशन पूर्वी भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में एक अहम भूमिका निभाएगा। इंडियन ऑयल आने वाले महीनों में सन मोबिलिटी के साथ मिलकर अपने पेट्रोल पंपों पर बैटरी स्टेशन स्थापित करेगी।

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

दुनिया की टॉप-5 में शामिल हुई एलआईसी

नईदिल्ली। दुनिया में तमाम बीमा कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम ने अपनी अलग जगह बनाई है। अब एलआईसी दुनिया की पांच टॉप बीमा कंपनियों में शुमार हो गई है। एसऐंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की रैंकिंग में भारतीय जीवन बीमा निगम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी बीमा कंपनी बनी है। यह रैंकिंग साल 2022 में कंपनियों की जीवन और दुर्घटना एवं स्वास्थ्य बीमा के नकदी भंडार पर आधारित है। देश की इस सरकारी बीमाकर्ता की तुलना में आलियांज एसई, चाइना लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी आगे है। एलआईसी का नकदी भंडार 503.07 अरब डॉलर रहा। वहीं आलियांज एसई का नकदी भंडार 750.20 अरब डॉलर, चाइना लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का नकदी भंडार 616.90 अरब डॉलर और निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का नकदी भंडार 536.80 अरब डॉलर था। एलआईसी और निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का नकदी भंडार वित्त वर्ष 2023 (अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक) का था। दुनिया की शीर्ष 50 जीवन बीमा कंपनियों की सूची में 21 कंपनियों के साथ यूरोप का दबदबा है। अगर सिर्फ देश की बात करें तो सबसे अधिक जीवन बीमा कंपनियां अमेरिका में हैं। वहां आठ बीमा कंपनियों का मुख्यालय है। इसके बाद ब्रिटेन सात कंपनियों के साथ दूसरे स्थान पर है। यूरोपीय देशों की तरह शीर्ष 50 एशियाई कंपनियों में दुनिया की 17 कंपनियां जीवन बीमा का हिस्सा थीं। मेनलैंड चाइना और जापान पांच बीमा कंपनियों के मुख्यालय के साथ सूची में शीर्ष पर है। उत्तरी अमेरिका 12वें स्थान पर है, जिनमें 8 कंपनियां अमेरिका, दो कनाडा और दो बरमूडा में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवन बीमा उद्योग के लिए एक बड़ी चिंता इस बात की है कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक बड़े पैमाने पर धन के हस्तांतरण को अपनाने में दिक्कतें हैं। कैपजेमिनाई में लाइफ, एन्युटीज और बेनिफिट सेक्टर की ग्लोबल लीडर सामंथा चौ ने कहा, 'दुनिया में ऐसा कोई भी देश नहीं है जहां धन हस्तांतरण का अनुभव न हो रहा हो। जीवन बीमा उद्योग अभी इस चुनौती से निपटने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि उसके पास सही उत्पादों और प्रौद्योगिकी की कमी है।'

फोर्ब्स की सबसे ताकतवर महिलाओं में निर्मला सीतारमन शामिल

नई दिल्ली। फोर्ब्स की सूची में दुनिया की सौ सबसे पावरफुल महिलाओं को शुमार किया जाता है। इस बार भारत की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन समेत तीन भारी महिलाओं को शामिल किया गया है। सीतारमन 32वें स्थान पर हैं, जिसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और सिंगर टेलर स्विफ्ट भी शामिल हैं। इस सूची में तीन अन्य भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं,जिनके नाम - एचसीएल कॉर्पोरेशन की सीईओ रोशनी नादर मल्होत्रा (रैंक 60), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन सोमा मंडल (रैंक 70), और बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ (रैंक 76) हैं। फोर्ब्स की पावरफुल महिलाओं की सालाना लिस्ट में यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन स्पॉट पर हैं, उनके बाद यूरोपीय सेंट्रल बैंक की बॉस क्रिस्टीन लेगार्ड दूसरे स्थान पर और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमल हैरिस तीसरे स्थान पर हैं। जानें दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में जगह बनाने वाली भारतीय महिलाओं के बारे में- सीतारमण मई 2019 में भारत की पहली पूर्णकालिक वित्त मंत्री बनीं और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की भी प्रमुख हैं। राजनीति में आने से पहले उन्होंने यूके के एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स एसोसिएशन और बीबीसी वर्ल्ड सर्विस में भूमिकाएँ निभाईं। इसके अलावा,वह राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रह चुकी हैं। सीईओ रोशनी नादर मल्होत्रा एचसीएल के संस्थापक और उद्योगपति शिव नादर की बेटी हैं। फोर्ब्स ने कहा कि एचसीएल टेक्नोलॉजीज की अध्यक्ष के रूप में, वह कंपनी के सभी रणनीतिक निर्णयों के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने जुलाई 2020 में अपने पिता के बाद यह पद संभाला। फोर्ब्स के अनुसार, सोमा मंडल सरकारी स्वामित्व वाली स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की पहली महिला अध्यक्ष हैं। 2021 में भूमिका संभालने के बाद, उन्होंने स्टील निर्माता को वित्तीय वृद्धि दर्ज करने के लिए प्रेरित किया। बता दें कि उनकी लीडरशिप के पहले वर्ष में फर्म का मुनाफा तीन गुना बढ़ गया था।

अदाणी, एफएमसीजी के शेयरों में तेजी, सातवें दिन हरे निशाना पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप,एफएमसीजी, आईटी और पीएसयू बैंकों के शेयरों में तेजी के बीच बुधवार घरेलू शेयर बाजार नई ऊंचाई पर पहुंच गए। विदेशी निवेशकों की तरफ से हो रही लगातार खरीदारी, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और ग्लोबल मार्केट में सकारात्मक रुख के दम पर लगातार सातवें दिन बाजार में तेजी देखी गई। बुधवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 358 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 83 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक क्रमशः 0.19 प्रतिशत और 0.18 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 357.59 अंक की बढ़त के साथ 69,653.73 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में बुधवार को 69,744.62 और 69,395.01 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 82.60 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,937.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में बुधवार को 20,961.95 और 20,852.15 के रेंज में कारोबार हुआ। बुधवार के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 20 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। विप्रो, आईटीसी, एलएंडटी,टीसीएस और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे। सबसे ज्यादा मुनाफा विप्रो के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 3.60 फीसदी चढ़ गए। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 10 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। एनटीपीसी,एक्सिस बैंक, अल्टाट्रेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति सेंसेक्स के टॉप 5 लूजर्स रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एनटीपीसी के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 1.52 फीसदी गिर गए।

बाजार जानकार क्यों कह रहे सतर्क रहने को

शेयर बाजारों में वर्तमान में शानदार तेजी देखी जा रही हैं। तेजी का आलम यह है कि निफ्टी 500 के करीब 90 फीसदी स्टॉक और निफ्टी 50 के करीब 49 स्टॉक अपने-अपने 200 दिनों के मूविंग औसत (डीएमए) से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं। 200-डीएमए ट्रेडर्स और इंवेस्टर्स, दोनों के लिए सबसे अहम ट्रेंड इंडीकेटर होता है। यह उन ट्रेडर्स और निवेशकों के लिए काफी अहम रोल निभाता है जो यह देखते हैं कि कौन से स्टॉक्स और इंडेक्स अपने उचित लेवल से ऊपर ट्रेड कर रहे हैं और आने वाले समय में इनमें और उछाल आ सकता है और कौन से प्रमुख शेयर हैं, जो आने वाले समय में गिर सकते हैं और उसे बेच देना चाहिए।

पिछले कुछ समय से बाजार में काफी तेजी के साथ बढ़ोतरी ने जानकारों को सतर्क कर दिया है, जो अब उम्मीद करते हैं कि मार्केट में गिरावट आने से पहले मजबूती देखने को मिल सकती है। उनका सुझाव है कि निवेशकों को सिलेक्टिव बने रहना चाहिए और केवल वहीं निवेश करना चाहिए जहां वैल्यूएशन कम्फर्टेबल जोन में बना रहे और अर्निंग को लेकर सकारात्मकता नजर आए। बाजार जानकार ने कहा, भले ही बाजार में तेजी का दौर चल रहा है, बाजार के निकट अवधि में मजबूत होने की संभावना है क्योंकि इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों और इंडिविजुअवल निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली की जाएगी।

किआ इंडिया ने ईवी की चार्जिंग के लिए मल्टीपल चार्ज पॉइंट ऑपरेटर जोड़े

मुंबई ।

वाहन विनिर्माता किआ इंडिया ने इलेक्ट्रॉनिक वाहनों (ईवी) की चार्जिंग के लिए मल्टीपल चार्ज पॉइंट ऑपरेटर (सीपीओ) को जोड़ने और अपने चार्जिंग एप में एक नई सुविधा 'के-चार्ज' शामिल करने की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि माईकिआ एप में नया फीचर उपयोगकर्ताओं को देशभर में 1,000 से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों का पता लगाने की सुविधा देता है। इसके अलावा कार निर्माता ने अन्य कार कंपनियों के ग्राहकों के लिए भी इस चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच बढ़ाने की बात कही है। किआ ने इस पहल को लागू करने के लिए पांच चार्ज पॉइंट ऑपरेटरों-स्टेटिक, चार्जजोन, रिलक्स इलेक्ट्रिक, लॉयन चार्ज और ई-फिल के साथ सहयोग किया है। किआ इंडिया के बिक्री एवं विपणन प्रमुख हरदीप सिंह बराड़ ने के-चार्ज को ग्राहकों के लिए एक सुविधाजनक पहल बताते हुए कहा कि यह टिकाऊ गतिशीलता को सबके लिए सुविधाजनक और सुलभ बनाने की दिशा में एक कदम है।

जीप दे रही ग्रैंड चेरोकी पर 11.85 लाख रुपये की भारी छूट

मुंबई । जीप ने अपने मॉडल्स पर डिस्काउंट की घोषणा की है। इसमें इसके फ्लैगशिप ग्रैंड चेरोकी पर 11.85 लाख रुपये की भारी छूट शामिल है। ग्रैंड चेरोकी में 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया है, जो 270 बीएचपी और 400 एनएम उत्पन्न करता है। ट्रांसमिशन के लिए इस जीप के क्वाड्राट्रैक 4×4 सिस्टम और 8 स्पीड ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन से जोड़ा गया है। वहीं इसमें 4 राइडिंग मोडस्-ऑटो, स्पोर्ट, मड / सैंड और स्नो भी मिलते हैं। ग्रैंड चिरोकी से पहले कंपनी कंपास और मेरिडियन एसयूवी पर भी शानदार डिस्काउंट दे रही थी। कंपास पर 2.05 लाख का डिस्काउंट मिल रहा था। ग्राहक इसका लाभ जिसमें 1.5 लाख रुपये की नकद छूट, 25,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस और 15,000 रुपये के कॉर्पोरेट लाभ के रुप में उठा सकते हैं। जीप मेरिडियन 4.85 लाख रुपये तक के लाभ के साथ उपलब्ध है। इसमें 4 लाख रुपये तक की नकद छूट, 25,000 रुपये का एक्सचेंज लाभ और 30,000 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल है। डॉक्टर, लीजिंग कंपनियां और पार्टनर टॉप-स्पेक ओवरलैंड वेरिएंट पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त छूट का लाभ उठा सकते हैं।

शेयर बाजार की वैल्यू पहली बार 4 लाख करोड़ डॉलर के पार

भारत और हांगकांग के स्टॉक मार्केट में गैप कम हुआ

मुंबई ।

वैश्विक स्तर पर भारतीय शेयर बाजार सरपट भाग रहा है। इसकी वैल्यू पहली बार 4 लाख करोड़ डॉलर के पार निकल गई, जो दुनिया के पांचवें सबसे बड़े इक्विटी बाजार के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। साथ ही भारत और हांगकांग के स्टॉक मार्केट के बीच का गैप कम हो गया है। बता दें कि हांगकांग का स्टॉक मार्केट तेजी से फिसल रहा है। भारत के एक्सचेंजों पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) तीन साल से भी कम समय में 1 लाख करोड़ डॉलर बढ़ गया है, क्योंकि भारतीय शेयर बाजार दक्षिण एशिया के साथ-साथ उभरती दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक के रूप में उभरा है।

रिपोर्ट के मुताबिक,पहले से ही ऑल टाइम हाई पर ट्रेड कर रहे भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इस साल 13 प्रतिशत से अधिक बढ़ गए हैं और लगातार आठवें वर्ष अभूतपूर्व लाभ की ओर बढ़ रहे हैं। इसके विपरीत, हांगकांग के प्रमुख इक्विटी बेंचमार्क में 17 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे बाजार का कुल मूल्य 4.7 लाख करोड़ डॉलर से भी कम हो गया है। भारत इस साल की शुरुआत में चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गया और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। राजनीतिक स्थिरता और मजबूत घरेलू विकास क्षमता का दावा करते हुए, भारत अपने पूंजी बाजारों के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादन में वैश्विक निवेश बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। विदेशी निवेशकों

ने इस साल नेट बेसिस पर भारत में 15 अरब डॉलर से अधिक के शेयर खरीदे हैं, जबकि घरेलू फंडों ने 20 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। कोरोना महामारी के बाद से रिटेल ट्रेडिंग में आए उछाल से भी भारत में निवेश को बहुत अधिक बढ़ावा मिला है।

महाराष्ट्र में अमेरिका ने शुरु किया स्केचर्स का सबसे बड़ा वेअर हाऊस

मुंबई। भारतीय बाजार में हमारी शुरुआत 2012 में हुई थी, यह नेशनल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भारत के आशाजनक भविष्य में स्केचर्स की अभिन्न भूमिका को मज़बूत करता है। अमेरिकी फूटवियर कंपनी द कम्फर्ट टेक्नोलॉजी ने अपने वैश्विक ब्रांड स्केचर्स जूतों की भारत में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मुंबई के पास पलावा सिटी में नेशनल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर (एनडीसी) की शुरुआत की है। इस सेंटर से देशभर में स्केचर्स की आपूर्ति की जाएगी। यह से हर दिन 60 हजार शूज़ पेयर्स तक कुशलतापूर्वक आपूर्ति की जा सकेगी। स्केचर्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर डेविड वेनबर्ग ने कहा कि स्केचर्स नेशनल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर की स्थापना से भारतीय बाजार में हमारी पकड़ और मजबूत होगी। स्केचर्स के सीईओ (साउथ एशिया) राहुल वीरा कहा कि भारत के लगातार बढ़ते हुए फुटवियर उद्योग में स्केचर्स ने साल दर साल उल्लेखनीय वृद्धि की है। हमने मुंबई में अपना कॉर्पोरेट विस्तार किया है और 400 से अधिक स्केचर्स रिटेल स्टोर्स में निवेश करते हुए व्यापक उपस्थिति स्थापित की है जो हमे हमारे उपभोक्ताओं के साथ गहराई से जोड़ती है। जैसे-जैसे भारतीय फुटवियर मार्केट अपने विस्तार के अगले चरण के लिए तैयार हो रहा है, नेशनल डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर मार्केट की वर्तमान मांग को कुशलतापूर्वक पूरा करने और भावी पीढ़ियों के लिए विकास को निर्बाध रूप से आगे बढ़ाने के लिए तैयार है।

एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...

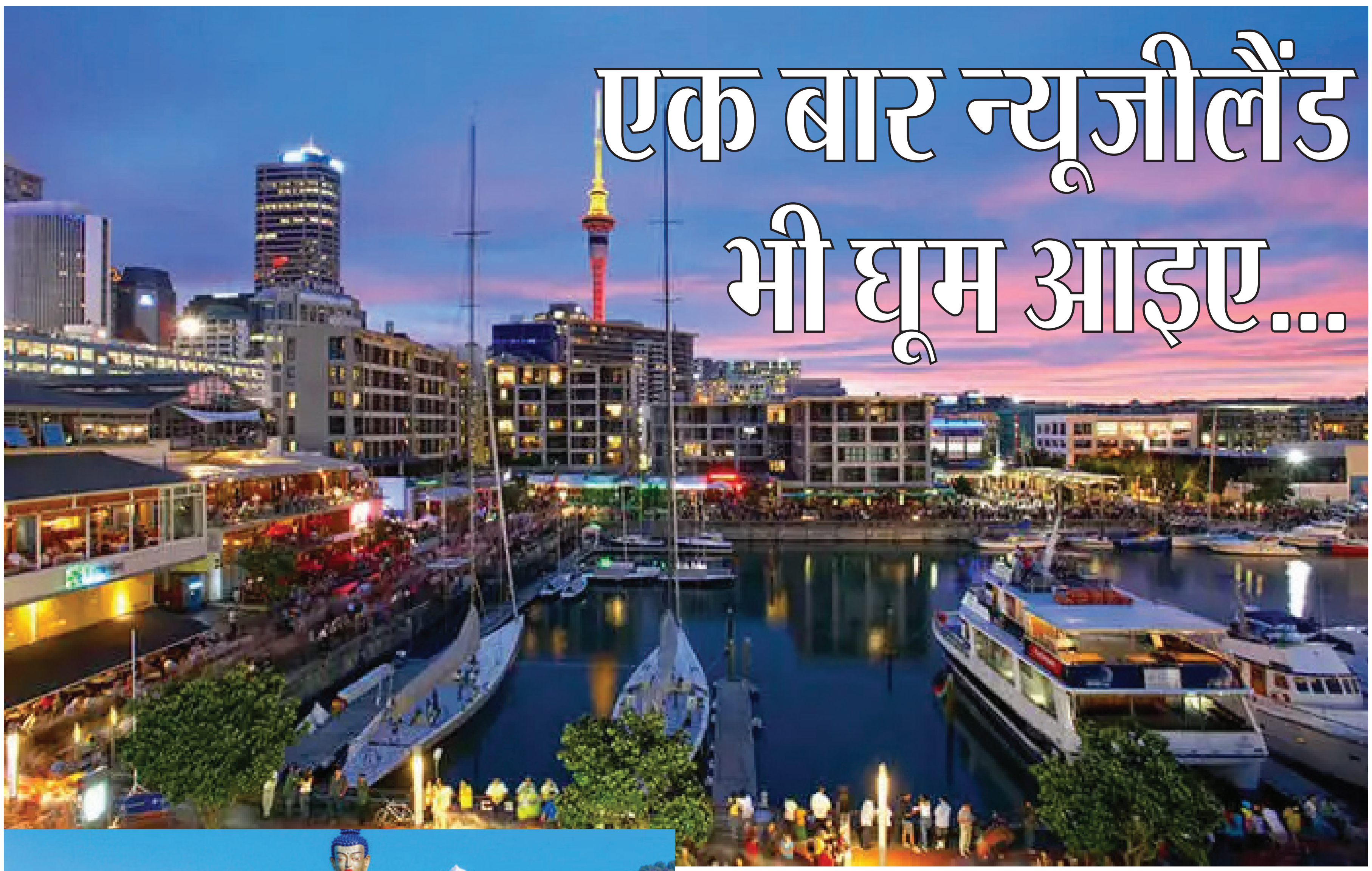

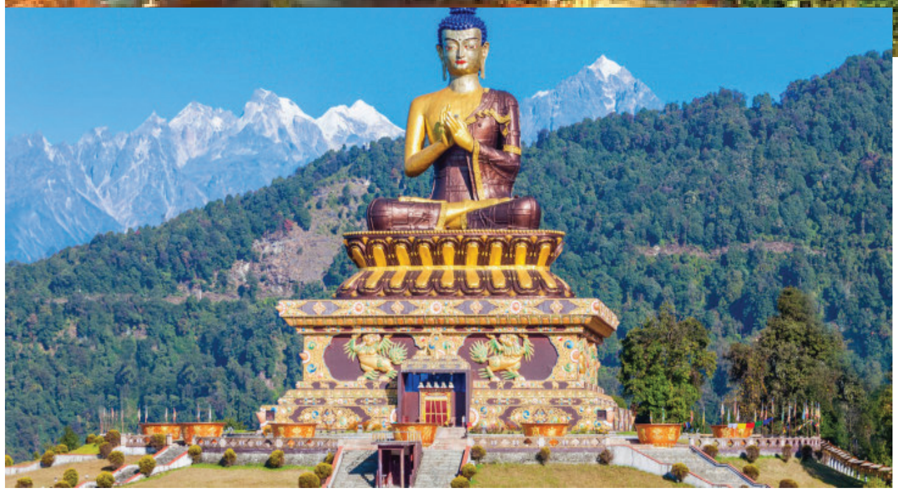

अगर आप सर्दी और क्रिसमस के दौरान विदेश यात्रा का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...। सर्दी और क्रिसमस की छुट्टियां निकट हैं। छुट्टियों के दौरान अक्सर लोग पर्वतीय, बर्फीले या समुद्री इलाकों में घूमना पसंद करते हैं, तो कुछ परंपरागत लोगों को वाइल्ड लाइफ और कुदरती खूबसूरती से भरे क्षेत्रों में फुर्सत के पलों को बिताना अच्छा लगता है। ऐसे में अगर विदेश में घूमने की प्लानिंग है, तो न्यूजीलैंड परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां बर्फीली चोटियां, झरने, द्वीप, अंगूर के बगीचे, लाल लकड़ियों वाले घने जंगल और दूर तक फैली समुद्र तट सब कुछ हैं।

यहां के नजारे आपको किसी स्वप्न लोक का एहसास कराएंगे। आइए, यहां के कुछ खुशनुमा पर्यटन स्थलों से आपको रूबरू कराते हैं... रोटोरुआ न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप स्थित रोटोरुआ अपनी कुदरती खूबसूरती की वजह से एक रहस्यमयी धरती है और आठवें अजूबे के रूप में दुनियाभर में लोकप्रिय है। इस स्थल को वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा भी हासिल है। यहां जमीन के अंदर से हर समय निकलते गर्म पानी के बुलबुलों को काफी उत्सुकता से लोग देखते हैं।

जमीन के गर्म पानी में वार्मबाथ लेने के लिए सैलानियों में यह क्षेत्र खूब लोकप्रिय है। इस जगह के कई और भी आकर्षण हैं। अगर आप यहां आएं, तो फ्लोटप्लेन और जेट बोटिंग का आनंद जरूर उठाएं। कंक्रीट के बने रनवे की बजाय पानी के ऊपर से ही ये प्लेन उड़ान भरते हैं। फिर सैलानियों को रोटोरुआ की हवाई सैर कराते हैं। ऊपर से शहर का प्राकृतिक नजारा देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। एडवेंचर के शौकीनों को भी यहां करने के लिए बहुत कुछ है, इनमें माउंटेन बाइकिंग, स्काई डाइविंग सैलानियों को खूब पसंद आती है।

अनुपम हैं प्राकृतिक नजारें-– नेपियर न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन से 320 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस शहर को माओरी भाषा में अहुरिरी कहा जाता है। यहां का हॉक्स बे इलाका पहाड़, समुद्रतट, बंदरगाह और हवाई अड्डे के कारण पर्यटन का मुख्य केंद्र है। लोग यहां दशकों पुरानी आर्ट डेको वास्तुकला को भी निहारने आते हैं। यहां का मियामी बीच काफी चर्चित है। खाने के शौकीन लोग अक्सर यहां खिंचे चले आते हैं, क्योंकि वाइन और फूड के लिए नेपियर काफी मशहूर है।

ऑकलैंड समुद्र तटों का आनंद उठाने के लिए ऑकलैंड बेहतरीन जगह है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण पानी के भीतर का सैर है। सैलानी इस यादगार लम्हे का लुत्फ उठाने से नहीं चूकते। चाहें तो यहां के नाइंटी माइल बीच पर गोताखोरी के साथ-साथ डॉलफिन मछलियों के साथ तैराकी का मजा भी ले सकते हैं। समुद्रतटों पर बने रिसॉर्ट में ठहरने का भी अपना एहसास है। यहां की रंगारंग पार्टियां, कसीनो, हॉट एयर बैलूनिंग, घुड़सवारी, बच्चों का एडवेंचर पार्क, क्लॉक म्यूजियम, काऊ वर्ल्ड पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। ऑकलैंड खरीदारी के लिए भी अच्छी जगह है। यहां कई फेमस रेस्टोरेंट और दुकानें हैं।

प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए बेस्ट हैं राजस्थान की ये जगहें, जिंदगी भर नहीं भूलेंगे आप

हम सभी यादों को कैद करने के लिए तस्वीरें लेते हैं। वहीं शादी के पलों को खासकर अपनी यादों में संजोना चाहते हैं। जैसे शादी से पहले प्री-वेडिंग फोटोशूट, पोस्ट वेडिंग शूट, मैटरनिटी शूट करवाते हैं। जिससे कि इन तस्वीरों को हम जब भी देखें, तो इन खूबसूरत पलों को यादकर मुस्कुरा सकें। इस सब के बीच आजकल के कपल्स प्री वेडिंग फोटोशूट करवाना पसंद करते हैं।

ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप भी प्री वेडिंग शूट के लिए खूबसूरत जगहों की तलाश कर रहे हैं। तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। राजस्थान में आपको कई ऐसी लोकेशन मिलेंगी। जो आपको रॉयल फील देने का काम करेंगे। तो आइए जानते हैं उन जगहों के बारें में जहां पर आप प्री वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

मंडावा- अपनी खूबसूरत नक्काशी और कृतियों वाली हवेलियों के लिए जाना जाने वाला मंडावा रिच कल्चरल हेरिटेज डेस्टिनेशन है। ऐसे में आप यहां पर फोटोशूट करवा सकते हैं। शादी के सीजन में कई कपल्स यहां पर फोटोशूट करवाते हैं।

बूंदी - राजस्थान का बूंदी शहर अपने भव्य महलों के लिए पूरी दुनिया में फेमस हैं। यह हवेलियां और महल आपकी प्री-वेडिंग शूट को रॉयल लुक देने का काम करेगा। आप यहां पर तारागढ़ किला, रानी जी की बावड़ी आदि में अपना शूट करवा सकते हैं।

शेखावाटी एरिया- आपको बता दें कि शेखावाटी एक ओपन एयर आर्ट गैलरी है। यहां की हवेलियों में खूबसूरत पेंटिंग हो रखी है। प्री-वेडिंग शूट के लिए यह लोकेशन सबसे बेस्ट है। शेकावाटी एरिया का खूबसूरत लोकेशन आपके प्री-वेडिंग शूट में चार चांद लगाने का काम करेगा।

रणकपुर- रणकपुर 15वीं शताब्दी के जैन मंदिरों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। रणकपुर में कई ऐसी जगहे हैं, जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

भरतपुर- राजस्थान का भरतपुर अपने नेचर और वाइल्डलाइफ के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर आप भी प्री-वेडिंग शूट में वाइल्डलाइफ और नेचर का टच देना चाहते हैं, तो यह जगह परफेक्ट है। इसके अलावा भरतपुर में आप लोहागढ़ किले में भी शूट करवा सकते हैं।

खिमसर- दरअसल, यह गांवनुमा एक रिज़ॉर्ट है। यह जगह खिमसर किले और थार डेजर्ट के लिए जानी जाती है। यह जगह अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। ऐसे में यहां पर प्री वेडिंग शूट करवाना एक यूनिक आइडिया हो सकता है।

कुंभलगढ़- कुम्भलगढ़ दुर्ग राजस्थान के राजसमन्द ज़िले में स्थित एक दुर्ग है। हांलाकि इस जगह को लोगों द्वारा काफी कम एक्सप्लोर किया गया है। ऐसे में यहां पर आपको प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी हरियाली देखने को मिलेगी। वहीं प्री-वेडिंग शूट के लिए यह भी एक अच्छा ऑप्शन है।

भैंसरोड़गढ़- कई कपल्स प्री वेडिंग शूट के लिए थोड़ा यूनिक जगह की तलाश कर रहे हैं, तो भैंसरोड़गढ़ आपको निराश नहीं करेगा। भैंसरोड़गढ़ में नेचर और चंबल नदी का किनारा आपके शूट को खूबसूरत बनाने का काम करेगा।

सफर के दौरान इन चीजों का सेवन हो सकता है हानिकारक

लंबी छुट्टियों के दौरान हर कोई पूरे परिवार के साथ कहीं न कहीं घूमने जाने का प्लान बनाता है। गर्मियों की छुट्टी हो या वेकेशन हिल स्टेशन जाने का अपना ही मजा होता है। कई लोग सफर के दौरान गाने सुनते हैं तो कोई किताब पढते हैं तो कोई आराम करते हैं। सफर के समय भूख लगना एक बहुत ही ज़ाहिर सी बात हैं। हम घर से काफी सारी चीजें लेकर जाते हैं सफर के लिए लेकिन सफर में हम और चीजें भी खरीद लेते हैं। जिससे कई लोगों को सफर के दौरान उल्टी, जी मचलने की, सर घूमने की शिकायत रहती है और ऐसा होने पर सफर का मजा फीका पड़ जाता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सफर में कि चिजों का सेवन हानिकार साबित हो सकता है।

तला हुआ खाना - ध्यान रहे कि सफर में कभी भी आप तले हुए खाने का सेवन ना करें ऐसा करने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता हैं। ट्रेन से यात्रा के दौरान कई बार स्टेशन पर समोसे, कटलेट जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें देखकर मन ललचाने लगता है और हम भूख न लगने पर भी इनका सेवन कर लेते हैं। बाहर खुले में बिकने वाली इन चीजों को यात्रा के दौरान खाने की गलती न करें।

नॉन वेज - अगर आप सफर के दौरान नॉन वेज खाते हैं तो वह आपके पेट के लिए सहीं नहीं हैं क्योंकि नॉन वेज काफी हेवी होता हैं और उसे पचने मे काफी समय लगता हैं और सफर में हम सिर्फ बैठे रहते हैं और हम ज्यादा हिल डुल नहीं सकते हैं जिससे नॉन वेज पच नहीं पाता हैं। इसलिए ध्यान रहें कि आप सफर के समय में हल्की चीजों का सेवन करें।

दूध अंडा - दूध और अंडा भी काफी भारी होते हैं हमारे पेट के लिए और इन्हें पचने में काफी समय लगता हैं तो अगली बार जब भी आप सफर करें तो ध्यान रहें कि आप दूध और अंडे का सेवन ना करें ताकी आपकी सेहत को कोई नुकसान ना हों और आपका सफर अच्छे से बीते।

केले के चिप्स - सफर के दौरान आप सूखे केले के चीप्स खा सकते हैं। ये आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। इसके अलावा एक मुट्ठी बादाम, भूने हुए चने, पिस्ता, सूखे कॉर्नफ्लैक्स और मूंगफली को हल्का सा सरसों के तेल या ऑलिव ऑयल में फ्राई करके पैक करके रख लें। इनके अलावा आप सेब और केले का सेवन भी कर सकते हैं।

नवविवाहित जोड़ों के लिए ये हैं 5 सबसे रोमांटिक डेस्टिनेशंस

अपने पार्टनर के साथ कुछ पल अकेले गुजारना चाहते हैं तो ट्रैवलिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। खासकर न्यूली वेड्स के लिए तो ऐसा करना बेहद यादगार हो सकता है। यहां है कुछ खास रोमांटिक डेस्टिनेशंस की लिस्ट, जहां आप अपने स्पाउस के साथ जाने की तैयारी कर सकते हैं।

पॉन्डिचेरी- 1499 में वास्को डी गामा ने इसे डिस्कवर किया था। पॉन्डिचेरी या पुडुचेरी दुनिया की सबसे ज्यादा रोमांटिक डेस्टिनेशंस में से एक है। यहां के फ्रेंच कोलोनियल बिल्डिंग्स और खूबसूरत चर्च देखने लायक हैं। होटल कोरामंडल हेरिटेज में आप एक आरामदायक स्टे कर सकते हैं। इसके अलावा प्रोमेनेड और ले रॉयल पार्क भी अच्छे होटल साबित होंगे। स्वाद का आनंद उठाना चाहते हैं तो कैफे जटासी, सत्संगा, बेकर स्ट्रीट बेस्ट हैं। पॉन्डिचेरी जाएं तो प्रोमेनेड बीच, पैरेडाइज बीच, ऑरोविल बीच, सेरेनिटी बीच बिलकुल भी मिस नहीं करें।

वेनिस- इटली का वेनिस भी दुनिया की बेहद रोमांटिक जगह में शामिल है। यहां के खूबसूरत कैनाल इस जगह के चार्म और मूड में चार चांद लगा देते हैं। ग्रिटी पैलेस, कार्निवल पैलेस और मोरेस्को जैसे होटल, वेनिस में रहने के लिए सबसे अच्छे माने जाते हैं। कैनाल में एक शानदार बोट-राइड न्यूली-वेड्स के लिए यादगार साबित होगी। ये गोंडोला राइड्स के नाम से मशहूर हैं। कैनाल के अलावा पियाजा सैन मार्को भी जरूर देखें। यहां के ला जुका, रिवेरिआ और अल मेरका जैसे रेस्ट्रॉन्ट्स भी बेहद पसंद आएंगे। कुलमिलाकर प्यार को सेलेब्रेट करने के लिए वेनिस से अच्छी जगह नहीं होगी।

बोरा बोरा- बोरा बोरा को परफेक्ट लवर्स पैरेडाइज भी कहा जा सकता है। ये न्यूलीवेड्स के लिए आदर्श हनीमून डेस्टिनेशन है। यहां का माहौल किसी सपने जैसा महसूस होता है। ऐसा लगता है मानो आप दूसरी ही दुनिया में आ गए हों। एक कोजी स्टे के लिए आप होटल ले मेरीडियन, होटल मैटेयी और ब्लू हेवन आइलैंड ट्राय करें। रेस्ट्रॉन्ट्स में ला विला महाना, द लकी हाउज और ते पहु में शानदार मील्स लिए जा सकते हैं। यहां का सनसेट आप अपने पार्टनर के साथ खूब एन्जॉय करेंगे।

पैरिस- खुद को एक परफेक्ट रोमांटिक फैंटेसी में देखना चाहते हैं तो पैरिस से अच्छा कुछ नहीं। यहां के होटल रेसिडेंस फो, एक्रोपोल और शांग्रीला में रोमांटिक और बेहद आरामदायक स्टे किया जा सकता है। इस सिटी में अपने पार्टनर का हाथ पकड़कर पैदल घूमने का अलग ही मजा है। नोट्रे डेम या आइकॉनिक एफिल टॉवर में पिक्चर्स क्लिक करवाएं। पैरिस का माहौल आपकी मैरिड लाइफ में काफी रस घोल सकता है।

कॉट्सवोल्ड्स- इंग्लैंड का कॉट्सवोल्ड्स हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां आपको बहुत प्रिवेसी मिलेगी और साथ ही फिशिंग, स्विमिंग और बोटिंग एन्जॉय करने का वक्त भी मिलेगा। कॉट्सवोल्ड्स में ओल्ड स्टॉक इन, मेटाइम इन और बार्न्सले हाऊस में स्टे करें और यहां के अद्भुत व्यू का आनंद उठाएं। वारविक कासल, एवॉन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसे लैंडमार्क्स बिलकुल मिस नहीं करें। सबसे अच्छा खाना खाने के लिए ल्युमिएर, ग्रेप एस्केप और डिनर एट सिक्स जाएं। इस जगह की हरियाली आपके अंदर के नेचर लवर को बाहर निकाल कर ले आएगी। यहां के पार्क में एक रोमांटिक पिकनिक करें। ये आपकी यादों में हमेशा बनी रहेगी।

महाराष्ट्र लगातार तीसरे साल सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहा

मुंबई। महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार के आंकड़े नागरिकों की चिंता बढ़ा रहे हैं. दरअसल राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट से पता चला है कि देश में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार महाराष्ट्र में है। 2022 में महाराष्ट्र लगातार तीसरे साल सबसे भ्रष्ट राज्यों की सूची में शीर्ष पर रहा। राज्य में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कई उपाय और कानून लागू किये गये हैं। भ्रष्टाचार निरोधक कानून इसी उद्देश्य से बनाया गया है। 2021 में 773 और 2020 में 664 भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं. भ्रष्टाचार के मामले महाराष्ट्र भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज किए जाते हैं। भ्रष्टाचार के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में सामने आए। ब्यूरो ने इस संबंध में शिकायत दर्ज करने के लिए एक ऐप और एक हेल्पलाइन नंबर (1064) भी जारी किया है। इसके अलावा लोग भ्रष्टाचार की शिकायत ऑनलाइन और ऑफलाइन भी कर सकते हैं। इस संबंध में एनसीआरबी ने एक डेटा जारी किया है. 2022 में दो व्यक्तियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया जबकि छह व्यक्तियों को कारावास और अन्य दंड की सजा सुनाई गई। इस संबंध में मुख्य सचिव को विभागाध्यक्षों के साथ इन सभी मामलों की समीक्षा करना आवश्यक है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष जजों को हर महीने कम से कम 5 मामले निपटाने होंगे. लेकिन इसका पालन नहीं किया जाता. सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और एसीबी प्रमुख प्रवीण दीक्षित ने कहा कि अदालत में लंबित शिकायतों पर ध्यान नहीं दिए जाने से अन्य शिकायतकर्ता निराश हैं. भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है. यह देखना दिलचस्प है कि आने वाले समय में इसमें कोई सकारात्मक बदलाव होता है या नहीं.

महाराष्ट्र में आवारा कुत्तों का आतंक, चार साल में 2.5 लाख लोगों को कुत्तों ने काटा, 100 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में चार साल दस माह की अवधि में आवारा कुत्तों के हमले और काटने से 25 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जनवरी 2019 से 30 अक्टूबर 2023 के बीच राज्य में 25 लाख लोगों को कुत्तों ने काटा है. हालाँकि आवारा कुत्तों की नसबंदी करने और उनके प्रजनन को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन यह जानकारी बताती है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आवारा कुत्तों का उपद्रव बढ़ रहा है। 2019 में राज्य में 6 लाख 29 हजार 858 लोगों को कुत्तों ने काटा. इस साल आठ लोगों की जान चली गयी. 2020, 2021 में ये संख्या घटती दिख रही है. लेकिन 2022 में कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 29 हो गई. 2023 में कुत्तों के काटने के मामलों में फिर तेजी से बढ़ोतरी हुई है और यह संख्या पांच लाख 96 हजार 472 दर्ज की गई है.

पुरुष मृत्यु दर अधिक– कुत्तों के काटने से महिलाओं की तुलना में पुरुषों की मौतें अधिक होती हैं। इस साल के पहले दस महीनों में राज्य में कुत्तों के काटने से 19 लोगों की मौत हो चुकी है. इसमें 15 पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं। इसमें महिलाओं की उम्र 72 से 82 साल के बीच है. कुत्तों के काटने से चार से अठारह साल की सात लड़कियों की मौत हो चुकी है। 2022 में कुत्तों के काटने से 29 मौतें हुईं, जिनमें से 20 पुरुष और 9 महिलाएं थीं। 2021 में यह संख्या 19, 2020 में 23 और 2019 में दस लोगों की जान जा चुकी है. 2019, 2020 और 2021 में क्रमश: 14, 19 और आठ पुरुषों ने कुत्तों के काटने से अपनी जान गंवाई है। इसकी तुलना में महिलाओं की संख्या कम है.

सक्षम प्रणाली का अभाव – स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, मुंबई-पुणे जैसे शहरों को छोड़कर बाकी जगहों पर आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए अभी भी कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है. कुत्तों को पकड़ने से लेकर उनके नसबंदी तक की प्रक्रिया में जनशक्ति की उपलब्धता आवश्यक है। आवारा कुत्तों की समस्या केवल मुंबई तक ही सीमित नहीं है, राज्य भर में लोगों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट बंद

नई दिल्ली । संगठित अवैध निवेश और कार्य-आधारित अंशकालिक नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट को केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद बंद किया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक इकाई 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (14सी) ने अपनी 'राष्ट्रीय साइबर अपराध जोखिम विश्लेषण इकाई' (एनसीटीएयू) के जरिए पिछले साल संगठित निवेश और कार्य आधारित अंशकालिक नौकरी (टास्क बेस्ड पार्ट टाइम जॉब) के नाम पर धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट की पहचान की थी और उन्हें बंद किए जाने की सिफारिश की थी। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 के तहत अपने अधिकार का इस्तेमाल कर इन वेबसाइट्स को बंद कर दिया है। ऐसी जानकारी मिली है कि आर्थिक अपराध से संबंधित कार्य आधारित संगठित अवैध निवेश से जुड़ी इन वेबसाइट का संचालन विदेश में बैठे लोग कर रहे थे और ये डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर और फर्जी खातों का इस्तेमाल कर रहे थे। बयान में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर आर्थिक धोखाधड़ी से मिली रकम का कार्ड नेटवर्क, क्रिप्टो करेंसी, विदेशी एटीएम निकासी और अंतरराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों के जरिए भारत से बाहर धन शोधन किया जा रहा था।

पन्नू ने फिर दी गीधड़ धमकी कहा- 13 दिसंबर को उड़ा देंगे संसद

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलता है। कभी एयरपोर्ट उड़ाने की धमकी देता है तो कभी किसी बहाने धमकाने की कोशिश करता है। एक बार फिर उसने गीधड़ धमकी दी है। वीडियो जारी करते हुए पन्नू ने कहा है कि उसे मारने की कथित साजिश विफल होने के बाद 13 दिसंबर या उससे पहले भारत के संसद पर वह हमला करेगा। आपको बता दें कि 13 दिसंबर के ही दिन 2001 में संसद पर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला किया था। वीडियो में 2001 के संसद हमले के दोषी अफजल गुरु का पोस्टर और दिल्ली बनेगा खालिस्तान शीर्षक दिया गया है। पन्नू ने कहा कि भारतीय एजेंसियों द्वारा उसे मारने की साजिश विफल हो गई है।

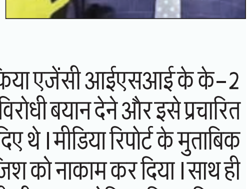

वह 13 दिसंबर या उससे पहले संसद पर हमला करके इसका जवाब देगा। आपको बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र के बीच यह वीडियो सामने आया है। सोमवार से शुरू हुआ यह सत्र 22 दिसंबर तक चलेगा। पन्नू का धमकी भरा वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के के-2 (कश्मीर-खालिस्तान) डेस्क ने पन्नू को भारत विरोधी बयान देने और इसे प्रचारित करने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने पन्नू को मारने की साजिश को नाकाम कर दिया। साथ ही उन्होंने भारत सरकार को चेतावनी भी जारी की थी। पन्नू अमेरिका स्थित सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) का प्रमुख है। यह संगठन भारत में प्रतिबंधित है। अमेरिकी जांच एजेंसियों ने आदालत में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का भी आरोप लगाया। चेक गणराज्य के अधिकारियों ने निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। भारत ने अमेरिका द्वारा भारतीय अधिकारी को पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोपी व्यक्ति से जोड़ने को चिंता का विषय बताया था। भारत ने कहा था कि आरोपों की जांच करने वाले पैनल के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

13 करोड़ का सोना, डेढ़ करोड़ रुपये कैश लेकर भागा सराफा कारीगर

कानपुर। यूपी के कानपुर महानगर के बजरिया थानाक्षेत्र में बेकनगंज सराफा मार्केट से सराफा कारीगर संपत राव लवेटे 15 से 20 किलो सोना और 1.5 करोड़ कैश लेकर फरार हुआ है। उसके घर और दुकान पर ताला बंद है। बेकनगंज सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारी और कारोबारियों ने संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय (जेसीपी) नीलाब्जा चौधरी से मिलकर मामले से अवगत कराया। इस मामले की जांच के लिए जेसीपी ने डीसीपी सेंट्रल के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। सराफा कारोबारी मो अय्युब ने तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। 20 किलो सोना की कीमत आज के रेट के अनुसार करीब करीब 13 करोड़ रुपये है।

लोस चुनाव 2024 : 17 दिसंबर को 'इंडिया गठबंधन की बैठक में तैयार की जाएगी रणनीति: लालू

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए विपक्षी 'इंडिया गठबंधन के नेता 17 दिसंबर को बैठक करेंगे। वे छह दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित बैठक के 'रद्द होने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब का जबाव दे रहे थे। कांग्रेस के सहयोगी और नेहरू-गांधी परिवार के करीबी माने जाने वाले लालू प्रसाद ने बक्सर जिले में मीडिया को बताया कि बैठक अब 17 दिसंबर के लिए पुनर्निर्धारित की गई है।

अटकलें लगाई जा रही थीं कि लालू प्रसाद के सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को बैठक में शामिल होने के लिए अनिच्छुक थे। हाल ही में एक जनसभा में नीतीश कुमार ने हाल में संपन्न राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में 'इंडिया गठबंधन की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला था। इन राज्यों के चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद, कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के कई नेताओं ने कहा था कि कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों को साथ नहीं लेकर अपने दम पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ने की कोशिश करके गलती की है।

इसके अलावा, 'इंडिया गठबंधन की एक अन्य प्रमुख नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने व्यस्तता के चलते छह दिसंबर को दिल्ली आने में असमर्थता जताई। इस बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर घोषणा करते हुए कहा कि ''छह दिसंबर, 2023 को शाम छह बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर 'इंडिया गठबंधन के संसदीय दल के नेताओं की एक समन्वय बैठक होगी।'इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के शीर्ष नेताओं की बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में सभी के लिए सुविधाजनक तारीख पर की जाएगी। जब लालू प्रसाद से कांग्रेस की मौजूदा चुनावी पराजय के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि पार्टी कमजोर हो गई है लेकिन मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में इसके नेतृत्व पर काम करने की आवश्यकता है।

भगवान रामलला की बालरुप मूर्ति एक माह में हो जाएगी तैयार : राय

अयोध्या । उत्तरप्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का कार्य अपने आखिरी दौर पर है। 22 जनवरी 2024 को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त भी आ चुका है। इस पर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम के 5 वर्षीय बाल रूप की पत्थर की खड़ी प्रतिमा 4 फीट 3 इंज का निर्माण अयोध्या के 3 तीन स्थानों पर हो रहा है। तीन कारीगर इस मूर्ति को तीन अलग-अलग पत्थरों में बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये प्रतिमायां करीब 90 प्रतिशत तैयार हैं, एक सप्ताह का फिनिशिंग का काम बाकी है। मूर्ति को भूतल पर गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। मंदिर का ग्राउंड फ्लोर लगभग तैयार हो चुका है इसलिए प्राणप्रतिष्ठा में कोई समस्या नहीं होगी...प्राणप्रतिष्ठा समारोह में कम से कम 4000 संतों को आमंत्रित किया जा रहा है। सूची तैयार है...और कोशिश की जा रही है कि 50 देशों से एक-एक प्रतिनिधि भी जरूर आएं। राय ने कहा कि रामलला की पूजा के लिए चयनित आचार्यों का प्रशिक्षण शुरू हो गया। यह प्रशिक्षण रंगवाटिका में शुरू हुआ है। मंगलवार को प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 24 वेदपाठी आचार्य बुधवार को यहां पहुंचे। ये सभी रंगवाटिका में ही निवास करने वाले हैं। इन आचार्यों को प्रशिक्षण अयोध्या के आचार्यों के साथ विशेषज्ञ देने वाले हैं। इन्हें रामलला के पूजापाठ, रागभोग सहित सभी आयामों में प्रवीण बनाया जाएगा। यह जानकारी तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े गोपालजी ने दी। उन्होंने बताया कि सभी प्रशिक्षु पहुंच गए हैं। बता दें कि श्रीराम की भव्य मूर्ति बनाने के लिए देश के अलग- अलग कोनों से शिलाएं लाई गई हैं। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का कार्य अपने आखिरी चरण में है।

चक्रवाती तूफान ने मचाया कोहराम, चेन्नई में बिजली गुल, इंटरनेट भी ठप

चेन्नई (एजेंसी)। इस समय चेन्नई में रहने वाले हजारों लोगों को चक्रवाती तूफान मिगजॉम के कहर का सामना करना पड़ रहा है। शहर के बाढ़ वाले इलाके में जहां बिजली गुल है, वहीं इंटनेट ने भी काम करना बंद कर दिया है। लोग एक दूसरे से संपर्क भी नहीं कर पा रहे हैं। बता देंकि मंगलवार शाम को चक्रवाती तूफान मिगजॉम ने चेन्नई से 375 किलोमीटर दूर आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में दस्तक दी। मंगलवार को पूरे शहर में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल जैसी प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की सेवाएं प्रभावित दिखीं क्योंकि दूरसंचार टावर वाले स्थलों पर डीजल पहुंचाने में कठिनाई हो रही है और बैटरी की समस्या भी दिख रही है। उद्योग से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि सेवाएं बहाल करने का काम तेजी से चल रहा है। राज्य सरकार ने एहतियात बरतते हुए विशेषतौर पर निचले इलाकों में बिजली बंद कर दी थी। अधिकांश क्षेत्रों में डीजल जेनरेटर सेट, बैकअप के रूप में चल रहे थे लेकिन अब वे भी नहीं चल रहे हैं। इसके अलावा चेन्नई में अधिकांश साइटों को टावर कंपनियों के परिचालकों ने ले लिया है। वोडाफोन आइडिया ने कहा कि इस तरह के संकट वाले दौर में भी इंटरनेट की बहाली व संपर्क को सुचारु रूप से जारी रखने की कोशिश में जुटे हैं।

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने कहा कि मिगजॉम चक्रवात के आने से बिजली गुल होने और नेटवर्क साइटों तक सीमित पहुंच के चलते आंशिक रूप से हमारी सेवाएं प्रभावित हुई हैं। अत्यधिक बाढ़ के चलते बनी चुनौतियों के बावजूद, हमारी जमीनी टीमें स्थानीय अधिकारियों के साथ दिन-रात काम कर रही हैं। वॉयस और डेटा सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि जल्द ही स्थिति सामान्य हो जानी चाहिए। निजी क्षेत्र के तीन दूरसंचार परिचालकों के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि बुधवार शाम तक जब चक्रवात उत्तर की ओर बढ़ेगा और बाढ़ का पानी कम होगा तब वे टावर साइट को फिर से शुरु कर देंगे। मंगलवार को शहर में बचाव कार्य काफी जोर-शोर से किया जा रहा था। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा कि हमने पिछली बारिश के आधार पर कार्ययोजना बनाई थी। अप्रत्याशित बारिश के बावजूद इस बार पहले की तुलना में कम नुकसान हुआ है।

नोटबंदी के बावजूद बढ़ा नकली मुद्रा का प्रचलन : एनसीआरबी

– पड़ौसी देशों पर लगाया अर्थव्यवस्था अस्थिर करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कालेधन और नकली मुद्रा पर ?नियंत्रण के ?लिए सात साल पूर्व हुई ? नोटबंदी के बावजूद नकली मुद्रा का ?सिल?सिला थमता नजर नहीं आ रहा है ।हाल में एनसीआरबी की जारी रिपोर्ट के अनुसार, नोटबंदी के बाद पहले साल में नकली नोटों के प्रचलन में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन बाद के वर्षों में इसमें फिर तेजी देखी गई। देश में पिछले साल 42,10,406 नकली भारतीय मुद्रा नोट जब्त किए गए, जिनकी कुल कीमत 382 करोड़ रुपये थी।पिछले साल अकेले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 16 करोड़ रुपये के नकली नोट जब्त किये गये। राष्ट्रीय राजधानी में जब्त नकली नोटों में 2000 रुपये के 73,253 नोट; 1000 रुपये का एक नोट; 500 रुपये के 24,476 नोट; 200 रुपये के 3,160 नोट; 100 रुपये के 12,980 नोट; 50 रुपये के 5,706 नोट; 20 रुपये के 26 नोट; और 10 रुपये के 31 नोट शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हाल ही में सरगना सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर एक अंतर-राज्यीय नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ किया था और 500 रुपये के 19 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य के नकली नोट बरामद किये थे।

उल्लेखनीय है कि जाली मुद्रा भारतीय दंड संहिता के तहत एक दंडनीय अपराध है, और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967, नकली भारतीय मुद्रा के उत्पादन, तस्करी या संचलन को आतंकवादी कृत्य के रूप में नामित करता है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी नकली नोटों की इस आमद का एक बड़ा स्रोत पश्चिमी पड़ोसी देश पाकिस्तान को बताते हैं। उनका तर्क है कि पाकिस्तान नकली मुद्रा लाकर भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के अपने दुर्भावनापूर्ण प्रयासों में लगा हुआ है। अधिकारियों ने कहा, पश्चिमी सीमा पर कड़े सुरक्षा उपायों के बावजूद, पाकिस्तान ने नकली धन की घुसपैठ के लिए वैकल्पिक मार्गों को अपनाया है और अब भारत के साथ सीमा साझा करने वाले दूसरे पड़ोसी देशों का इस्तेमाल कर रहा है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, नोटबंदी के बाद काठमांडू (नेपाल), बांग्लादेश और भारत में बड़ी मात्रा में जाली नोटों की बरामदगी की जांच से पता चला है कि पहले नकली नोटों की बड़ी खेप हवाई मार्ग से खाड़ी देशों के रास्ते पाकिस्तान से नेपाल और बांग्लादेश पहुंचाई जाती है। इसके बाद नेपाल और बांग्लादेश की खुली अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के माध्यम से भारत में नकली धन की तस्करी की जाती है।

इधर गठबंधन बिखरने की खबरें आ रहीं हैं उधर राहुल विदेश जा रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिली है। इस हार के बाद इंडिया गठबंधन में दरार आने की खबरें चलना शुरु हो गईं। रही सही कसर टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कर दी। इन नेताओं से साफ कर दिया कि बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। इससे सियासी हवा और अधिक गरमा गई। माना जाने लगा कि इस गठबंधन में घमासान और बढ़ेगा। कई नेताओं ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देना भी शुरु कर दिया। इसी बीच खबर आई है कि राहुल गांधी अपनी छह दिवसीय विदेश यात्रा के दौरान इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलयेशिया और वियतनाम जाएंगे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों का कहना है कि राहुल की विदेश यात्रा सुनियोजित थी। ऐसे में उनके दौरे पर सवाल नहीं उठना चाहिए। हालांकि विपक्षी गठबंधन इंडिया से जुड़े सहयोगियों का मानना है कि ऐसे में जब पार्टी के साथ गठबंधन संकट में है, तब उन्हें परिपक्वता का परिचय देते हुए यह यात्रा टाल देनी चाहिए थी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 9 दिसंबर से 14 दिसंबर तक इंडोनेशिया सहित चार देशों की यात्रा पर जाएंगे। उनकी विदेश यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। यही नहीं, इसी हफ्ते विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आए हैं, जिनमें पार्टी को हिंदी पट्टी के तीन अहम राज्यों- मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके अलावा विपक्षी गठबंधन इंडिया में जारी अनबन के कारण पार्टी को बुधवार को होने वाली बैठक टालनी पड़ी है। इस अहम मौके पर राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल उठ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने इंडिया गठबंधन से कहा, देश को उत्तर और दक्षिण में नहीं बांटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्षी दलों से देश को उत्तर और दक्षिण भारत के आधार पर नहीं बांटने को कहा। उन्होंने पूछा कि क्या विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के घटक दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद की हिंदी भाषी राज्यों के खिलाफ टिप्पणी का समर्थन करते हैं? केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड का विचार लेकर आए हैं, ताकि पूरे देश को सब्सिडी वाला खाद्यान्न प्राप्त करने की एकल पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से एकजुट किया जा सके।

उन्होंने विपक्ष पर हमले करते हुए कहा, ''हम यह नहीं पता करते कि कौन कहां से कहां 'माइग्रेट करता है। अब किसी को राशन कार्ड को जेब में लेकर घूमने की आवश्यकता नहीं, बल्कि अब अंगूठा ही राशन कार्ड है। व्यक्ति देश में कहीं भी जाएगा वहां उस जगह राशन मिलेगा। कुछ विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों के बीच उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री हमेशा लोगों को एकजुट करने के लिए काम करते हैं। लेकिन विपक्ष देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहा है। उनमें से कुछ ने उत्तर और दक्षिण भारत के बारे में भी बात की। कृपया देश को विभाजित करना बंद करें।

आपत्तियों पर सख्त रुख दिखाकर मंत्री ने पलटवार करते हुए पूछा, क्या आप कल इस सदन में दिए गए एक सदस्य के बयान का समर्थन करते हैं? क्या 'इंडिया गठबंधन के सदस्य उस सांसद के बयान का समर्थन करते हैं? हालांकि, गोयल ने विवादास्पद टिप्पणी करने वाले द्रमुक सदस्य डी एन वी सेंथिल कुमार का नाम नहीं लिया। गोयल ने कहा कि देश में 81.35 करोड़ लोगों को अब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा, ''यह योजना कम आय वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 100 प्रतिशत वित्त पोषण के तहत पूरे भारत में लागू की गई है।

जब लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने केंद्रीय मंत्री गोयल की टिप्पणी पर आपत्ति जाहिर की तब मंत्री ने पूछा कि क्या उन्हें दर्द हो रहा है, क्योंकि देश के गरीबों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक के लोगों को 10 किलो मुफ्त खाद्यान्न देने का अपना वादा भी पूरा नहीं कर सकी और इसका केवल आधा हिस्सा (पांच किलो) दे रही है। गोयल ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतें दर्ज करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की प्रणाली को मजबूत और सरल बनाया गया है।

पीएम मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार कर काम शुरू किया

झज्जर (एजेंसी)। हर भारतीय का सपना है, कि अपना भारत विकसित बने। पीएम मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार कर कार्य शुरू कर दिया है। तेजी से व्यवस्था परिवर्तन का काम हो रहा है। पहले की सरकारों में एक परिवार व व्यक्ति महत्वपूर्ण होता था। भाजपा ने परिवार व व्यक्ति महत्वपूर्ण वाली व्यवस्था बदल दी है और अब सिस्टम व संस्थान महत्वपूर्ण हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह मोदी जी की व्यवस्था परिवर्तन का परिणाम है, कि सरकारी अधिकारी गांव जाकर पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दे रहे हैं। पहले लोग सरकारी कार्यालयों के चक्कर काट-काटकर थक जाते थे। राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि भारत सकल घरेलू उत्पाद में दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में अपना देश जल्द ही जापान व जर्मनी जैसे विकसित देशों को पीछे छोड़कर सकल घरेलू उत्पाद में तीसरे पर पायदान पर होगा। भारत दवाई निर्माण व निर्यात में दुनिया का अग्रणी देश बना हुआ है, अमेरिका जैसे देश भारत की दवाइयों पर निर्भर है।उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति है कि देश की प्रगति का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पंहुचे। इसके लिए लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के लिए डीबीटी योजना यानि सीधे खातों में रूपए भेजना, उज्जवला योजना के तहत हर पात्र के घर रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाने, आयुष्मान चिरायु योजना के तहत प्रति व्यक्ति पांच लाख रूपये तक निशुल्क ईलाज की सुविधा, हर घर नल से जल सहित ढांचागत विकास और मूलभूत सुविधाओं में निरंतर सुधार हुआ है।

ज्यादा से ज्यादा युवाओं को माई भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना चाहिए। इस पोर्टल के माध्यम से मेरा भारत संगठन युवाओं को ऐसा अवसर देगा, जिसमें वह अपनी कौशल क्षमताओं को निखारने और उसका उपयोग करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी जी पहल पर सरकार योजनाओं का लाभ लेकर आपके दरवाजे पर आ रही है। यह कार्यक्रम देशभर में शुरू किया गया है। मोदी-मनोहर सरकार की योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिया जा रहा है। धनखड़ ने कार्यक्रम में 11 पात्र महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस के कनेक्शन सौंपे, नमो ड्रोन दीदी की प्रक्रिया का अवलोकन किया, विभिन्न लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। काफी संख्या में ग्रामीणों ने हेल्थ चेकअप कराया।

कार दुर्घटना में मृत भारतीय की पत्नी ने लगाई मदद की गुहार

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण पश्चिम मेलबर्न में हुई एक कार दुर्घटना में 26 वर्षीय एक भारतीय की मौत हो गई। एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार रात करीब 11.15 बजे पामर्स रोड पर जा रहे खुशदीप सिंह की गाड़ी मेडियन स्ट्रिप को पार कर पलट गई। ?जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के सटीक कारण के ?लिए डैशकैम फुटेज की जांच चल रही है। दुर्घटना की जानकारी सिंह की पत्नी जपनीत कौर को दी गई, जो पिछले साल एक अंतर्राष्ट्रीय छात्रा के रूप में ऑस्ट्रेलिया आई थी। कौर अपने पति के शव को घर वापस भेजने के लिए सोशल मीडिया के जरिए वित्तीय सहायता मांग रही है, जहां उसके माता–पिता अपने बेटे को आखिरी बार देखने का इंतजार कर रहे हैं। कौर ने गो फंड मी पेज पर पोस्ट किया, अभी मेरे पास पर्याप्त धनराशि उपलब्ध नहीं है, इसलिए कृपया इस कठिन समय में मेरी मदद करें।

बस दुर्घटना में 25 की मौत

मनीला। मध्य फिलीपींस के एंटिक प्रांत में मंगलवार शाम एक यात्री बस के पहाड़ी से गिर जाने के कारण कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इलोइलो शहर से एंटिक प्रांत में सैन जोस डी ब्यूनाविस्टा जा रही 53 यात्रियों से भरी यात्री बस सड़क किनारे बने कंक्रीट के बैरियर से टकराकर एक खड्ड में गिर गई। मृतकों में बस चालक, परिचालक सहित अन्य यात्री शामिल हैं। घायलों में केन्या के एक पुरुष सहित दो गंभीर यात्रियों को इलाज के लिए इलोइलो शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया। आपातकालीन कर्मचारी खड्ड से लोगों के शव निकालने और शेष लोगों के रेस्क्यू में लगे हैं।

भारतीयों के लिए नई मुसीबत,आसान नहीं होगा परिवार को ब्रिटेन ले जाना

लंदन। ब्रिटेन ने अपनी रणनीति के तहत अप्रवासियों की संख्या कम करने की योजना तैयारी की है। योजना के तहत वीजा के नियम इतने सख्त किए गए है कि भारतीय परिवारों को ब्रिटेन ले जाना आसान नहीं होगा। विदेशी श्रमिकों के लिए स्किल के आधार पर वीजा पाने के लिए उच्च वेतन सीमा निर्धारित करना और परिवार के सदस्यों को अपने आश्रित के रूप में ब्रिटेन लाने पर रोक लगाना शामिल है। यह फैसला भारतीयों पर सीधे तौर पर असर डालने वाला है। क्योंकि हर साल हजारों भारतीय यूके जाते हैं। ब्रिटेन के ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने ब्रिटिश संसद के निम्न सदन में इससे जुड़ा बयान दिया। ब्रिटिश वीजा लेने के मामले में भारतीयों का दबदबा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूके के गृह विभाग के डेटा से पता चलता है कि भारतीय वीजा लेना में स्किल्ड वर्कर के साथ–साथ मेडिकल प्रोफेशनल और छात्रों की लिस्ट में भी टॉप पर हैं। कुशल श्रमिक वीजा में पिछले वर्ष सिर्फ 9 फीसदी की मामूली वृद्धि देखी गई। लेकिन स्वास्थ्य और देखभाल के वीजा में 135 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय आवेदकों की संख्या 76 फीसदी बढ़ी है। बयान के मुताबिक स्वास्थ्य और देखभाल वीजा पर डॉक्टर अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य को अपने साथ नहीं ला सकेंगे। इस फैसले का असर भारतीयों पर भी पड़ेगा। कुशल श्रमिक वीजा के माध्यम से ब्रिटेन आने के लिए आवेदन करने वालों के लिए वेतन सीमा वर्तमान 26,200 ब्रिटिश पौंड से बढ़ाकर 38,700 ब्रिटिश पौंड कर दी जाएगी। पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत आवेदन करने वालों पर भी समान वेतन राशि लागू होगी, जो वर्तमान में 18,600 ब्रिटिश पौंड है। क्लेवरली ने संसद को बताया, 'आव्रजन नीति निष्पक्ष, सुसंगत, कानूनी और टिकाऊ होनी चाहिए।'

आर्थिक तंगी के चलते पाकिस्तान में चुनाव कराना हो रहा मुश्किल

इस्लामाबाद । आर्थिक संकटों से जूझ रहे पाकिस्तान के पास आम चुनाव के लिए पैसे नहीं है। चुनाव आयोग को 47 अरब रुपयों की जरुरत है, लेकिन पाक सरकार ने अभी तक जैसे–तैसे 27 अरब रुपयों की जुगाड़ कर ली है। बाकी पैसे कब, कहां से आएंगे यह कहा नहीं जा सकता है। जानकारी के अनुसार अगले साल होने वाले आम चुनाव के खर्च को लेकर पाकिस्तान जुगाड़ में लगा हुआ है। अरबों–खरबों रुपये के कर्ज में दबे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। पाकिस्तान इन दिनों वर्ल्ड बैंक से लेकर अन्य बड़े देशों से कर्ज लेने की कोशिश में जुटा हुआ है। इस बार होने वाले आम चुनाव में करीब 47 अरब रुपये की जरूरत है, लेकिन अभी तक केवल 27 अरब रुपये की ही व्यवस्था हो पाई है। पाकिस्तान सरकार ने कहा कि उसने आगामी आम चुनावों के लिए निर्वाचन आयोग को 17.4 अरब रुपये जारी किए हैं। हालांकि एक दिन पहले निर्वाचन आयोग ने धन मुहैया नहीं कराने पर चिंता जताई थी। गौरतलब है कि राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरह की अस्थिरता का सामना कर रहे पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव होना है। मंगलवार को एक बयान में, वित्त विभाग ने कहा कि उसने देश में आम चुनाव कराने के लिए जुलाई 2023 में जारी किए गए 10 अरब रुपये के अलावा पाकिस्तान निर्वाचन आयोग को 17.4 अरब रुपये जारी किए हैं। इससे आम चुनाव कराने के लिए कुल जारी राशि 27.4 अरब रुपये हो गई है। वित्त विभाग पाकिस्तान निर्वाचन आयोग द्वारा आवश्यकता पड़ने पर और धन का प्रावधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है, जब निर्वाचन आयोग ने चुनाव कराने के लिए तत्काल आवश्यक राशि जारी करने में देरी पर चिंता जताई थी। निर्वाचन आयोग की चिंताओं का समाधान करते हुए कार्यवाहक सूचना मंत्री मुर्तजा सोलांगी ने कहा था कि सरकार 8 फरवरी के आम चुनाव से पहले ईसीपी की वित्तीय जरूरतों को पूरा करेगी। बता दें कि पिछले हफ्ते, निर्वाचन आयोग ने आगामी आम चुनावों में देरी के बारे में मीडिया की खबरों को 'निराधार और भ्रामक' करार देते हुए खारिज कर दिया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, चुनाव में देश को 47 अरब रुपये खर्च होंगे। चुनाव कराने के लिए तत्काल आवश्यक धन की देरी पर चिंता के बाद, पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने पोल वॉचडॉग को एक या दो दिन में 17 अरब रुपये जारी करने का आश्वासन दिया है। वित्त सचिव इम्दादुल्ला बोसाल को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए ईसीपी में बुलाए जाने के बाद मंगलवार को पैसा वितरित किया गया। कहा जा रहा है कि मौजूदा वित्तीय संकट के बीच वित्त मंत्रालय के पास धन की कमी है।

शादी के अगले दिन पैडलबोर्डिंग के दौरान महिला को शार्क ने किया घायल, मौत

बोस्टन । एक महिला को शादी के अगले ही दिन पैडलबोर्डिंग करना महंगा पड़ गया। दरअसल उसे शार्क ने घायल कर दिया और उसकी मौत हो गई। शादी के अगले दिन घूमने के दौरान यह घटना अमेरिका की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बहामास में पैडलबोर्डिंग करते समय बोस्टन की एक नवविवाहिता को शार्क ने मार डाला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना रविवार, 3 दिसंबर को महिला की शादी के ठीक एक दिन बाद हुई। जब शार्क ने न्यू प्रोविडेंस द्वीप के पश्चिमी छोर से एक मील से भी कम दूरी पर हमला किया। अधिकारियों के मुताबिक पीड़िता अपने एक रिश्तेदार के साथ पानी में थी, जिसे कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि महिला पर शार्क ने किस तरह से हमला किया यह स्पष्ट नहीं है। यह घातक हमला केबल बीच पर सैंडल्स रिसॉर्ट के पास हुआ। इस संबंध में रॉयल बहामास पुलिस फोर्स ने एक बयान में कहा कि सुबह 11.15 बजे के तुरंत बाद, पुलिस को सूचित किया गया कि बोस्टन मैसाचुसेट्स अमेरिका से आई एक महिला पर्यटक पर शार्क ने हमला कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 'महिला एक पुरुष रिश्तेदार के साथ पश्चिमी प्रोविडेंस में एक रिसॉर्ट के पीछे, तटरेखा से लगभग 3 से 4 मील दूर पैडलबोर्डिंग कर रही थी, जब उस पर शार्क ने हमला किया। घटना के बाद महिला और उसके रिश्तेदार, जो शार्क के हमले के समय पैडलबोर्डिंग कर रहे थे, को एक नाव में एक लाइफगार्ड द्वारा बचाया गया। हालांकि महिला ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। उसके शरीर के दाहिने हिस्से में गहरी चोटें आई थीं।

जिंदा नास्त्रेदमस ने की डराने वाली भविष्यवाणी

ब्राजील। ब्राजील में रहने वाले एथोस सैलोमे अपनी भविष्यवाणियों को लेकर चर्चा में रहते हैं। उन्हे जीवित नास्त्रेदमस भी कहा जाता है। उसके किए कई दावे सच भी हुए हैं। इसमें पिछले साल महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मौत से लेकर एलन मस्क के ट्विटर को एक्स करना शामिल है। एथोस का कहना है कि दुनिया की कुछ प्रमुख घटनाएं ऐसी हैं, जिन्हें वो अपनी क्षमताओं से भी प्रभावित नहीं कर सकते। भविष्य देखने का दावा करने वाले एक शख्स ने लोगों को चेतावनी दी है। उसने बताया है कि 2024 में आखिर ऐसा क्या होगा, जिससे लोगों को खतरा है। इस शख्स का नाम एथोस सैलोमे है। सैलोमे ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सीसीटीवी की पावर को और बढ़ा रहा है। चीन और अमेरिका में बन रहीं फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी एक ऐसा युग लेकर आएंगी, जिसमें प्राइवेसी (गोपनीयता) नहीं होगी।

दुबई में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन COP28 के दौरान जलवायु कार्यकर्ताओं ने जीवाश्म ईंधन उत्सर्जकों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए कार्रवाई और हानि और क्षति कोष में अधिक योगदान की मांग की।

बाइडेन ने कहा– ट्रंप को हराने के लिए लड़ रहा हूं, नहीं तो सब खत्म हो जाएगा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन लोगों को चेता रहे है,कह रहे हैं कि ट्रंप को हराना बहुत जरुरी है,इसलिए मैं चुनाव लड़ रहा हूं। नहीं तो सब खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रम्प 2024 के चुनाव में उम्मीदार नहीं होते तो वो भी शायद चुनाव नहीं लड़ते लेकिन, अब यह जरूरी हो गया है और वे एक बार फिर राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल होंगे। ट्रंप की उम्मीदवारी को देश के लिए खतरा बताते हुए बाइडेन ने कहा अमेरिकी लोकतंत्र 2024 में अधिक खतरे में है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति और उनके सहयोगी लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करने पर तुले हैं। इसी साल अप्रैल महीने में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह घोषणा करके सभी को चौंका दिया था कि वे 2024 के चुनाव में भी उतरेंगे। उनके साथ ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी 2024 के लिए वाइस प्रेजिडेंड के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान किया था। बाइडेन ने चुनावी अभियान में लोगों से अपील की हमे यह करना ही होगा,सिर्फ मेरे लिए नहीं। बल्कि उसे (ट्रंप) को जीतने से रोकने के लिए। बाइडेन ने कहा कि अगर ट्रंप चुनाव लड़ने के लिए नहीं उतरते तो वो भी इस बार चुनाव में हिस्सा नहीं लेते लेकिन, अब यह जरूरी हो गया है क्योंकि ट्रंप और उनके सहयोगी अमेरिकी लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करने पर तुले हैं। बाइडेन का ट्रंप पर यह आरोप तब सामने आया है जब हाल ही में उन पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान लोगों को भड़काने और नतीजों को पलटने की कोशिश के आरोप लगे थे। बाइडन ने एक बार फिर जोर देकर कहा कि ट्रंप का आना लोकतंत्र के लिए खतरा है। बाइडेन ने कहा कि ट्रम्प अमेरिकी इतिहास में परिणामों को स्वीकार नहीं करने वाले एकमात्र हारने वाले उम्मीदवार हैं।

हमास के खतरनाक इरादों का हुआ खुलासा, आईडीएफ चला रही सर्च ऑपरेशन

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच बीते दो माह से युद्ध चल रहा है। इसमें दोनों तरफ से सैकड़ो लोगों की मौत हुई है। हमास के आतंकियों के ठिकाने भी खत्म कर दिए गए है। इन ठिकानों की इजरायल सेना तलाशी ले रही है। जहां से ऐसी कई तरह की सामग्री मिली है जो उनके खतरनाक इरादों को उजागर करती हैं। हमास के ठिकानों से मिलने वाली डिजिटल डिवाइस और डॉक्यूमेंट्स से पता चला है कि वे आतंकी हमला का प्लान लंबे समय से बना रहे थे। मारे गए आतंकियों के पास से बरामद मोबाइल फोन, कंप्यूटर, डीपीएस डिवाइस, कैमरा और नोटबुक से पूरा प्लान सामने आ गया है। किबुज में किए गए हमले की साजिश सालों से चल रही थी। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक हमास के आतंकियों का प्लान हैरान करने वाला है। कम्प्यूटरों से डीटेल प्लान के बारे में पता चला है। एक लड़ाके के शव के पास से सैटलाइट तस्वीरें मिली हैं जिनमें उन जगहों के बारे में भी बताया गया था जहां हमला किया जाना था। आतंकियों को लोगों को मारने और बंधक बनाने की पूरी ट्रेनिंग दी गई थी। आतंकी के पास से नोट में यह भी लिखा था कि जो भी बंधक दिक्कत करे उसे तुरंत मार देना है। वहीं इजरायली सेना को पता चला है कि पूरी गाजा पट्टी में सुरंगों का जाल है। यहां पर अनगिनत बंधकों को रखा जा सकता है।

आईडीएफ के सदर्न कमांड के जनरल ने का कि गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू होने के बाद सबसे तेज हमला किया गया है। उन्होंने कहा, हम अब जबालिया, शेजाइया और खान युनिस के अंदर दाखिल हो चुके हैं। इजरायली सेना का कहना है कि पूरी गाजा पट्टी में हमास के आतंकियों ने ठिकाने बना रखे हैं। ऐसे में उत्तरी हिस्से के बाद सेना दक्षिणी हिस्से की तरफ कूच करेगी। इजरायली सेना का कहना है कि खान युनिस में हमास के आतंकियों के खिलाफ तगड़ी कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि खान युनिस गाजा सिटी का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। यूएन ने भी कहा है कि गाजा में अब कोई भी जगह सुरक्षित नहीं बची है। अभी गाजा के हालात और भी खराब होने वाले हैं। बच्चों की मौत हो रही है। खान युनिस में शव धूल से पटे पड़े हैं। रेड क्रॉस की प्रेसिडेंट मिरजाना स्पोलजैरिक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा भयावह यह लगा कि ज्यादातर बच्चे इन हमलों में घायल हो रहे हैं। वहीं उनके माता-पिता की मौत हो जाती है और उन बेचारे असहाय बच्चों की देखभाल करने वाला भी कोई नहीं रहता। यूएन के आंकड़ों के मुताबिक गाजा की एक तीन चौथाई आबादी विस्थापित हो चुकी है।

चीन ने तालिबान सरकार को दी मान्यता, पाकिस्तान को लगा झटका

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार को मान्यता दे दी है, जिससे पाकिस्तान को टेंशन हो रही है। चीनी विदेश मंत्रालय के स्पोक्समैन वांग वेनबिन ने एक मीडिया ब्रीफिंग में यह घोषणा की है कि वे अफगान सरकार को मान्यता देते हुए उसे अपने यहां राजनयिक रखने की मान्यता भी देते है। इससे पहले अभी तक किसी भी देश ने तालिबान सरकार को आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी थी। चीन के इस कदम से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार, यह एक बड़ा राजनीतिक बदलाव है और इससे पाकिस्तान को भी चुनौती हो सकती है। बता दें कि पाकिस्तान ने हाल ही में तालिबान सरकार के कामकाज से आपत्ति जताई और तालिबान के साथ बड़े परिसंबंधों की मजबूती का समर्थन किया था। चीन की यह क्रमबद्धता इसे एक ऐतिहासिक संबंध बना देती है, खासकर जब इस समय पाकिस्तान के साथ चीन के संबंध तेजी से बढ़ रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि चीन का मानना है कि अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। चीन उम्मीद करता है कि अफगानिस्तान एक खुली और समावेशी राजनीतिक संरचना बनाएगा और सभी प्रकार की आतंकवादी ताकतों का दृढ़ता से मुकाबला करेगा।

गौरतलब है कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में युद्ध के दौरान अमेरिकी सैनिकों ने वहां से वापसी कर ली थी जिसके बाद तालिबान ने हमला कर अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया था। बता दें कि जब तालिबान सरकार के खिलाफ आलोचना हो रही है तो चीन की इस हालत को विशेषज्ञों ने एक राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना है और इसे एक बड़े बदलाव की ओर कदम बढ़ाने के रूप में देखा है। उस समय महिलाओं और लड़कियों के साथ गलत व्यवहार पर तालिबानी प्रशासन की वैश्विक रूप से काफी आलोचना थी। अफगानिस्तान में महिलाओं को शैक्षणिक संस्थानों से भी हटा दिया गया था। लेकिन उस वक़्त भी बीजिंग ने तालिबान के अंतरिम प्रशासन के साथ संपर्क बनाए रखा था। हालांकि, उस समय उनकी आधिकारिक मान्यता को रोका गया था।

महिलाओं के आगे गिड़गिड़ाने को क्यों मजबूर है उत्तर कोरिया का तानाशाह

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग कब किसे मौत की सजा दे दे, कोई नहीं जानता। उसके आदेश पर ही हंसना और रोना पड़ता है। वो.. न किसी की सुनता है और न किसी को सुझाव देने की अनुमति देता है। बस, यूं ही चलता है उत्तर कोरिया। लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि तानाशाह किम जोंग अपने ही देश की महिलाओं के आगे गिड़गिड़ाने को मजबूर हो रहा है। बार बार देश के लिए उनसे रहम की भीख मांग रहा है। वो भी सार्वजनिक तौर पर कहता है कि महिलाएं ही उत्तर कोरिया को बचा सकतीं हैं। उत्तर कोरिया की जन्मदर में पिछले 10 वर्षों से लगातार गिरावट हुई है। देश के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। हालांकि उत्तर कोरिया की जनसंख्या के रुझान के बारे में जानकारी मिलना मुश्किल है। उत्तर कोरिया में 2023 तक एक महिला से जन्म लेने वाले बच्चों की औसत संख्या 1.8 थी। यह प्रजनन दर उत्तर कोरिया के कुछ पड़ोसी देशों की तुलना में अधिक जरूर है लेकिन सरकार इस आंकड़े को लेकर चिंतित है। उत्तर कोरिया के पड़ोसी देश पहले से ही ऐसी ही गिरावट से जूझ रहे हैं।उत्तर कोरिया की एक स्वास्थ्य संबंधी वेबसाइट के प्रमुख अहं क्यूंग-सु के मुताबिक, 'उत्तर कोरिया के कई परिवार एक से ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करना चाहते क्योंकि उन्हें लगता है कि बच्चों के भरण पोषण, स्कूल इत्यादि में बहुत ज्यादा पैसे खर्च होंगे।' उत्तर कोरियाई मीडिया के मुताबिक, देश में तीन या उससे अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकार मुफ्त अनाज, सब्सिडी, फ्री इलाज इत्यादि विशेष लाभ प्रदान कर रही है, फिर भी लोग अधिक बच्चा पैदा करने से बच रहे हैं। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने हाल ही में देशभर की महिलाओं को बुलाकर अपनी समस्या साझा की है। उन्होंने देश में जन्म दर बढ़ाने की अपील करते हुए सरकार के प्रयासों में महिलाओं का समर्थन भी मांगा। उन्होंने महिलाओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को इस गिरावट को रोकने का प्रयास करना चाहिए।

पन्नू की हत्या की साजिश संबंधी जांच को लेकर उत्सुक अमरीका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर अमेरिका ने कहा है कि वह एक सिख अलगाववादी नेता की षड़यंत्रपूर्वक हुई हत्या संबंधी भारत की जांच के नतीजे देखने को उत्सुक है। मंगलवार को अपनी न्यूज ब्रीफिंग में मिलर ने कहा, हमने इस सरकार के सबसे वरिष्ठ स्तर पर संदेश दिया है - विदेश मंत्री ने सीधे अपने विदेशी समकक्ष भारत के विदेश मंत्री के समक्ष इसे उठाया है कि हम इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कि वे एक जांच करेंगे। राजनयिक स्तर पर मामले के घटनाक्रम पर एक सवाल के जवाब में मिलर ने कहा कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से जांच की घोषणा की है और अब हम जांच के नतीजे देखने का इंतजार करेंगे। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन मामले पर टिप्पणी करना अनुचित होगा क्योंकि न्याय विभाग अदालत में मामला पेश कर रहा है।

मिलर ने मीडिया से कहा, हम उस (भारत की) जांच के नतीजे देखने के लिए उत्सुक हैं और मैं जांच

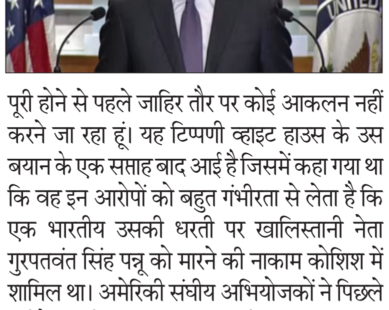

पूरी होने से पहले जाहिर तौर पर कोई आकलन नहीं करने जा रहा हूं। यह टिप्पणी व्हाइट हाउस के उस बयान के एक सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि वह इन आरोपों को बहुत गंभीरता से लेता है कि एक भारतीय उसकी धरती पर खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की नाकाम कोशिश में शामिल था। अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने पिछले महीने भारतीय खुफिया अधिकारी निखिल गुप्ता पर न्यूयॉर्क में पन्नू को कथित तौर पर मारने के लिए भारत से एक साजिश की योजना बनाने और निर्देशित करने का आरोप लगाया था।

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह चिंता का विषय है और भारत सरकार की नीति के विपरीत है। भारत ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं पर गौर करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया और कहा कि वह समिति के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेगी। खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले पर कनाडाई सरकार के साथ भारत के असहयोग के बारे में पूछे जाने पर मिलर ने कहा कि उन्होंने मंगलवार की ब्रीफिंग में नई दिल्ली से ओटावा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि कनाडा ने सितंबर में दावा किया था कि निज्जर की इस साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में भारतीय एजेंटों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। कनाडा के आरोपों का जवाब देते हुए भारत ने हाल ही में कहा, जहां तक कनाडा का सवाल है, उन्होंने लगातार भारत विरोधी चरमपंथियों और हिंसा को जगह दी है।

पाकिस्तान की जनता को नहीं मिल रही दो जून की रोटी, महंगाई ने तोड़ी जनता की कमर

गाजा (एजेंसी)। इस्लामाबाद(ईएमएस)। इन दिनों पाकिस्तान बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। यहां आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। खाने का सामान इतना महंगा है कि लोग खरीद नहीं पा रहे हैं। बीते कुछ समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता भी इस संकट को आर ज्यादा बढ़ा रही है। आम खाने-पीने की चीजों, आटा, दाल, चीनी से लेकर चावल तक की कीमतों में हाल के महीने में बेतहाशा बढोतरी देखी गई है। जिससे कम आय वाले परिवारों के लिए परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। एक तरफ कीमतें बढ़ रही हैं तो दूसरी ओर कई कंपनियों और फैक्ट्रियों ने भी छंटनी की है। जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है और इससे हालात और ज्यादा पेचीदा हो रहे हैं।

पाकिस्तान के बिगड़ते आर्थिक हालात पर एक रिपोर्ट की है। इसमें उन्होंने लाहौर के एक दिहाड़ी मजदूर आसिफ मसीह के बारे में बताया है, जिसके सामने बीवी और पांच बच्चों को पालने की चुनौती है। 45 साल का आसिफ उन 7,00,000 श्रमिकों में से एक है, जो पाकिस्तान में हाल के सालों में बंद हुए 1,600 कपड़ा कारखानों में से एक में काम करता था। कारखाना बंद होने के बाद उसके पास काम नहीं है। कपड़े बनाने वाली एक फैक्ट्री में इस साल की शुरुआत में नौकरी से निकाले जाने के बाद आसिफ मसीह कभी ऑटोरिक्शा चलाकर तो कभी दिहाड़ी पर कोई काम कर अपने बच्चों के लिए खाना जुटा रहे हैं।

आसिफ लाहौर के योहानाबाद के औद्योगिक क्षेत्र में एक छोटे कमरे में रहते हैं। उनकी पत्नी शमीम आसिफ ने बताया कि जीवनयापन की बढ़ती लागत का उनके परिवार पर बहुत असर हुआ है। आसिफ की तीन बेटियां और दो बेटे हैं, जिनमें से कोई भी स्कूल नहीं जाता है। आसिफ का कहना है कि पहले हम 500 पाकिस्तानी रुपए में अपने घर का खर्च चला लेते थे लेकिन फिलहाल मंहगाई के चलते हालात ये हैं कि सात आदमियों के हमारे परिवार को भोजन पकाने के लिए ही हर दिन करीब 1,500 रुपए चाहिए। ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजने की तो हम कैसे सोच सकते हैं। आसिफ मसीह पाकिस्तान के मौजूदा आर्थिक संकट से प्रभावित उन लाखों लोगों के हालात का आईना हैं, जो हर रोज दो वक्त की रोटी जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से हाल ही में एक और राहत पैकेज पाकिस्तान को मिला है। 1958 के बाद से 23वां राहत पैकेज है। इसके बावजूद देश के हालात संभलते नहीं दिख रहे हैं। मंहगाई सिर्फ खाद्य तक सीमित नहीं है। ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी से उद्योगपतियों को भी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। अर्थशास्त्री और पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल का कहना है कि बीते कुछ समय में आटा,

मांस और चावल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमत कई बार दोगुनी से भी अधिक हो गई है। ये गरीब और श्रमिक वर्ग के लिए विनाशकारी स्थिति है।

सूर्यकुमार की कप्तानी में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के लिए रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया साउथ अफ्रीका दौरे पर आज रवाना हो गई है। जानकारी के अनुसार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टी20 भारतीय टीम बुधवार तड़के साउथ अफ्रीका के लिए रवाना हुई। भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु से दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरी। सूर्या की कप्तानी में भारत ने हाल ही में अपने घर में ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया था। ऐसे में भारतीय युवा खिलाड़ियों के हौसले बुलंद हैं। साउथ अफ्रीका में हालांकि टीम इंडिया के लिए हमेशा से मुश्किलें पेश आई हैं। यह चुनौती आसान नहीं रहने वाली है। रिंकू सिंह ने फ्लाइट के अंदर से सोशल मीडिया पर एक सेल्फी पोस्ट की है जिसमें अर्शदीप सिंह, तिलक वर्मा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि रिंकू सिंह का यह पहला साउथ अफ्रीका दौरा है। 26 साल के इस बैटर के अलावा ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, जितेश शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और रवि बिश्नोई भी पहली बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गए हैं। टीम इंडिया की यंगिस्तान पूरे जोश में है और कुछ कर गुजरने को तैयार है।

सभी युवा खिलाड़ी आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए दावेदारों में शुमार हैं। टी20 विश्व कप का आयोजन जून 2024 में वेस्टइंडीज में होगा। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को साउथ अफ्रीका में आजमाने का फैसला किया है। इन खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का अच्छा मौका है। रिंकू सिंह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 105 रन बना। वह सिर्फ एक बार आउट हुए। लेफ्ट हैंड इस बैटर ने लगभग 190 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। रिंकू ने बतौर फिनिशिर की भूमिका निभाई। साउथ अफ्रीका दौरे पर रवाना होने वाले पहले बैच में टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सहित हेड कोच राहुल द्रविड़, बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ आदि शामिल थे।

आईसीसी टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर वन पर पहुंचे रवि बिश्नोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर रवि बिश्ननोई टी20 की रैंकिंग में नंबर वन पर पहुंच गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार रवि बिश्ननोई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन का इनाम मिला है। बिश्नोई आईसीसी टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर वन पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस दौरान अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान को पीछे छोड़ा। इसके साथ रवि बिश्नोई जसप्रीत बुमराह के क्लब में शामिल हो गए हैं। हालांकि बुमराह भी टी20 रैंकिंग में नंबर वन गेंदबाज रह चुके है। इस तरह टी20 में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा है। फिलहाल तो गेंदबाजों की रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव पहले नंबर पर बने हुए हैं। जबकि आईपीएल में लखनऊ सुपर जॉयंट्स की ओर से खेलने वाले रवि बिश्नोई पिछले सप्ताह 5वें नंबर पर थे। उन्होंने 5 पायदान की छलांग लगाते हुए नंबर वन की कुर्सी हासिल की है। रवि बिश्नोई पिछले सप्ताह 664 रेटिंग प्वॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर थे। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 5 मैचों की टी20 सीरीज में 9 विकेट चटकाए। इससे उन्हें 34 पॉइंट का इजाफा हुआ। बिश्नोई के अब 699 रेटिंग पॉइंट हो गए हैं जो राशिद खान के 7 अंक ज्यादा है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह को मिला स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के सचिव जय शाह को स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार यह अवार्ड सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवाड्र्स 2023 के तहत दिया गया है। बीसीसीआई ने जय शाह की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, बोर्ड के सचिव जय शाह को स्पोर्ट्स बिजनेस अवॉड्र्स 2023 में स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए बधाई। भारतीय खेल प्रशासन में किसी भी शख्स के लिए पहली बार यह सम्मान, वास्तव में वह इसके योग्य हैं!' कार्यक्रम में सीआईआई नेशनल कमेटी ऑन स्पोर्ट्स के अध्यक्ष चाणक्य चौधरी ने भारतीय क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने में शाह की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए पुरस्कार प्रदान किया। गौरतलब है कि जय शाह के नेतृत्व में हाल ही में संपन्न आईसीसी पुरुष विश्व कप ने अब तक के सबसे अधिक दर्शकों वाले विश्व कप के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। टूर्नामेंट की शानदार सफलता ने न केवल दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के दिलों पर कब्जा कर लिया, बल्कि वैश्विक क्रिकेट पावरहाउस के रूप में भारत की स्थिति को भी मजबूत किया है। जय शाह के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट में वेतन समानता की प्राप्ति सबसे उल्लेखनीय प्रगति बताई जा रही है। बाधाओं को तोड़ते हुए और समानता की वकालत करते हुए शाह ने यह सुनिश्चित किया कि पुरुष और महिला दोनों क्रिकेटरों को समान मुआवजा मिले, जो भारतीय खेलों के परिदृश्य में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है। यह कदम न केवल निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पाकिस्तान टीम का कोच बनने जडेजा हुए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जड़ेजा ने कहा है कि वह पाकिस्तान की टीम का कोच बनने को तैयार हैं। अफगानिस्तान ने आईसीसी विश्व एकदिवसीय कप में अपने मिन्नो लेबल को हटा दिया है जिसका श्रेय मुख्य रूप से मेंटर अजय जड़ेजा के प्रभाव को भी जाता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने पूरे विश्व कप में अफगानिस्तान के प्रदर्शन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहले दो पूर्व अभियानों में केवल एक जीत के साथ टूर्नामेंट में अंडरडॉग माने जाने वाले अफगानिस्तान ने भारत में हाल ही में चार प्रभावशाली जीत के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने छठे स्थान पर रहते हुए चैंपियंस ट्रॉफी में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उन्होंने इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ यादगार जीत दर्ज करके अंक तालिका में छठा स्थान हासिल किया। बता दें कि अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के वर्तमान मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट और टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने भी अफगानिस्तान के विश्व कप अभियान में उनकी बड़ी भूमिका के लिए अनुभवी क्रिकेटर की प्रशंसा की। मीडिया से बातचीत में भारत के लिए 15 टेस्ट और 196 वनडे खेलने वाले अजय जडेजा से पाकिस्तान क्रिकेट टीम में कोचिंग की भूमिका निभाने के बारे में पूछा गया। इस पर जड़ेजा ने कहा, मैं तैयार हूं। मैंने अफगानों के साथ अपनी सीख साझा की और मेरा मानना है कि पाकिस्तान भी कभी अफगानिस्तान जैसा था। आप अपने साथी के सामने कुछ भी कह सकते हैं।

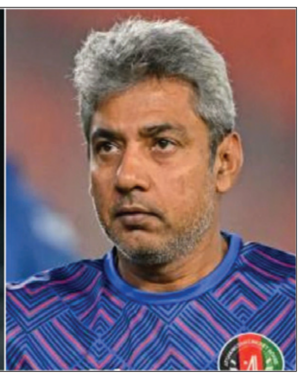

बीसीसीआई के इस फैसले से नाराज हुए इरफान पठान

नई दिल्ली (ईएमएस)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। तीनों फॉर्मेट्स में अलग-अलग कप्तान नियुक्त किए हैं। जहां वनडे की कमान केएल राहुल को दी गई है। टेस्ट की रोहित शर्मा, वहीं, टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव को दी गई है। भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान इससे खुश नहीं हैं। पठान ने तीनों फॉर्मेट्स में अलग अलग कप्तान बनाए जाने पर कहा, ये फ्यूचर के लिए बेशक अच्छा हो सकता है। इसके बारे में काफी पहले से बात हो रही है कि तीनों फॉर्मेट में अलग अलग कप्तान हो। ये बात सच है कि वर्क लोड मैनेजमेंट का मामला यहां पर फंस जाता है। इसी वजह से आप अलग-अलग फॉर्मेट में अलग-अलग कप्तान और अलग-अलग स्क्वॉड देख रहे हैं। इरफान ने कहा, ये बात सच है कि रोहित शर्मा वाइट बॉल क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते हैं। इसलिए वह वाइट बॉल सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। आप उन्हें टेस्ट मैच में कप्तान के रूप में देखते हैं, आने वाले समय में हर फॉर्मेट के लिए कोच भी बदल सकते हैं। मुझे लगता है कि अगर ऐसा हमारे कल्चर में ना ही हो तो अच्छा रहेगा। इरफान का कहना साफ है कि वह अलग-अलग फॉर्मेट में अलग-अलग कप्तान नहीं देखना चाहते हैं।

बांग्लादेश /न्यूजीलैंड दूसरा टेस्ट : पहले ही दिन गिरे 15 विकेट, 13 विकेट स्पिनर्स को

मीरपुर (बांग्लादेश) (एजेंसी)। बांग्लादेश ने 172 रन पर आऊट होने के बाद दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन न्यूजीलैंड के भी 55 रन पर पांच विकेट चटका लिए। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी बांग्लादेश की बल्लेबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही थी लेकिन गेंदबाजों ने उन्हें शानदार वापसी दिला दी। खराब रोशनी के कारण जब पहले दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब न्यूजीलैंड 12.4 ओवर में पांच विकेट पर 55 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। मीरपुर की विकेट पर खेलना दोनों टीमों के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रहा। विकेट से असमान उछाल मिल रही थी और गेंद अधिकतर समय नीची रह रही थी। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करके बांग्लादेश के बल्लेबाजों को दबाव में रखा। पहले 7 ओवर में केवल 8 रन बने। बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर (31 रन देकर तीन विकेट) और ऑफ स्पिनर ग्लेन फिलिप्स (65 रन देकर तीन विकेट) ने तीन-तीन जबकि बाएं हाथ के अन्य स्पिनर एजाज पटेल ने 54 रन देकर दो विकेट लिए।

कप्तान टिम साउदी ने 5.2 ओवर में एक भी रन दिए बिना एक विकेट लिया। बांग्लादेश की तरफ से मुशफिकुर रहीम ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। रहीम क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचा कर आउट होने वाले बांग्लादेश के पहले क्रिकेटर बने। रहीम के अलावा शहादत हुसैन ने 31 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। पहले टेस्ट में शतक जड़कर बांग्लादेश की जीत के नायक बने कप्तान नजमुल हुसैन शंटो केवल नौ रन बना पाए।

वर्ल्ड कप में शोहरत हासिल करने वाले जेराल्ड कोइट्जे, आईपीएल में खेलने को तैयार

मुंबई। वर्ल्ड कप 2023 कई खिलाड़ियों के करियर में रोशनी लेकर आया है। कुछ खिलाड़ियों के लिए मेगा इवेंट बुरा सपना साबित हुआ, तब कुछ ने खूब नाम कमाया। इनमें से एक नाम द.अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कोइट्जे का भी नाम है, जिन्होंने महज 8 माह में करियर की दिशा बदल दी। कोइट्जे ने वर्ल्ड कप में कमाल की गेंदबाजी की और शादी के बंधन में बंध चुके हैं। कोइट्जे ने अपनी शादी के फोटो शेयर किए हैं और भगवान को भी धन्यवाद दिया। द.अफ्रीका की टीम वर्ल्ड कप 2023 में आक्रामक प्रदर्शन करती नजर आई। एक तरफ से बल्लेबाज वार कर रहे थे, दूसरी तरफ टीम के गेंदबाज अपनी रफ्तार से विरोधी टीमों के परखच्चे उड़ा रहे थे। शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने सेमीफाइनल के लिए टिकट काटा। लेकिन नॉकआउट मैच में ऑस्ट्रेलिया के सामने भीगी बिल्ली साबित हुई। टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में कोइट्जे का भी अहम योगदान रहा। उन्होंने महज 8 मैच में 20 विकेट अपने नाम किए। इसके साथ उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में टॉप-5 में स्थान के साथ मेगा इवेंट का अंत किया। कोइट्जे ने 8 महीने पहले इंटरनेशनल टीम में अपना डेब्यू किया था। उन्होंने वर्ल्ड कप में सारे मुकाबलों को मिलाकर कुल 14 मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने 31 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान कोइट्जे ने 4 बार तीन विकेट झटके जबकि 2 बार चार बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाने में कामयाब रहे। हालांकि, अभी तक वनडे करियर में उन्होंने पंजा नहीं खोला है। शानदार प्रदर्शन और जिंदगी में नई पारी की शुरुआत करने के बाद कोइट्जे आईपीएल में भी अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं।

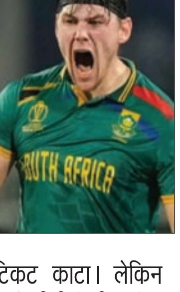

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप: स्पेन के खिलाफ आत्ममुग्धता से भारत को बचना होगा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप में सकारात्मक शुरूआत के बाद भारत को बृहस्पतिवार को पूल सी में स्पेन के खिलाफ मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। उपकप्तान अराइजीत सिंह हुंडल की हैट्रिक के दम पर भारत ने पहले मैच में कोरिया को 4 . 2 हराया। भारत के कोच सी आर कुमार टीम के प्रदर्शन से खास खुश नहीं दिखे।

उन्होंने कहा कि टीम को बाकी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करके अनावश्यक पेनल्टी कॉर्नर देने से बचना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में छह पेनल्टी कॉर्नर दिये जबकि दो ही बना सकी। कुमार ने कोरिया के खिलाफ मैच के बाद कहा ,'' हमें खुशी है कि हमने पूरे तीन अंक लिये लेकिन हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल गंवाये जिस पर ध्यान देना होगा।'' उन्होंने कहा ,'' इतने पेनल्टी कॉर्नर देना सही नहीं है। हमने छह पेनल्टी कॉर्नर दिये और दो ही बना सके। इसमें एहतियात बरतने की जरूरत है।''

भारत ने 2001 में होबर्ट और 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीता है। वहीं 1997 में इंग्लैंड में रजत पदक जीता था। कप्तान उत्तम सिंह और हुंडल पिछली बार भी भुवनेश्वर में टूर्नामेंट खेले थे जब भारत चौथे स्थान पर रहा था। स्पेन ने 2005 में रॉटरडम में कांस्य पदक जीता था। इस पूल में भारत, स्पेन और कोरिया के अलावा कनाडा की टीम भी है। भारत को शनिवार को कनाडा से खेलना है।

पूल ए में गत चैम्पियन अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, चिली और मलेशिया है जबकि पूल बी में मिस्र, फ्रांस , जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका हैं। पूल डी में बेल्जियम, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

भारतीय क्रिकेटर अश्विन को सता रहा 'मिगजॉम का डर

चेन्नई । भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को भी चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम का डर सता रहा है। उन्होंने चेन्नई के लोगों की बदहाली का जिक्र करते हुए कहा कि उनके अपने इलाके में पिछले 30 घंटे से अधिक समय से बिजली गुल है। तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में में 'मिगजॉम तूफान ने तबाही मचाई हुई है। चेन्नई में मंगलवार को बारिश रूक गई लेकिन जगह जगह काफी पानी जमा है, बिजली कटी हुई है और मोबाइल नेटवर्क नहीं आ रहा। इस पीड़ा को अश्विन ने 'एक्स पर लिखा, 'मेरे इलाके में भी 30 घंटे से अधिक समय से बिजली नहीं है। यही हालत अधिकांश इलाकों की है। पता नहीं क्या विकल्प बचा है। गौरतलब है कि चेन्नई के रहने वाले अश्विन लगातार शहर की तस्वीरें और वीडियो क्लिप पोस्ट कर रहे हैं। उन्होंने सोमवार को क्षतिग्रस्त सड़क की वीडियो डालकर लिखा था कि एक दिन और धैर्य रखिए अगर बारिश रूक जाती है, रिकवरी में समय लगेगा। हैशटैग चेन्नई रेंस 2023। गौरतलब है कि तमिलनाडु में बारिश से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में कम से कम 16 लोगों के मारे जाने के समाचार हैं।

बीसीसीआई से रोहित शर्मा की दो टूक, टी20 वर्ल्ड कप में लेना है तो अभी बताएं

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारतीय प्लेयर रोहित शर्मा ने बीसीसीआई से दो टूक कहा है कि वह उसे टी20 वर्ल्ड कप में लेना चाहती हैं तो अभी बतायें। गौरतलब है कि बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट के बारे में विभिन्न बातों पर चर्चा करने के लिए भारत के कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और चयन समिति के साथ लम्बी बैठक की। इस दौरान रोहित लंदन में थे और जूम कॉल के माध्यम से नई दिल्ली में आयोजित बैठक में शामिल हुए। रोहित कुछ महीनों की कठिन नॉन-स्टॉप क्रिकेट के बाद अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने विदेश गए थे, उन्होंने कथित तौर पर बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों और चयनकर्ताओं से पूछा क्या वह चाहते है कि वह वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप का हिस्सा बनें।

बैठक में मौजूद एक अधिकारी के हवाले से रोहित और अन्य लोगों के बीच हुई बातचीत का खुलासा हुआ। रोहित ने उपस्थित अधिकारियों और अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति से पूछा कि क्या उन्होंने उन्हें टी20 विश्व कप में खेलते हुए देखते हैं। अधिकारी के अनुसार बैठक में रोहित ने कहा, अगर आप मुझे टी20 विश्व कप के लिए चुनना चाहते हैं तो मुझे बताएं कि इसके बारे में कैसे जाना है। उपस्थित अधिकारी, कोच द्रविड़ और चयनकर्ता कथित तौर पर सर्वसम्मति से सहमत हुए कि रोहित टी20 विश्व कप में टीम की कमान संभालने के लिए सही व्यक्ति हैं। चयनकर्ता वास्तव में चाहते थे कि रोहित दक्षिण अफ्रीका दौरे से ही टी20 टीम की कमान संभालें, लेकिन अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने पूरे सफेद गेंद से ब्रेक का अनुरोध किया।

ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के तहत आउट होने वाले मुशफिकुर रहीम बने पहले प्लेयर

नई दिल्ली। बांग्लादेश के विकेटकीपर मुशफिकुर रहीम ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील?ड के तहत आउट होने वाले पहले प्लेयर बन गए हैं। बता दें कि न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से मीरपुर में शुरू हुए दूसरे टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश के विकेटकीपर बैटर मुशफिकुर रहीम को ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड आउट घोषित किया गया। इसके साथ ही वे इस नियम के तहत आउट होने वाले बांग्लादेश के पहले बैटर बन गए हैं। मैच में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया लेकिन न्यूजीलैंड की गेंदबाजी के आगे उसके बैटर संघर्ष करते नजर आए। मैच में बांग्लादेश के तीन विकेट 41 रन के स्कोर पर गिरने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम बैटिंग के लिए आए और उन्होंने 83 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 35 रनों की पारी खेली। ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड के तहत उनकी पारी का दुर्भाग्यपूर्ण अंत हुआ। पारी के 41वें ओवर में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइले जैमिसन की गेंद पर रहीम ने डिफेंसिव शॉट खेला लेकिन उन्हें अहसास हुआ कि गेंद बल्ले से उछलकर उनके स्टंप्स को हिट कर सकती है। ऐसे में उन्होंने बाएं हाथ से गेंद को विकेट से दूर हटा दिया। इसके बाद कीवी फील्डरों ने रहीम के खिलाफ ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड की अपील की। मैदान पर मौजूद अंपायर्स ने फैसला टीवी अंपायर को रेफर किया जिन्होंने रिकॉर्डिंग को कई बार देखने के बाद फैसला न्यूजीलैंड टीम के पक्ष में दिया। ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड नियम के अनुसार, कोई भी बल्लेबाज गेंद को खेलने के बाद जानबूझकर विपक्षी टीम के फील्डर्स के काम में बाधा पहुंचाता है या अपने शब्दों और ऐक्शन से उनका ध्यान भटकाता है तो उसे 'ऑब्सट्रक्टिंग द फील्ड' के अंतर्गत आउट दिया जा सकता है। एमसीसी के नियम 37 ।1 में इस बारे में विस-?तार से बताया गया है ।स्ट्राइकर अगर जानबूझकर गेंद को अपने हाथ से हटाता है (जब उसने बैट को हाथ में न पकड़ा हो)

ब्रायन लारा ने की भविष्यवाणी, शुभमन को बताया नई पीढ़ी का सुपरस्टार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने शुभमन गिल को नई पीढ़ी का सुपर स्टार बताया है। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि शुभमन उनके सारे रिकार्ड तोड़ेगा। गौरतलब है कि ब्रायन लारा के नाम टेस्ट मैच की एक पारी में 400 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। लारा ने यह रिकॉर्ड साल 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था जो आज भी अटूट है। लेकिन लारा की मानें तो उनका यह वर्षों पुराना रिकॉर्ड भारत के उदीयमान ओपनर शुभमन गिल तोड़ेंगे। यही नहीं, लारा ने यह भी कहा है कि उनकी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में खेली गई नाबाद 501 रन की पारी को भी गिल ध्वस्त करेंगे। लेफ्ट हैंड पूर्व बैटर लारा ने साल 1994 में काउंटी चैंपियनशिप में वॉरविकशॉयर की ओर से खेलते हुए डरहम के खिलाफ यह रिकॉर्डतोड़ पारी खेली थी। ब्रायन लारा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह मेरा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। गिल ने बेशक वर्ल्ड कप में सेंचुरी नहीं जड़ी लेकिन उन्होंने पहले जो पारियां खेली है। उनके नाम तीनों फॉर्मेट में शतक हैं। वह वनडे में डबल सेंचुरी जड़ चुके हैं। वह आईपीएल में कई मैच विनिंग पारी खेल चुके हैं।

ब्रायन लारा ने 24 साल के गिल को नई सदी के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी बताया हैं। बकौल लारा, यदि गिल काउंटी काउंटी क्रिकेट में खेलते हैं तो, वह मेरे नाबाद 501 रन के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में निश्चिततौर पर वह 400 रन के आंकड़े को भी पार कर सकते हैं। हाल के दिनों में क्रिकेट में काफी कुछ बदलाव आया है। खासकर बैटिंग में बदला हुआ माहौल है। पूरी दुनिया में बल्लेबाज टी20 लीग खेल रहे हैं। आईपीएल ने सबकुछ बदल कर रख दिया है। स्कोरिंग रेट में भी भारी उछाल आया है। इसलिए शुभमन भी बड़ा स्कोर करेंगे। यह आप चाहें तो अभी नोट कर लिजिए।

बता दें कि शुभमन गिल के लिए यह साल बेहतरीन रहा है। वह वनडे क्रिकेट के नंबर वन बल्लेबाज हैं। उन्होंने वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए। गिल के नाम वनडे में सबसे तेज 2000 रन बनाने का रिकॉर्ड है। वह तीनों फॉर्मेट में शतक जड़ने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने साल 2023 में वनडे में 6 शतक जड़े जिसमें एक डबल सेंचुरी भी शामिल है। इस दौरान उनका औसत 60 से भी अधिक का रहा है। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में गिल को अभी अपने आप को साबित करना होगा।

कटरीना ने साझा किया विजय के साथ काम करने का अनुभव

कटरीना कैफ वर्तमान में टाइगर 3 की सफलता का आनंद ले रही हैं। मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने न केवल प्रशंसकों का दिल जीता है, बल्कि आलोचकों से भी प्रशंसा हासिल की है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता हासिल की है। कटरीना के प्रदर्शन और एक्शन दृश्यों व्यापक रूप से सराहना की गई है। हाल ही में अभिनेत्री को जेद्दा में प्रतिष्ठित रेड सी फिल्म फेस्टिवल में भाग लेने का सम्मान मिला। इवेंट में बातचीत के दौरान, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनकी अगली फिल्म मेरी क्रिसमस है। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्म है। अपनी आने वाली फिल्म मेरी क्रिसमस पर चर्चा करते हुए कटरीना कैफ ने निर्देशक श्रीराम राघवन के साथ काम करने का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के करियर में सबसे चुनौतीपूर्ण है। उनके द्वारा निभाया गया किरदार एक महत्वपूर्ण भावनात्मक और कलात्मक निवेश की मांग करता है और राघवन ने एक पुरस्कृत चुनौती प्रदान की। मेरी क्रिसमस एक द्विभाषी फिल्म है, जिसे हिंदी और तमिल दोनों में शूट किया गया है। कटरीना ने कहा कि तमिल संस्करण के लिए तमिल में अपनी लाइनें देने से फिल्मांकन प्रक्रिया में जटिलता बढ़ गई। प्रत्येक दृश्य और प्रत्येक भाषा में के लिए दो टेक की आवश्यकता होती है, जो अभिनेत्री के लिए चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यह उनका उत्साहजनक अनुभव भी रहा। कटरीना ने फिल्म में अपने सह-कलाकार विजय सेतुपति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विजय अद्भुत हैं। उन्होंने हिंदी और तमिल भाषा में फिल्म को बखूबी शूट किया। वहीं बात करें फिल्म की रिलीज के बारे में तो शुरुआत में दिसंबर 2023 में इसे एक नाटकीय रिलीज के लिए निर्धारित किया गया था। फिर फिल्म निर्माताओं ने बाद में इसे स्थगित करने की घोषणा की और फिल्म अब 12 जनवरी, 2024 को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

ओटीटी स्पेशल के लिए फिर एक साथ आए कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर

भारत के टॉप रेटेड कॉमेडियन कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर एक स्ट्रीमिंग कॉमेडी स्पेशल के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। शो के निर्माताओं ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया जिसमें दोनों को एक-दूसरे के गले में हाथ डाले देखा जा सकता है और वे दर्शकों को बता रहे हैं कि वे एक वेब स्पेशल के लिए ज्वॉइन कर रहे हैं। ओजी गैंग के अन्य सदस्य जैसे अर्चना पूरन सिंह, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और राजीव ठाकुर भी वीडियो में दिखाई देते हैं। वीडियो में कपिल कहते हैं, हाय दोस्तों, मैं कपिल शर्मा हूं और मैं जल्द ही एक शो लेकर आ रहा हूं। सुनील ग्रोवर भी यही कहते हैं और कपिल कहते हैं, चलो साथ चलते हैं। सुनील ग्रोवर, जो द कपिल शर्मा शो में अपने लोकप्रिय काल्पनिक पात्रों गुत्थी और डॉ. मशहूर गुलाटी की भूमिका निभाने के बाद एक घरेलू नाम बन गए, ने कपिल शर्मा के साथ अपने बड़े विवाद के बाद 2018 में द कपिल शर्मा शो छोड़ कर सभी को चौंका दिया। दोनों अभिनेता-कॉमेडियन ऑस्ट्रेलिया में एक शो खत्म करने के बाद जब फ्लाइट में वापस मुंबई लौट रहे थे, तब उनके बीच झड़प हो गई। कपिल शर्मा दुनिया भर में अपने प्रशंसकों के लिए रोमांचक कॉमेडी शो के साथ नेटफिलक्स पर अपने पूरे स्टैंडअप कॉमेडी और टॉक शो लाने के लिए तैयार हैं।

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया को अलविदा कहेंगी इलियाना

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक धमाल मचाने वाली अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज इन दिनों कैमरे से दूर मदरहुड एंजॉय कर रही हैं। हालांकि, इलियाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस और बोल्ड तस्वीरों के साथ ही बेटे की फोटोज भी शेयर करती रहती हैं, जिस पर फैंस भी प्यार लुटाने में पीछे नहीं रहते हैं। लेकिन इसके बाद भी इलियाना के फैंस उनके फिल्मों में वापसी की इंतजार कर रहे हैं और अक्सर अभिनेत्री से सवाल भी करते हैं। फिल्मों में वापसी पर चुप्पी साधे बैठी इलियाना डिक्रूज के फैंस के लिए हमारे पास एक ऐसी खबर है, जो उनका दिल तोड़ सकती है। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इलियाना चकाचौंध भरी दुनिया को अलविदा कहने वाली हैं। अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज इन दिनों सोशल मीडिया पर एक मां के रूप में अपने नए जीवन की झलक साझा करने के लिए सुर्खियों में बनी रहती हैं। अपने नन्हे से राजकुमार, कोआ फीनिक्स डोलन के साथ बिताए पलों को फैंस के साथ साझा करने से लेकर, अपने पोस्ट-डिलीवरी वर्कआउट की वीडियो बनाने करने तक, अभिनेत्री अपने फैंस को हर पल की अपडेट देती हैं। लेकिन इन सबके बीच हालिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि इलियाना जल्द ही सिल्वर स्क्रीन पर वापसी नहीं करेंगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री अपने पति माइकल डोलन और बेटे के साथ हमेशा-हमेशा के लिए यूएसए में सेटल होने और अपने अभिनय करियर को अलविदा कहने पर विचार कर रही हैं। रिपोर्ट में एक करीबी सूत्र के अनुसार खुलासा किया गया है कि इलियाना ने अपनी पेशेवर जिंदगी के बजाय अपने पारिवारिक जीवन को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया कि, उन्होंने अपना प्रोफेशनल जीवन छोड़ने का फैसला किया है क्योंकि उन्हें अपने पति और बच्चे के साथ ज्यादा समय बिताने में ज्यादा खुशी मिलती है। फैंस द्वारा स्क्रीन पर इलियाना की वापसी के बारे किए जा रहे सवालों पर बात करते हुए सूत्र ने कहा कि अभिनेत्री इस समय फिल्म ऑफर्स को स्वीकार करने से बच रही हैं। वह इन दिनों अपने परिवार के साथ यूएसए में बसने और वहीं अपना जीवन खुशी से बिताने पर जोर दे रही हैं। इलियाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म अनफेयर एंड लवली की शूटिंग पूरी की है, जिसमें उनके साथ मुख्य भूमिका में रणदीप हुड्डा हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार अभिषेक बच्चन के साथ द बिग बुल में देखा गया था। इस फिल्म का सह-निर्माण अजय देवगन ने किया था।

परेश रावल ने आलिया-रणबीर को बताया प्रतिभाशाली

परेश रावल ने हिंदी सिनेमा में खुद को कॉमेडी फिल्मों के बादशाह के रूप में स्थापित किया है। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म वेलकम 3 और हेरा फेरी 3 की तैयारी कर रहे हैं। फैंस भी परेश को एक बार फिर स्क्रीन पर कॉमेडी करते देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता ने हाल ही में भाई-भतीजावाद को फर्जी बहस बताया है। चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। पिछले कुछ वर्षों में से नेपोटिज्म के मुद्दे पर गरमागरम बहस जारी रहती है। हाल ही में, परेश ने इस विषय पर बात करते हुए इसे पूरी तरह फर्जी बताया। इसके साथ ही उन्होंने आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर उनका बेटा इन दोनों की तरह प्रतिभाशाली होता तो वे अपना सारा पैसा उस पर खर्च कर देते और खर्च करने से पहले एक बार भी नहीं सोचते। हाल ही में, एक इंटरव्यू में परेश ने कहा, मुझे लगता है कि नेपोटिज्म पर बहस फर्जी है। मेरा बेटा अगर रणबीर कपूर या आलिया भट्ट जितना टैलेंटेड होता तो मैं उसमें मेरा सब पैसा लगा देता। यह गलत बात नहीं है। डॉक्टर का बच्चा डॉक्टर नहीं बनेगा तो क्या नाई? बनेगा, जिन लोगों ने भाई-भतीजावाद की बहस पर शोर मचाया, उनसे पूछा जाता है कि वे अपने पिता की विरासत को इतनी खुशी से क्यों स्वीकार करते हैं। इसके बदले इसे अपने पड़ोसी को दे दो। अभिनेता ने हेरा-फेरी 3 पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी को सतर्क रहना होगा क्योंकि यह पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा ब्रांड बन गया है और कोई भी चीजों को हल्के में नहीं ले सकता क्योंकि समय के साथ सिनेमा में दर्शकों का स्वाद बदल गया है। अपने प्रोजेक्ट के बारे में और अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इसकी शूटिंग मार्च-अप्रैल 2024 में शुरू होगी। अभिनेता ने हेरा-फेरी 3 पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी को सतर्क रहना होगा क्योंकि यह पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा ब्रांड बन गया है और कोई भी चीजों को हल्के में नहीं ले सकता क्योंकि समय के साथ सिनेमा में दर्शकों का स्वाद बदल गया है। अपने प्रोजेक्ट के बारे में और अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इसकी शूटिंग मार्च-अप्रैल 2024 में शुरू होगी।

शालिनी पांडे ने बताया -अर्जुन रेड्डी से कैसे अलग था कियारा आडवाणी का किरदार

अभिनेत्री शालिनी पांडे को संदीप रेड्डी वांगा की अर्जुन रेड्डी के लिए पहचाना जाता है। इस फिल्म में विजय देवराकोंडा के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। मगर, शालिनी हिंदी रीमेक कबीर सिंह का हिस्सा नहीं थीं। इसके हिंदी रीमेक में शाहिद कपूर और कियारा आडवाणी नजर आई थीं। अभिनेत्री ने हाल ही में कबीर सिंह को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कियारा आडवाणी का किरदार उनसे कैसे अलग था। शालिनी पांडे से हाल ही में एक बातचीत में सवाल किया गया कि क्या उन्हें लगता है कि व हिंदी रीमेक में कियारा आडवाणी से बेहतर काम कर सकती थीं। एक्ट्रेस ने इसके जवाब में कहा, मुझे नहीं पता। मैंने कभी इस तरह से नहीं सोचा था। मैंने उस फिल्म को बिल्कुल अलग फिल्म के तौर पर लिया। इसके अलावा मेरा यह मानना है कि दो लोगी की अलग-अलग एनर्जी और वाइब्स होती हैं और केमिस्ट्री की तरह यह अलग-अलग लोगों के साथ अलग-अलग होती हैं। मेरी इस बारे में कोई राय नहीं है कि क्या मुझे वहां होना चाहिए था, या मैंने इस किरदार को निभाया होता। अर्जुन रेड्डी एक्ट्रेस ने कहा, मैंने इसे किया है और मैंने इसे एक निश्चित तरीके से किया है और वह मेरे लिए प्रीति थी, लेकिन कबीर सिंह के संदर्भ में कियारा और शाहिद जो लाए हैं, वह पूरी तरह से उनका अपना होगा और अलग है। उन्होंने आगे कहा, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा एक ही फिल्म बना रहे हैं लेकिन इसमें दो अलग-अलग लोग एक साथ आ रहे हैं और एक बिल्कुल नई केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैंने इसके बारे में ऐसा सोचा था, मैंने उनकी केमिस्ट्री और इस पर रुख का आनंद लिया।

डॉन के रोल के लिए हो रही आलोचना पर रणवीर ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म डॉन 3 में डॉन की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने उस आलोचना पर बात की है, जो उन्हें काम शुरू करने से पहले ही मिल रही है। रणवीर, जिन्हें हाल ही में रेड सी फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया गया था, को फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित डॉन फेंचाइजी में बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान द्वारा निभाई गई भूमिका के लिए ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा, यह भूमिका मूल रूप से 1978 की फिल्म में दिग्गज मेगास्टार अमिताभ बच्चन द्वारा निभाई गई थी। डेडलाइन के हवाले से, रणवीर ने बैटन को आगे बढ़ाने के लिए मिली आलोचना को संबोधित करते हुए कहा, मैं डॉन को अपना बनाने और उसे अपनी स्पिन, अपनी व्याख्या देने की उम्मीद कर रहा हूं। यह हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा और सम्मानित फेंचाइजी में से एक की कमान सौंपे जाने का दिन है। इसका महत्व मुझ पर हावी नहीं हुआ है। जब घोषणा की गई, तो जैसी कि उम्मीद थी, यह अपने हिस्से के रूप में आई। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि जब उन्होंने सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित पात्रों में से एक, जेम्स बॉन्ड की भूमिका में कदम रखा तो डेनियल क्रेग को जो आलोचना मिली, उसके साथ उन्होंने समानताएं खींचीं।

ओटीटी पर धमाका करने को तैयार नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ

अभिनेत्री नीना गुप्ता की झोली में लगातार एक के बाद एक फिल्में आ रही हैं। उम्र के इस पड़ाव पर उनके पास काम की कमी नहीं है। बॉलीवुड फिल्मों से लेकर वेब सीरीज और ओटीटी फिल्मों में अभिनेत्री अपनी उपस्थिति दर्ज कराए हुए हैं। अब जल्द ही उनकी एक और फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने जा रही है। इसमें उनकी जोड़ी अभिनेता जैकी श्रॉफ के साथ जमेगी। फिल्म का नाम है, मस्त में रहने का और दोनों की इस आगामी फिल्म का आज पोस्टर जारी हो गया है। जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता अभिनीत ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। बता दें कि जैकी श्रॉफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से आज इस फिल्म का पोस्टर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, क्या आप एक लाइफटाइम यात्रा के लिए तैयार हैं? इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट की भी जानकारी दी गई है, जिसके मुताबिक ये फिल्म इसी महीने की आठ तारीख को रिलीज होगी। फिल्म का पोस्टर दिखने में काफी दिलचस्प है। नीना गुप्ता एक बैग कंधे पर टांगे और एक हाथ में थामे नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर हैरानीभरे हाव-भाव हैं। वहीं, जैकी श्रॉफ उन्हें दूर से देख रहे हैं। अभिनेता के इस पोस्ट पर यूजर्स की काफी दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। एक यूजर ने लिखा, वाह दादा! फिर कुछ कमाल करने आ रहे हो। एक अन्य यूजर ने लिखा, इस फिल्म का इंतजार है। वहीं कुछ यूजर्स फिल्म के लिए अग्रिम बधाई देते भी नजर आ रहे हैं। बता दें कि मस्त में रहने का फिल्म का निर्देशन विजय मौर्य ने किया है। वहीं, पायल अरोड़ा और विजय मौर्य ने मिलकर इसकी पटकथा लिखी है। इस फिल्म में अभिषेक चौहान, मोनिका पंवार, राखी सावंत और फैसल मलिक भी अहम रोल में नजर आने वाले हैं।